THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 154 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.7 2083 गुरुवार, 3 सितंबर-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

युद्ध के बीच आज यूक्रेन जाएंगे एस जयशंकर

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार से यूक्रेन और पोलैंड की तीन दिन की यात्रा पर जाएंगे। जयशंकर की यूक्रेन यात्रा इसलिए अहम है क्योंकि यह कीव और मॉस्को के बीच बढ़ते तनाव के दौरान हो रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'विदेश मंत्री एस. जयशंकर 3 से 5 सितंबर तक यूक्रेन और पोलैंड गणराज्य की आधिकारिक यात्रा करेंगे।'

मंत्रालय ने बताया कि वह अपने यूक्रेनी समकक्ष आंद्री सिबिहा और पोलैंड के उप-प्रधानमंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'इस यात्रा का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। साथ ही, इससे क्षेत्रीय घटनाक्रम और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान का मौका भी मिलेगा।'

चारधाम यात्रा में अगस्त में 2.31 लाख यात्री पहुंचे

4 साल में सबसे ज्यादा; बद्रीनाथ में सबसे ज्यादा 1.25 लाख श्रद्धालु आए

बद्रीनाथ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में अगस्त माह में बारिश भूस्खलन के बीच चारधाम यात्रा की रफ्तार ने नया रिकार्ड बनाया है। बीते चार वर्ष में यह पहला मौका है जब अगस्त में चारधाम में सबसे ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे।

इस साल बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में कुल 2,31,518 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। बद्रीनाथ धाम में सबसे ज्यादा 1.25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। तीन साल बाद केदारनाथ में भी इस अगस्त में सबसे ज्यादा शिव भक्त पहुंचे। कोरोनाकाल के बाद अगस्त 2022 में चारधाम में 2 लाख 67 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे। इस साल 19 अप्रैल से शुरू उत्तराखंड चारधाम यात्रा की रफ्तार जुलाई में सुस्त रही, लेकिन अगस्त में तेज बारिश, बंद हाईवे और कई जगहों पर भूस्खलन की घटनाओं के बावजूद श्रद्धालुओं की संख्या का रिकॉर्ड बना।

राम मंदिर के पहले सीईओ पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा

चंपत राय की जगह गोविंद देवगिरि महासचिव बने, ट्रस्ट के तीन नए सदस्य भी घोषित

अयोध्या, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) को लेकर निर्णय हो गया है। एयर मार्शल जितेंद्र मिशा ट्रस्ट के सीईओ चुने गए हैं। बुधवार को अयोध्या की मणिरामदास छावनी में महंत नृत्यगोपालदास की अध्यक्षता में हुई ट्रस्ट की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया।

बैठक में ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ ही आमंत्रित सदस्य भी मौजूद रहे। वहीं, ट्रस्ट की बैठक में तीन नए सदस्यों की भी घोषणा की गई है। नए शामिल होने वाले सदस्यों में मदन मोहन पांडेय अयोध्या के, महेश भागचंदका दिल्ली के और निर्मला यादव अयोध्या से हैं। ट्रस्ट ने एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा को मंदिर का पहला मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। भारतीय वायुसेना में करीब चार दशक तक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके मिशा अब राम मंदिर की प्रशासनिक और संचालन व्यवस्था को नई दिशा देंगे। एयर मार्शल जीतेंद्र मिशा मूल रूप से देवरिया जिले के भाटपाररानी क्षेत्र के भोपतपुरा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना में फाइटर पायलट के रूप में कमीशन प्राप्त किया था। अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने 18 से अधिक प्रकार के विमानों पर उड़ान भरी और 3,000 घंटे से ज्यादा का उड़ान अनुभव हासिल किया।

कमांडिंग-इन-चीफ के पद पर भी रहे हैं। इसके अलावा एकीकृत रक्षा स्टाफ में उप प्रमुख (सिद्धांत, संगठन एवं प्रशिक्षण) जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। देश के साथ अमेरिका और ब्रिटेन के प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले मिशा के पास बड़े संगठन के संचालन और नेतृत्व का व्यापक अनुभव है। >14

भारत को धन्यवाद : नेपाली पीएम

सही समय पर पड़ोसी देशों ने मदद पहुंचाई; 7 दिन में 1127 मौतें

काठमांडू, 2 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने बाढ़ राहत और बचाव कार्यों में मदद के लिए संसद में भारत और चीन को धन्यवाद दिया। बुधवार को संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों ने समय पर राहत सामग्री, तकनीकी टीमें और आपात मदद भेजी। भारत ने राहत सामग्री की पांचवीं खेप भेजी है। भारतीय टीमें सुरंगों में सर्च ऑपरेशन और शवों की पहचान में मदद कर रही हैं।

वहीं, चीन ने ग्यिरोंग बॉर्डर तक जाने वाला हाईवे खोल दिया है, जिससे राहत दल प्रभावित इलाकों तक पहुंच रहे हैं। बाढ़ में अब तक 1127 लोगों की मौत हो चुकी है और 4800 से ज्यादा लोग लापता हैं। कई हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स के कर्मचारी भी गायब हैं। आशंका है कि कुछ लोग अब भी सुरंगों में फंसे हो सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन से हिमालय में खतरा बढ़ा

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ को हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते जलवायु खतरों की गंभीर चेतावनी बताया। संसद को संबोधित करते हुए शाह ने बुधवार को कहा कि एक्सपर्ट्स के मुताबिक ऊंचे हिमालयी इलाके में बर्फ और चट्टानों का बड़ा हिस्सा टूटने से यह आपदा आई। इससे साफ है कि जलवायु परिवर्तन के साथ हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। शाह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया की गतिविधियों का नतीजा है। इसलिए इसके असर को कम करना और इससे पैदा होने वाले खतरों से निपटना भी पूरी दुनिया की साझा जिम्मेदारी है। नेपाल में बाढ़ के बाद चितवन में नारायणी (गंडक) और त्रिशूली नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है।

तमिलनाडु के 52 मंदिरों में स्मार्टफोन बैन

चेन्नई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 52 प्रमुख मंदिरों में स्मार्टफोन ले जाने और इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। यह नियम मंगलवार से लागू हुआ है। नए नियम के मुताबिक, श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले स्मार्टफोन काउंटर पर जमा करना होगा। इसके लिए हर फोन पर 5 रुपए चार्ज देना होगा। बिना कैमरे वाले मोबाइल फोन मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी।

उत्तराखंड में भारी बारिश, 12 मौतें

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। नैनी झील का जलस्तर 88 फीट पार होने के बाद चैनल खोल दिए गए हैं। राज्य में 172 सड़कें बंद हैं। नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में आज ऑरेंज अलर्ट है। पांच जिलों में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं।

इधर, बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य में गंगा-पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में सुबह से बारिश हो रही है। मंगलवार को तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। भागलपुर में 100 साल पुराना दुर्गा मंदिर कटाव के चलते गंगा में समा गया। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में गंगा में नहाते समय दो नाबालिग बह गईं। उन्नाव में बारिश के बाद गंगा एक्सप्रेसवे पर करीब 7 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इस मानसून में गंगा एक्सप्रेसवे धंसने की यह दूसरी घटना है। वहीं, बलिया में करीब 20 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉन्ग मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में भारी बारिश हो रही है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर है। रामघाट की करीब 400 दुकानें और 20-25 होटल डूब गए हैं। सतना में 2 और 3 सितंबर को स्कूल, कॉलेज और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

बीएसएफ परीक्षा में बवाल, छात्रों का पेपर लीक का आरोप

सेंटर पर तोड़फोड़ और हंगामा, अब 18 को होगा एग्जाम

कानपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर में चकेरी थाना क्षेत्र के श्याम नगर स्थित एमडी इन्फोटेक परीक्षा केंद्र पर बुधवार को आयोजित बीएसएफ कांस्टेबल (मिनिस्ट्रियल) की परीक्षा हंगामे और बवाल की भेंट चढ़ गई। तकनीकी खामियों, बिना चेकिंग के प्रवेश और पेपर लीक होने के गंभीर आरोपों के बीच परीक्षार्थियों ने केंद्र पर जमकर तोड़फोड़ और प्रदर्शन किया।

करीब चार घंटे चले हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद आखिरकार प्रशासन और बीएसएफ अधिकारियों के हस्तक्षेप से परीक्षा रद्द कर दी गई। परीक्षा देने पहुंचे छात्र-छात्राओं का आरोप था कि पहली पाली की परीक्षा शुरू होते ही करीब 40 मिनट तक सिस्टम बंद रहे। जब सिस्टम चालू हुए तो कीबोर्ड और माउस काम नहीं कर रहे थे, केवल सीपीयू चालू था। परीक्षा हॉल में न तो लाइट थी और न ही पंखे चल रहे थे। मुंबई से परीक्षा देने पहुंची छात्रा शालिनी बागुन ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि सेंटर पर परीक्षार्थियों को बिना किसी चेकिंग के सीधे अंदर एंट्री दे दी गई थी। बारिश और उमस के बीच छात्रों ने जब पावर कट और अन्य समस्याओं की शिकायत की, तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिससे छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने सिस्टम व तोड़फोड़ शुरू कर दी।

छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर एडीसीपी पूर्वी शिवा सिंह, एसीपी चकेरी आशुतोष कुमार सिंह के अलावा चकेरी, कैंट, जाजमऊ, नौबस्ता और रेलबाजार थानों का भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया। आक्रोशित छात्र इस बात पर अड़े हुए थे कि जब तक बीएसएफ के आधिकारिक पोर्टल पर अगले एग्जाम की नई तारीख नहीं आ जाती, वे हंगामा खत्म नहीं करेंगे।

जीडीपी के आंकड़े पर संग्राम : कांग्रेस ने बीयर मग से की तुलना

रिजिजू बोले-भारत की तरक्की से इतनी नफरत क्यों?

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की जीडीपी वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही, जिसे सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्थव्यवस्था की मजबूती और बड़ी उपलब्धि बताया है। वहीं कांग्रेस ने आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग की टिप्पणियों का हवाला दिया।

इस राजनीतिक बयानबाजी के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखा पलटवार करते हुए पूछा कि क्या पार्टी 'गहरे नशे' में है या भारत की तरक्की से इतनी नफरत करती है कि जमीनी हकीकत से उसका नाता टूट गया है। रिजिजू ने एक्स पर केरल कांग्रेस की एक पोस्ट का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। केरल कांग्रेस ने अपनी पोस्ट में लिखा था, 'अब कोई भी इस झूठी कहानी पर यकीन नहीं करता। दुनिया इस धोखे को समझती है।' केरल कांग्रेस ने अपनी पोस्ट के साथ बीयर मग की एक तस्वीर भी साझा की थी। तस्वीर में भारतीय अर्थव्यवस्था को 'असली लिक्विड' और आधिकारिक जीडीपी आंकड़ों को बीयर के झाग के रूप में दिखाया गया था। इसी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने कांग्रेस पर निशाना साधा। रिजिजू ने कहा, 'क्या कांग्रेस बहुत ज्यादा बीयर पीने की वजह से गहरे नशे में है या कांग्रेस के लोग भारत की तरक्की से इतनी अंधी नफरत करते हैं कि वे जमीनी हकीकत से दूर हो गए हैं?'

अप्रैल-जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह आंकड़ा ऐसे समय में आया है, जब पश्चिमी एशिया में युद्ध के कारण आर्थिक मंदी की आशंकाएं बनी हुई हैं। इसके बावजूद जीडीपी के आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दे रहे हैं। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर पिछली तिमाही के 8.6 प्रतिशत के मजबूत आंकड़े से कम रही। हालांकि, संघर्ष शुरू होने और ऊर्जा बाजार में आए व्यवधानों के बावजूद 7.8 प्रतिशत की वृद्धि बाजार की उम्मीदों से कहीं बेहतर रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि को 'हुत बड़ी उपलब्धि' बताया है।

504 करोड़ के सरकारी फंड का घोटाला
6 आईएएस और 4 बैंकर्स समेत 19 के खिलाफ तीसरी चार्जशीट दाखिल

पंचकूला, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पंचकूला हरियाणा में सरकारी खजाने में लगी 504 करोड़ रुपये की भारी-भरकम सेंधमारी के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आज बड़ा कदम उठाया है। सीबीआई ने बुधवार, 2 सितंबर 2026 को पंचकूला स्थित विशेष सीबीआई अदालत में 19 आरोपियों के खिलाफ तीसरी चार्जशीट दाखिल कर दी।

इस चार्जशीट में हरियाणा कैडर के 6 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के 3 अधिकारी, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का 1 अधिकारी और हरियाणा सरकार के 9 अन्य कर्मचारी शामिल हैं। सीबीआई जांच में सामने आया कि आरोपी नौकरशाहों और बैंक अधिकारियों ने सुनियोजित आपराधिक षड्यंत्र के तहत इस महाघोटाले को अंजाम दिया। हरियाणा के वित्त विभाग के वित्तीय सतर्कता और धोखाधड़ी रोकथाम संबंधी दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए राज्य सरकार के 8 प्रमुख विभागों के फंड को सूचीबद्ध बैंकों से हटाकर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की उन विशिष्ट शाखाओं में ट्रांसफर किया गया, जहां आरोपी बैंकर्स तैनात थे। इसके बाद इन खातों से फर्जी तरीके से सरकारी धन को तीसरे पक्ष (थर्ड पार्टी) के खातों में भेजा गया, जिनका सरकार से कोई लेना-देना नहीं था।

इस रकम को कई बैंक खातों में घुमाकर (लेयरिंग कर) नकदी में बदला गया और आरोपियों ने आपस में बंदरबांट की। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि इस घोटाले से पंचायत विभाग, पंचकूला व कालका नगर निगम, हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद (एचएसएसपीपी), हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड (एचएलडब्ल्यूबी), हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी), हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) और हरियाणा पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीजीसीएल) प्रभावित हुए हैं।

'विचारधारा पर डटे रहें' नासिक में कांग्रेस नेताओं को राहुल गांधी की नसीहत

मुंबई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नासिक में आयोजित कांग्रेस के दस दिवसीय जिला अध्यक्ष प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेताओं से कांग्रेस की विचारधारा पर मजबूती से कायम रहने और लोगों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने आदिवासी छात्रों से भी बातचीत की और महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ कुंभ मेले, किसानों की आत्महत्या, एसआईआर प्रक्रिया और शक्तिपीठ हाईवे के खिलाफ किसानों के आंदोलन समेत कई मुद्दों पर चर्चा की।

जिला कांग्रेस अध्यक्षों के लिए आयोजित प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन के सत्र में शामिल होने पहुंचे गांधी ने प्रतिभागियों को कराटे और जुजुत्सु का डेमो भी दिया। राहुल गांधी खुद मार्शल आर्ट्स में रुचि रखते हैं और इसका प्रशिक्षण ले चुके हैं। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य आरिफ नसीम खान ने बताया कि राहुल गांधी ने नवनिर्वाचित जिला अध्यक्षों और उनके परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने उन्हें संदेश दिया कि उन्हें कांग्रेस की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़े रहना चाहिए और लोगों को न्याय दिलाने के लिए लड़ना चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार सुबह नासिक पहुंचे। यहां उन्होंने महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद प्रशिक्षण शिविर में जाने से पहले उन्होंने आदिवासी छात्रों से भी बातचीत की। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने बताया कि राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों के साथ करीब दो घंटे तक बातचीत की। इस दौरान उन्होंने जुजुत्सु और कराटे का डेमो भी दिया।

चार बच्चों को मार डालने वाली मां को मिली चार बार उम्रकैद

> खौफनाक कांड से हर कोई रह गया था सन्न

मंदसौर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में चार मासूम बच्चों को कुएं में धकेलकर हत्या करने के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश गरोठ निरंजन कुमार पांचाल की अदालत ने दोषी मां सुगनाबाई को चार अलग-अलग मामलों में चार बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर हर मामले में 2,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह खौफनाक वारदात गरोठ तहसील के ग्राम पीपलखेड़ा में दो वर्ष पहले हुई थी, जहां महिला ने अपने ही बच्चों की जान ले ली थी।

अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद न्यायालय ने महिला को चारों बच्चों की हत्या का दोषी माना। कोर्ट ने प्रत्येक बच्चे की मृत्यु के लिए अलग-अलग आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मृत बच्चों में नौ साल का बंटी, सात साल की अनुष्का, चार साल की मुस्कान और दो साल का कार्तिक शामिल थे। घटना की सूचना मिलते ही गरोठ थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी और मामले की जांच शुरू की थी। पुलिस ने आरोपी सुगनाबाई के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज करके न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि चालीस वर्ष की सुगनाबाई का विवाह लगभग सत्रह वर्ष पूर्व हुआ था। उसका पति रोड सिंह शराब पीकर आए-दिन उसके और बच्चों के साथ मारपीट करता था। वारदात से एक रात पहले भी तेज बारिश के दौरान पति ने महिला तथा बच्चों के साथ मारपीट की और उन्हें घर से बाहर निकाल दिया था। महिला के काफी मिन्नतें करने पर भी पति नहीं माना। उसे चारों बच्चों को साथ लेकर रात में ही आंगनबाड़ी केंद्र जाना पड़ा और वहीं रात बिताई। लगातार घरेलू कलह और प्रताड़ना से परेशान होकर उसने अगले दिन 14 जुलाई 2024 की सुबह यह घातक फैसला लिया।

सपा सांसद अफजाल अंसारी की डालीबाग कोठी अदालत के आदेश पर वापस मिली

लखनऊ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के डालीबाग स्थित सपा सांसद अफजाल अंसारी की कोठी बुधवार को उन्हें वापस मिल गई। गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की गई इस संपत्ति का कब्जा अदालत के आदेश के अनुपालन में नगर निगम और राजस्व विभाग की टीम ने अफजाल अंसारी के परिवार को सौंपा।

करीब 6,700 वर्ग फुट क्षेत्रफल में बनी इस संपत्ति को अक्टूबर 2022 में गाजीपुर पुलिस ने उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत कुर्क कर सील किया था। अदालत के आदेश के बाद बुधवार को प्रशासनिक अधिकारियों की टीम डालीबाग स्थित संपत्ति पर पहुंची। आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सील खोलने का पंचनामा तैयार किया गया और संपत्ति का वास्तविक कब्जा परिवार को सौंप दिया गया। >14

सीता का चरित्र राम से बड़ा : सीएम शिवकुमार

महिलाएं संसद तक नेतृत्व संभालें, सरकार पूरा साथ देगी

बेंगलुरु, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि रामायण में सीता का चरित्र भगवान राम से कहीं बड़ा है। वे बेंगलुरु में उबंटू कंसोर्टियम ऑफ वुमन एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित 'टुगेदर वी ग्रो इंटरनेशनल वुमन एंटरप्रेन्योरशिप डे' के पांचवें संस्करण का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। शिवकुमार ने महिला उद्यमियों से राज्य के विकास में नेतृत्व की भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा- महिलाएं निर्माण करती हैं। उन्हें संसद तक नेतृत्व संभालना चाहिए। सरकार पूरा साथ देगी।

शिवकुमार ने कहा कि ग्राम पंचायतों से लेकर संसद तक महिलाओं का नेतृत्व जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'जब महिलाओं की रचनात्मकता, क्षमता और दृढ़ता को पूंजी, तकनीक और बाजार तक पहुंच मिलती है, तो वे क्या बना सकती हैं इसकी कोई सीमा नहीं रहती। सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसा माहौल बनाए, जिसमें उनकी क्षमता आगे बढ़ सके।' सीएम ने कहा कि उन्हें युवाओं और महिलाओं की ताकत पर भरोसा है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार ने पांच गारंटी योजनाएं शुरू की हैं। इनमें शक्ति, गृह लक्ष्मी, गृह ज्योति, अन्न भाग्य और युवा निधि शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'गृह लक्ष्मी योजना के तहत राज्य की 1.22 करोड़ महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए मिलते हैं। इससे उन्हें अपने परिवार संभालने में मदद मिली है।'

शिवकुमार ने भारतीय संस्कृति में महिलाओं को परिवार की आंखें बताया। उन्होंने कारोबार चलाने के दौरान आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही महिला उद्यमियों की तारीफ की और उन्हें सरकार के पूरे समर्थन का भरोसा दिया। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने अपनी सास और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तथा अपने पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मौत जैसे झटकों का सामना किया। इसके बाद भी उन्होंने आगे बढ़कर पार्टी का नेतृत्व किया। शिवकुमार ने महाभारत की द्रौपदी और कुंती का उदाहरण देते हुए कहा कि महिलाओं में बहुत प्रतिभा और क्षमता है। उन्होंने महिलाओं से नेतृत्व की भूमिका संभालने की अपील की।

बीसीआई में मनन मिश्रा की ताकत पर चली कैंची

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-आप स्थायी अध्यक्ष नहीं

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की कार्यप्रणाली पर अहम आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मनन कुमार मिशा की अगुवाई वाली बीसीआई अब अकेले कोई बड़ा नीतिगत फैसला नहीं ले सकती। ऐसे फैसलों में अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल की सक्रिय भागीदारी और सहमति जरूरी होगी।

मनन मिशा स्थायी अध्यक्ष नहीं: सुप्रीम कोर्ट

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि मनन कुमार मिशा लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए स्थायी अध्यक्ष नहीं हैं। वह फिलहाल कार्यवाहक यानी प्रो-टेम अध्यक्ष की तरह हैं। उनका अधिकार राज्य बार काउंसिलों के नए चुनाव और नई बीसाआई बनने तक सीमित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक मौजूदा पदाधिकारी फिलहाल बीसीआई का नियमित और प्रशासनिक काम संभालेंगे। बड़े नीतिगत फैसले लेने का अधिकार उनके पास नहीं होगा। यह आदेश उन याचिकाओं पर आया है, जिनमें मनन मिशा को बीसीआई अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की गई थी।

2012 से पद पर रहने का आरोप

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि बिहार से भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन मिशा 2012 से लगातार बीसीआई अध्यक्ष पद पर हैं। याचिकाकर्ताओं ने बीसीआई के बनाए 'पर्ल फर्स्ट' ट्रस्ट को लेकर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि मनन कुमार मिशा समेत कई लोग इसमें व्यक्तिगत क्षमता में लाइफ मैनेजिंग ट्रस्टी हैं। ट्रस्ट गोवा में अंतरराष्ट्रीय कानूनी शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय चलाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नई बीसीआई के गठन पर फैसला सभी राज्य बार काउंसिलों के चुनाव के बाद होगा। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से दो सप्ताह में दो महिला सदस्यों के मनोनयन की प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है।

हाथी को भगाने गया था वनकर्मी, गुस्साए हाथी ने पलट दिया खेल, आम के पेड़ पर चढ़कर बचानी पड़ी जान

अंगुल, 2 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के अंगुल जिले में हाथियों को गांव से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे वन विभाग के एक कर्मचारी की जान उस समय खतरे में पड़ गई, जब एक टस्कर हाथी ने अचानक उसका पीछा करना शुरू कर दिया। कर्मचारी ने किसी तरह पास के एक आम के पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचाई। यह घटना छेंडीपदा वन रेंज के अंतर्गत पटकमुंडा गांव में हुई। अब इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, हाथियों का एक झुंड गांव में घुस आया था। हाथियों के गांव में पहुंचने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की एलीफेंट स्क्वाड मौके पर पहुंची। टीम का उद्देश्य हाथियों को गांव से दूर कर वापस जंगल की ओर भेजना था। वन विभाग के कर्मचारी हाथियों को धीरे धीरे गांव से बाहर की ओर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान झुंड में शामिल एक टस्कर अचानक एक वनकर्मी की तरफ दौड़ पड़ा। हाथी को अपनी ओर आता देखकर वनकर्मी ने बचने की कोशिश की।

एसआईआर को लेकर भड़के कपिल सिब्बल

बोले- 'एससी दखल दे, मुसलमानों को निशाना बनाने की बात कही है'

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। देश के जाने-माने वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर एक बार फिर बीजेपी को घेरा है। उन्होंने इसे वोटर लिस्ट में हेरफेर का जरिया बताया है और मुसलमानों को निशाना बनाने की बात कही है। कपिल सिब्बल ने बुधवार (2 सितंबर) को एक्स पर पोस्ट कर झारखंड एसआईआर को बाहर रखने की राजनीति करार दिया है। उन्होंने लिखा कि इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड एसआईआर लोगों को इससे बाहर रखने की राजनीति है, क्योंकि बीजेपी के एजेंट मुसलमानों को निशाना बनाते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी के एजेंट बड़ी संख्या में नाम हटाने की कोशिश करते हैं। कपिल सिब्बल ने मांग की है कि इस पर सुप्रीम कोर्ट को दखल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को इसे रोकना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि एसआईआर एक ऐसी कवायद है, जिसका मकसद वोटर लिस्ट में हेर-फेर करना है ताकि बीजेपी चुनाव जीत सके। इसके अलावा न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए देश के वरिष्ठ वकील ने आरोप लगाया कि किसी भी राजनीतिक पार्टी का सदस्य या कार्यकर्ता किसी व्यक्ति के बारे में कह सकता है कि वह यहां नहीं रहता और उसका नाम हटा दिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएलओ के पास बड़ी संख्या में फॉर्म 7 जमा किए गए, फिर नाम हटा दिए गए। कपिल सिब्बल ने कहा कि बीएलओ ने इसका विरोध किया क्योंकि इसके पीछे कोई ठोस तथ्य नहीं था। जब यह मामला सामने आया, तो पता चला कि जिन जगहों पर एसआईआर के तहत फॉर्म 7 भरे जा रहे थे, वहां मुसलमानों को निशाना बनाया गया था।

फिर पता चला कि वे वहां सदियों से रह रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड में विपक्ष की सरकार है, इसलिए वे वहां दबाव नहीं डाल सकते, लेकिन जहां उनकी (बीजेपी) की अपनी सरकार है, वहां उन्होंने मनमानी की तो फिर एसआईआर का क्या मतलब है? सभी को यह समझने की जरूरत है कि अगर ऐसा ही चलता रहा, तो यह विवादित है। सिब्बल ने आरोप लगाया कि जो लोग बीजेपी के वोटर नहीं हैं, उनके नाम हटाए जा रहे हैं।

क्लास में बिरयानी पर विवाद, 4 घंटे की सजा

फरीदाबाद में स्कूल की तीसरी मंजिल से कूदी छात्रा मौत; अब आया स्कूल प्रबंधन का जवाब

फरीदाबाद, 2 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद के डबुआ-गाजीपुर रोड स्थित नवोदय विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 11वीं कक्षा की 16 वर्षीय छात्रा ने स्कूल की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर बीके अस्पताल रेफर किया गया।

बीके अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद छात्रा को मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान डबुआ निवासी जानवी के रूप में हुई है। जानवी के पिता प्रमोद कुमार ने स्कूल की एक शिक्षिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कक्षा में छात्राओं के बीच बिरयानी खाने को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इस विवाद में उनकी बेटी की कोई गलती नहीं थी,

इसके बावजूद उसे सजा दी गई। पिता के मुताबिक, स्कूल की कुछ छात्राओं ने उन्हें इस बारे में जानकारी दी। प्रमोद कुमार का आरोप है कि स्कूट के टीचर ने जानवी को करीब चार घंटे तक धूप में खड़ा रखा गया। उनका कहना है कि इस घटना से उनकी बेटी काफी आहत थी। पिता ने आशंका जताई कि इसी मानसिक परेशानी के चलते जानवी ने स्कूल की तीसरी मंजिल से छलांग लगाने जैसा कदम उठाया।

वहीं, स्कूल के प्रधानाचार्य आरके शर्मा ने छात्रा को सजा दिए जाने के आरोपों को पूरी

दिशा सालियान केस में बड़ा फैसला

बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिया सीबीआई जांच का आदेश

मुंबई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। दिवंगत बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार (2 सितंबर) को अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने इस मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को एफआईआर दर्ज करने और पूरी निष्पक्षता के साथ मामले की गहराई से जांच करने का आदेश दिया है। दिशा के पिता सतीश सालियान ने अपनी बेटी की मौत को हत्या बताते हुए, मामले में एफआईआर दर्ज करने और सीबीआई से जांच कराने की मांग की थी, जिस पर हाईकोर्ट ने आज अपना फैसला सुनाया।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले पर सुनवाई 28 अगस्त को ही पूरी हो गई थी। शुक्रवार को न्यायमूर्ति एसवी कोटवाल और आरआर भोंसले ने दिशा की मौत की जांच हत्या के रूप में करने की मांग वाली उनके पिता सतीश सालियन की याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था, जिसमें उनके वकील नीलेश ओझा के माध्यम से यह तर्क दिया गया था कि इसमें संदिग्ध परिस्थितियां शामिल थीं। पिता ने मौत को संदिग्ध बताया था। सतीश सालियान ने अपनी याचिका में दावा किया है कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसके साथ बलात्कार कर उसकी हत्या की गई थी।

इसी आधार पर उन्होंने अदालत से गुहार लगाई है कि इस मामले में एफआईआर दर्ज की जाए और एक निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो। उन्होंने जांच के लिए सीबीआई की मांग की थी। दरअसल दिशा सालियान 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड स्थित एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। शुरुआती जांच के बाद मुंबई पुलिस ने इसे आत्महत्या का मामला मानते हुए एक एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की थी। हालांकि दिशा का परिवार पुलिस के इस निष्कर्ष से सहमत नहीं हुआ। दिशा सालियान सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं।

आंध्र प्रदेश में बनेंगे 5,000 नए मंदिर

सीएम नायडू ने निर्माण में तेजी लाने के दिए निर्देश

अमरावती, 2 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने राज्यभर में प्रस्तावित 5,000 मंदिरों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) और धर्मादा विभाग के अधिकारियों से मंदिरों के लिए स्थान जल्द से जल्द तय करने और स्थल अंतिम होने के बाद निर्माण कार्य शुरू करने को कहा। समीक्षा बैठक के दौरान टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी मुद्दादा रवि चंद्र ने बताया कि 28 जिलों के 161 विधानसभा क्षेत्रों से 4,192 मंदिरों के निर्माण के प्रस्ताव मिले हैं, जबकि 967 मंदिरों का निर्माण पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि मंदिरों का निर्माण तीन श्रेणियों के तहत किया जाएगा।

इनमें अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की बस्तियों, मछुआरा बस्तियों, कमजोर वर्गों की बस्तियों और सामान्य क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि मंदिरों के लिए स्थल तय होने के बाद निर्माण कार्य में तेजी लाई जा सकती है। मुख्यमंत्री नायडू ने मंदिर निर्माण और धार्मिक कार्यक्रमों के लिए श्रीवाणी ट्रस्ट से प्राप्त धन का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि टीटीडी को हिंदू धर्म और आध्यात्मिकता के प्रचार-प्रसार से जुड़े अपने कार्यक्रमों का दायरा बढ़ाना चाहिए। नायडू ने कहा कि टीटीडी के पास करीब 11.18 लाख श्रीवारी सेवा स्वयंसेवक हैं। नवनिर्मित मंदिरों में इन स्वयंसेवकों की सेवाओं का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने बोर्ड सदस्यों, श्रद्धालुओं और श्रीवारी सेवा स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए कार्यकारी समितियां गठित करने की संभावना पर भी विचार करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने अन्य राज्यों की राजधानियों में संबंधित सरकारों से परामर्श कर भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि मॉरीशस जैसे देशों से भी भगवान वेंकटेश्वर के मंदिरों के निर्माण की मांग आ रही है। नायडू ने श्रीवारी मंदिरों को हिंदुओं के आध्यात्मिक केंद्रों के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। नायडू ने नए मंदिरों के लिए आवश्यक पुजारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्देश दिया।

एसीबी ने तिरुपति में टीटीडी के डिप्टी एग्जीक्यूटिव ऑफिसर से जुड़ी जगहों पर ली तलाशी

तिरुपति, 2 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश का एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) बुधवार को तिरुपति में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के डिप्टी एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, मेंडु लोकनाथम के घर पर तलाशी ले रहा है। एसीबी की टीमें बुधवार सुबह से ही पेड्डाकापु लेआउट में लोकनाथम के घर पर तलाशी ले रही हैं। इस बीच, एसीबी अधिकारी तिरुमला में उनके ऑफिस में भी तलाशी ली। उनके घर और ऑफिस, दोनों जगहों पर एक साथ तलाशी ली गई। एसीबी अधिकारी उनके रिश्तेदारों से जुड़ी जगहों पर भी एक साथ तलाशी ली। एसीबी डीएसपी श्रीनिवास राव की अगुवाई में एसीबी अधिकारियों की सात टीमों ने सुबह 6 बजे तलाशी शुरू की।

जब अधिकारी तलाशी शुरू करने के लिए पहुंचे, तो लोकनाथम अपने घर पर ही थे। भ्रष्टाचार-रोधी एजेंसी की यह तलाशी उन आरोपों की जांच का हिस्सा है जिनमें कहा गया है कि टीटीडी अधिकारी के पास उनकी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं ज्यादा संपत्ति है। सूत्रों के मुताबिक, तिरुमला में लोकनाथम से जुड़े एक गेस्ट हाउस में भी तलाशी चल रही थी। तिरुपति में लोकनाथम के दो सालों के घरों पर भी एक साथ तलाशी ली गई। इसी तरह, अधिकारियों ने येरपेडु मंडल के चेल्लुर में उनकी बहन के घर पर भी तलाशी ली। एसीबी अधिकारियों ने

तिरुपति में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एसटीवी नगर शाखा में लोकनाथम के लॉकर भी खोले। लोकनाथम अभी श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मंदिर डिप्टी ईओ के तौर पर काम कर रहे हैं। इससे पहले वह टीटीडी में कई पदों पर रह चुके हैं। एक दशक में यह दूसरी बार है जब एसीबी ने किसी टीटीडी अधिकारी से जुड़ी जगहों पर तलाशी ली है। 2016 में, एजेंसी ने टीटीडी के तत्कालीन डिप्टी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर टी। भूपति रेड्डी के घर पर तलाशी ली थी।

तिरुपति और वेंगलुरु में उनके रिश्तेदारों और करीबी सहयोगियों के घरों पर भी एक साथ तलाशी ली गई। ये छापे इस आरोप के आधार पर मारे गए थे कि आरोपी के पास ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं ज्यादा संपत्ति थी। अधिकारियों को 12 हाउसिंग साइट, दो बैंक लॉकर, एक अपार्टमेंट और चार मंजिला इमारत से जुड़े दस्तावेज/रिकॉर्ड मिले।

आईबी अफसर अंकित शर्मा हत्याकांड

ताहिर हुसैन की अपील पर दिल्ली हाई कोर्ट ने पुलिस से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फरवरी 2020 के दंगों के दौरान खुफिया ब्यूरो (आईबी) के कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में पूर्व आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद ताहिर हुसैन की याचिका पर पुलिस से जवाब मांगा है। ताहिर हुसैन ने अंकित शर्मा मर्डर केस में अपनी सजा और दोषी ठहराए जाने के फ़ैसले को चुनौती दी है। जस्टिस प्रतिभा एम। सिंह और विकास महाजन ने अपील को स्वीकार कर लिया और इसे अन्य संबंधित अपीलों के साथ 2 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। कड़कड़डूमा कोर्ट ने 31 जुलाई को ताहिर हुसैन और उनके साथ चार अन्य दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उन्हें 13 जुलाई को दोषी ठहराया गया था। कोर्ट ने पांचों दोषियों ताहिर हुसैन, नजीर, आसिम, जावेद और अनास को उम्र कैद की सजा सुनाई थी। अंकित शर्मा की हत्या 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान दयाल पुर इलाके में हुई थी।

उनका क्षत-विक्षत शव एक नाले से बरामद हुआ था। वर्ष 2020 में नागरिकता संशोधन कानून के समर्थकों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसा के बाद 24 फरवरी, 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक झड़पें हुईं, जिसमें कम से कम 53 लोग मारे गए और कई घायल हो गए थे। इसी दौरान जब अंकित शर्मा आरोपियों को शांत करने और उनसे कानून हाथ में नहीं लेने का आग्रह कर रहे थे। तभी उन्हें पकड़ लिया गया और उनकी जान लेने के बाद शव नाले में फेंक दिया गया था। ताहिर हुसैन ने 2017 में आम आदमी पार्टी के टिकट पर पार्षद का चुनाव जीतकर पार्षद बना। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अमरोहा स्थित पौरारा गांव का रहने वाला है। पांच भाइयों में ताहिर सबसे बड़ा है। 2017 के चुनावी हलफनामे में उसने 18 करोड़ की घोषित संपत्ति थी। 2020 के दिल्ली दंगों में ताहिर का नाम आया। दंगों में ताहिर का नाम आने के बाद आम आदमी पार्टी ने उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया।

जम्मू-कश्मीर में एनसी-भाजपा के प्रदर्शन पर पीडीपी का निशाना

महबूबा मुफ्ती ने पुलिस पर लगाए दोहरे मापदंड के आरोप

श्रीनगर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा के एक-दूसरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने प्रतिक्रिया दी है। पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि पुलिस जनहित के मुद्दों पर पीडीपी के प्रदर्शन को अनुमति नहीं देती, लेकिन उसने भाजपा और एनसी को एक-दूसरे खिलाफ विरोध-प्रदर्शन में मदद की है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, वही पुलिस, जो पीडीपी को जनहित के मुद्दों पर शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन के लिए अपने दफ्तर से बाहर निकलने की इजाजत नहीं देती, उसने भाजपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस को एक-दूसरे के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करने में मदद की है। मुफ्ती ने कहा कि इस साफ दोहरे मापदंड का कारण बताया जाना चाहिए। आखिर कौन इन चुनिंदा पाबंदियों को मंजूरी देता है और क्यों अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों के लिए कानून अलग-अलग तरह से लागू किया जा रहा है? उधर, पीडीपी नेता वहीद-उर-रहमान पारा ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, आज नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा का विरोध-प्रदर्शन एक तमाशा जैसा लग रहा है।

जम्मू-कश्मीर में प्रशासन के फेल होने और बेरोजगारी बढ़ने के बीच, ऐसा लगता है कि वे उन लोगों के साथ 'फिक्स्ड मैच' खेल रहे हैं, जिन्होंने उन्हें वोट दिया था। लोग सिर्फ तमाशबीन नहीं हैं, उन्हें सब याद रहता है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) बुधवार को राज्य का दर्जा बहाल, संवैधानिक सुरक्षा और जम्मू-कश्मीर से जुड़े अन्य मुद्दों की मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रही है।

डीएसपी गुरशेर संधू की बर्खास्तगी रद्द, हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

चंडीगढ़, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के डीएसपी गुरशेर संधू को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनकी सेवा से बर्खास्तगी का आदेश रद्द कर दिया है। इसके साथ ही उनकी पुलिस सेवा में वापसी का रास्ता साफ हो गया है। पंजाब सरकार ने दो जनवरी, 2025 को संधू को सेवा से बर्खास्त किया था। यह कार्रवाई गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के खरड़ स्थित सीआइए परिसर में हुए साक्षात्कार के मामले में की गई थी।

बाद में संधू के खिलाफ फिरौती और भ्रष्टाचार से जुड़े मामले भी दर्ज किए गए थे। संधू ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर बर्खास्तगी के आदेश को चुनौती दी थी। उनका कहना था कि साक्षात्कार प्रकरण में उन्हें अनुचित तरीके से जिम्मेदार ठहराया गया और पूरे मामले में बलि का बकरा बनाया गया। याचिका में उन्होंने बताया था कि बिश्नोई को पंजाब लाए जाने के बाद से ही वह एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की हिरासत में था।

खरड़ के सीआइए परिसर में भी उसकी कस्टडी एजीटीएफ के पास थी। ऐसे में साक्षात्कार के लिए उन्हें सीधे जिम्मेदार ठहराकर सेवा से बर्खास्त करना उचित नहीं था। संधू ने अपनी याचिका में यह भी कहा था कि बर्खास्तगी जैसी कठोर कार्रवाई से पहले उनका पक्ष उचित रूप से नहीं सुना गया। उन्होंने इसी आधार पर सरकार के आदेश को चुनौती दी थी। हालांकि समाचार लिखे जाने तक हाई कोर्ट का विस्तृत आदेश जारी नहीं हुआ।

पत्नी बोली- पति कमाता है 1 लाख

कोर्ट में न दिखा सकी कागज; 1,840 रुपये प्रतिमाह गुजारा भत्ता देने का आदेश

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में 1,840 रुपये महीने के गुजारा भत्ते को अपर्याप्त बताते हुए एक महिला ने कड़कड़डूमा कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। महिला ने दावा किया कि उसके पति की मासिक आय करीब एक लाख रुपये है और उसे मेडिकल स्टोर के अलावा संपत्तियों से किराये की आय भी होती है। इसी आधार पर उसने गुजारा भत्ता बढ़ाने की मांग की। हालांकि, अदालत में पति की इतनी अधिक आय साबित करने वाला कोई ठोस दस्तावेज पेश नहीं किया जा सका। मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत में हुई। महिला की ओर से दलील दी गई कि दिल्ली जैसे शहर में महज 1,840 रुपये में बुनियादी जरूरतें पूरी करना मुश्किल है। वहीं, पति की ओर से बताया गया कि वह उत्तर प्रदेश के गवां स्थित न्यू अग्रवाल मेडिकल स्टोर में सेल्समैन के रूप में काम करता है और उसकी मासिक आय केवल 8,000 रुपये है।

पति ने यह भी बताया कि उस पर अपने और तीन बच्चों की जिम्मेदारी है। अदालत ने रिकॉर्ड

की जांच की तो पत्नी के इस दावे के समर्थन में मेडिकल स्टोर से जुड़ा कोई दस्तावेज या संपत्तियों के मालिकाना हक और किराये की आय का प्रमाण नहीं मिला। ऐसे में निचली अदालत ने उत्तर प्रदेश में लागू न्यूनतम मजदूरी को आधार बनाकर पति की आय करीब 11,021 रुपये प्रतिमाह मानी थी।

परिवार के सदस्यों के बीच आय के बंटवारे के आधार पर पत्नी के लिए 1,840 रुपये प्रतिमाह गुजारा भत्ता तय किया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने माना कि 1,840 रुपये में दिल्ली जैसे शहर में गुजारा करना निश्चित रूप से कठिन है। लेकिन, अदालत ने कहा कि केवल अधिक आय का दावा कर देने से पति की आर्थिक क्षमता साबित नहीं हो जाती। उपलब्ध रिकॉर्ड में पति की आय एक लाख रुपये के आसपास होने का कोई प्रमाण नहीं मिला।

प्रदेश में मान्यता न लेने वाले मदरसों के खिलाफ प्रशासन ने शुरू की कार्रवाई, रुद्रपुर में दो सील

देहरादून, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में मान्यता न लेने वाले मदरसों के खिलाफ प्रशासन की ओर से कार्रवाई शुरू कर दी गई है। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह गांधी के मुताबिक सोमवार को रुद्रपुर में एक मदरसे को सील किए जाने के बाद एक अन्य मदरसे को सील किया गया है। जबकि एक अन्य को नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा, मानकों को पूरा न करने वाले मदरसों का निरीक्षण कर प्रदेशभर में इस तरह की कार्रवाई होगी। प्राधिकरण के अध्यक्ष के मुताबिक उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड की व्यवस्था समाप्त हो चुकी है। एक जुलाई 2026 से राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण की नई व्यवस्था लागू है। इसका लक्ष्य बच्चों को उनकी धार्मिक पहचान से जोड़े रखते हुए आधुनिक शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है,

लेकिन देखने में आया है कि राज्य के कई मदरसे न मान्यता ले रहे न ही इसके लिए आवेदन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राज्य सरकार का उद्देश्य सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और संस्कारयुक्त शिक्षा उपलब्ध कराना है। यह कार्रवाई संस्थाओं को बंद करने के बजाय व्यवस्था सुधारने और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने पर केंद्रित है।

यासीन मलिक ने पत्नी मुशाल को तलाक देने का लिया फैसला

तिहाड़ जेल से भेजा जम्मू कोर्ट में हलफनामा, कहा- 8 साल से नहीं हुई बात

श्रीनगर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। यासीन मलिक ने अपनी पत्नी मुशाल मलिक से शादी खत्म करने का फैसला किया है। उन्होंने जम्मू की टाडा/पोटा कोर्ट में 25 पेज का एक बहुत ही निजी हलफनामा दायर किया है। इसी कोर्ट में यासीन मलिक के खिलाफ हत्या के एक मामले की सुनवाई चल रही है। नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद यासीन मलिक ने यह हलफनामा अपने तीन सबसे करीबी लोगों- अपनी मां, पत्नी मुशाल और 13 साल की बेटी रजिया सुल्ताना के लिए एक संदेश के तौर पर लिखा है। उसने कहा कि वह नहीं चाहता कि मुशाल विधवा हो। यासीन मलिक ने मुशाल के लिए लिखा कि उन्हें उनकी आवाज सुने हुए आठ साल हो गए हैं।

इस दौरान उन्हें न तो फोन पर बात करने की इजाजत मिली और न ही वीडियो कॉल पर उनसे मिलने दिया गया। शादी से अलग होने का फैसला क्यों किया, इस बारे में बताते हुए, यासीन मलिक ने लिखा कि मैं नहीं चाहता कि मुशाल अपनी बाकी जिंदगी इन हालात के बोझ तले या विधवा की तरह जिए। मैं चाहता हूं कि वह सम्मान और उम्मीद के साथ अपनी जिंदगी का एक नया अध्याय शुरू करे। फांसी या कई और साल जेल में बिताने की आशंका के बीच, मलिक ने कहा कि उन्होंने अपनी पत्नी को शादी के बंधन से आजाद करने का बेहद दर्दनाक फैसला लिया है, ताकि उन्हें उस चिंता और अनिश्चितता में न जीना पड़े जो अब उनकी अपनी किस्मत बन गई है।

अपनी बेटी रजिया के लिए उनका संदेश नरम था, लेकिन उसका वजन कम नहीं था। उन्होंने उससे कहा कि वह अपनी दादी के करीब रहे और उन्हें रोज फोन करे, भले ही सिर्फ पांच मिनट के लिए, ताकि इस मुश्किल समय में दादी को उसका प्यार और साथ महसूस होता रहे। यासीन मलिक ने साफ कहा कि यह हलफनामा दया या सहानुभूति पाने के लिए नहीं लिखा गया था। इसके बजाय उन्होंने इसे अपनी अंतरात्मा की अंतिम बात बताया। इसके कुछ ही समय बाद, रजिया ने एक वीडियो में जवाब दिया कि अगर उनके पिता सच में तलाक लेते हैं,

तो वह अपनी जान दे देगी। इस हलफनामे और उस पर रजिया की प्रतिक्रिया ने एक कानूनी लड़ाई में मानवीय पहलू जोड़ दिया है, जो सालों से ज्यादातर अदालतों और टेरर चार्ज की भाषा में लड़ी जा रही थी। यासीन मलिक जम्मू-कश्मीर में टेरर-फंडिंग के मामले में 2019 से जेल में है और मई 2022 में उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के चेयरमैन मोहम्मद यासीन मलिक ने 1990 में कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट की हत्या का आदेश देने या उसमें शामिल होने से इनकार किया है। श्रीनगर की अदालत में जमा किए गए एक विस्तृत हलफनामे में मलिक ने कहा कि 1991 में इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने उन्हें बताया था कि सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि इस हत्या में खुर्शीद चालकू शामिल था, जो पहले सीमा पार गाइड का काम करता था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 3 सितंबर, 2026 3

सुविचार: कोई भी समस्या चिल्लाने या क्रोधित होने से नहीं सुलझती। उसे शांति के साथ सुलझाना पड़ता है।

हैदराबाद में नकली मुद्रा रैकेट का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद जोन की कमिश्नर टास्क फोर्स ने बालापुर पुलिस के साथ मिलकर नकली भारतीय नोटों के प्रचलन में एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और तीन लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 2.91 लाख रुपये मूल्य के नकली नोट, छपाई उपकरण और अन्य सामग्री जब्त की गई। आरोपियों की पहचान ज़ोमैटो डिलीवरी वर्कर रामावथ रामू उर्फ मोहम्मद (36), रैपिडो ड्राइवर रामावत मोतीलाल (35), और ऑटो ड्राइवर रामावत गांधी (19), सभी निवासी चिंतल थांडा, वड्डीपटला के रूप में हुई। एक अन्य कथित सहयोगी, नागोले, बंदलागुडा का सुधीर जॉन चेला उर्फ वामशी फरार है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर वीडियो देखकर जाली नोट बनाने की विधि सीखी और बाद में एक कलर प्रिंटर, स्कैनर, बॉन्ड पेपर और अन्य सामग्री प्राप्त की। उन्होंने कथित तौर पर 500 रुपये, 200 रुपये और 100 रुपये के नकली नोट छापे, उन पर वॉटरमार्क जैसी विशेषताएं जोड़ीं और उन्हें शराब की दुकानों और सब्जी बाजारों में, विशेष रूप से रात के समय, थोड़ी-थोड़ी मात्रा में वितरित किया। जब्त की गई नकली मुद्रा में 437 नकली 500 रुपये के नोट, 648 नकली 100 रुपये के नोट और 39 नकली 200 रुपये के नोट शामिल थे। पुलिस ने नकल के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए असली नोट, एक एप्सन कलर प्रिंटर और स्कैनर, लैमिनेटर, पेपर कटर, रंगीन तरल पदार्थ, गांधी जी की छपी हुई तस्वीरें, वॉटरमार्क पेपर, रैपिंग सामग्री और तीन स्मार्टफोन भी बरामद किए। एक बाइक भी जब्त की गई। आरोपियों और जब्त की गई संपत्ति को आगे की जांच के लिए बालापुर पुलिस को सौंप दिया गया। यह अभियान टास्क फोर्स शमशाबाद जोन के इंस्पेक्टर डी कृष्ण मोहन, बालापुर के इंस्पेक्टर सुधाकर, एसआई के मंसूर अली और उनकी टीमों द्वारा चलाया गया।

कांग्रेस सरकार के 1,000 दिन पूरे, सभी वर्गों को मिली स्वतंत्रता : जग्गारेड्डी

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के 1,000 दिन पूरे होने के अवसर पर कांग्रेस नेता जग्गारेड्डी ने कहा कि कांग्रेस शासन में राज्य के सभी वर्गों को स्वतंत्रता मिली है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में लोगों को स्वतंत्रता नहीं थी, जबकि कांग्रेस सरकार में बिना पुलिस की बाधाओं के धरना देने से लेकर सचिवालय जाने तक की आजादी मिली है। जग्गारेड्डी ने कहा कि युवाओं और कर्मचारियों की प्रमुख अपेक्षा स्वतंत्रता की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर के शासन में स्वतंत्रता नहीं होने की भावना के कारण ही जनता ने कांग्रेस को सत्ता में लाया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वादों के अनुसार कई योजनाएं लागू हो चुकी हैं और जनता उनका लाभ उठा रही है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा, 250 इकाइयों तक निशुल्क बिजली, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, बारीक चावल और नए राशन कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में लागू आरोग्यश्री योजना केसीआर के मुख्यमंत्री बनने के बाद कमजोर पड़ गई थी, जबकि रेवंत रेड्डी के मुख्यमंत्री बनने के बाद 10 लाख रुपये तक के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

नई दिल्ली में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और एआईसीसी महासचिव जयराम रमेश से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी, सांसद एम. अनिल कुमार यादव, तथा राज्य सरकार के सलाहकार (प्रोटोकॉल) हरकारा वेणुगोपाल मौजूद रहे।

नशे वाली दवाओं की अवैध बिक्री के खिलाफ विशेष अभियान

158 मेडिकल दकानों में अनियमितताएं पाई गईं

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलँगाना स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी फॉर फूड एंड एसेंशियल ड्रग्स (टीजी सेफ) के ड्रग्स विंग ने आदत डालने वाली दवाओं की अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिए राज्यभर में मेडिकल दुकानों पर विशेष छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के तहत राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित खुदरा मेडिकल दुकानों की जांच की गई। इस दौरान ट्रामाडोल टैबलेट, प्रेगाबालिन युक्त दवाएं, नाइट्राजेपाम टैबलेट, अल्प्राजोलम टैबलेट, टैपेंटाडोल टैबलेट, कोडीन युक्त कफ सिरप और जोलपिडेम टैबलेट सहित आदत डालने वाली दवाओं की अवैध बिक्री पर विशेष ध्यान दिया गया। छापेमारी के दौरान 158 मेडिकल दुकानों में अनियमितताएं पाई गईं। संबंधित दुकानों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कार्रवाई में दवा लाइसेंस निलंबित या रद्द करना भी शामिल है।

कर अधिकारियों ने 25 परिसरों पर छापा मारा

अवैध गुटखा इकाई का भंडाफोड़

हैदराबाद, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वाणिज्यिक कर विभाग ने अवैध पान मसाला और तंबाकू व्यापार पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है और विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर 1 सितंबर को हैदराबाद भर में 25 परिसरों का निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने बरकस के पास एर्रागुंटा में एक आवासीय परिसर से संचालित एक अनाधिकृत पान मसाला और गुटखा निर्माण इकाई का पता लगाया। बड़ी मात्रा में कच्चा माल, रसायन और निर्माण सामग्री बरामद कर जब्त कर ली गई। अधिकारियों ने पान मसाला सहित कई लोकप्रिय ब्रांडों के नाम और ब्रांडिंग वाले नकली पैकेजिंग सामग्री भी बरामद की। यूनिट से मशीनरी, सामान और पैकेजिंग सामग्री जब्त की गई। बेगम बाज़ार, फीलखाना, टॉलीचौकी, गोलकुंडा, बड़ा बाज़ार, लंगर हौज़ और बाबानगर में आगे के निरीक्षण से पान मसाला और अन्य तंबाकू उत्पादों के बेहिसाब स्टॉक का पता लगाया गया और उसे जब्त कर लिया गया। विभाग ने कहा कि स्रोत और वितरण नेटवर्क का पता लगाने और कर चोरी की सीमा निर्धारित करने के लिए आगे की जांच जारी है। तेलंगाना जीएसटी अधिनियम, 2017 और केंद्रीय जीएसटी अधिनियम, 2017 के साथ-साथ अन्य लागू कानूनों के तहत कार्रवाई शुरू की जाएगी। अधिकारियों ने गुप्त रूप से उत्पादन करने, कर चोरी करने, बेहिसाब स्टॉक रखने या कर योग्य लेन-देन को छिपाने में शामिल निर्माताओं और व्यापारियों को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

स्वस्थ खान-पान की आदतें बचपन से ही शुरू होनी चाहिए: डॉ. कुलकर्णी

हैदराबाद, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) की निदेशक डॉ. भारती कुलकर्णी ने कहा कि बचपन से ही स्वस्थ आहार संबंधी आदतें विकसित की जानी चाहिए, और दो साल से कम उम्र के बच्चों को बिना अतिरिक्त चीनी वाले आहार का सेवन करने की सलाह दी जाती है। डॉ. कुलकर्णी उत्तराखंड से आए 15 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रही थीं, जो प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) द्वारा आयोजित हैदराबाद प्रेस टूर के तहत आईसीएमआर-एनआईएन का दौरा कर रहा था। उन्होंने खाद्य संरचना, पोषक तत्वों की आवश्यकताओं और आहार संबंधी मार्गदर्शन पर वैज्ञानिक प्रमाण जुटाने में संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डाला। भारतीय खाद्य संरचना सारणी (आईएफसीटी) और अनुशंसित आहार भत्ते (आरडीए) शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और पोषण कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ के रूप में कार्य करते हैं। बच्चों में बढ़ते मोटापे और अधिक वजन की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने इसके लिए गतिहीन जीवनशैली और वसा, चीनी और नमक से भरपूर खाद्य पदार्थों के अत्यधिक सेवन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकती और आहार में विविधता लाने तथा व्यवहार में बदलाव लाने का आह्वान किया। डॉ. कुलकर्णी ने कहा कि आईसीएमआर-एनआईएन उत्तराखंड की स्वदेशी फसलों और बाजरा का भी अध्ययन कर रहा है, जिसमें मंडुआ, झंगोरा, चोलाई और कोडा शामिल हैं, जबकि एनीमिया को कम करने में रागी के सेवन की भूमिका का आकलन करने के लिए अध्ययन चल रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने वैज्ञानिक-जी और एनआईसीएचई डिवीजन के प्रमुख डॉ. सुब्बा राव एम. गवरवरपु के नेतृत्व में आयोजित तकनीकी सत्रों में भी भाग लिया, जिन्होंने मीडिया पेशेवरों से खाद्य पदार्थों से संबंधित भ्रांतियों का मुकाबला करने और साक्ष्य-आधारित पोषण प्रथाओं को बढ़ावा देने का आग्रह किया। बाद में पत्रकारों ने खाद्य विश्लेषण और लिपिड रसायन अनुसंधान का अवलोकन करने के लिए आईसीएमआर-एनआईएन प्रयोगशालाओं का दौरा किया और सांस्कृतिक दौरे के हिस्से के रूप में सालार जंग संग्रहालय भी देखा।

बोलारम आर्मी आर्मरी चोरी: मिलिट्री इंटेलिजेंस मल्टी-एजेंसी जांच में शामिल

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बोलारम में मद्रास रेजिमेंट के एक ठिकाने से सर्विस हथियार और गोला-बारूद चोरी होने की जांच अब कई एजेंसियों की संयुक्त जांच बन गई है, जिसमें मल्काजगिरी पुलिस के साथ मिलिट्री इंटेलिजेंस भी शामिल हो गई है।

यह चोरी 31 अगस्त को सामने आई थी। इसमें सिकंदराबाद छावनी इलाके में सेना के एक सुरक्षित स्टोरेज ठिकाने से सर्विस हथियार, मैगज़ीन, गोला-बारूद और एक नाइट विजन डिवाइस चोरी हुए थे। सेना ने बताया कि पांच असॉल्ट राइफल, सात पिस्तौल, 21 मैगज़ीन और गोला-बारूद चोरी हुए। हथियारों में एके-203 राइफल, एक इन्हास राइफल और कई पिस्तौलें भी शामिल थीं।

बोलारम पुलिस और सेना के अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि प्रतिबंधित ठिकाने से हथियार कैसे निकाले गए और क्या चोरी में अंदर के लोग, बाहर के लोग या दोनों शामिल थे। जिन कर्मचारियों के पास स्टोरेज और कस्टडी वाले इलाकों में जाने की अनुमति थी, उनसे पूछताछ की जा रही है, साथ ही रिकॉर्ड, जारी करने और प्राप्त करने के रजिस्टर और एक्सेस की जानकारी की जांच की जा रही है। जांच अधिकारी आर्मरी में सेंधमारी से जुड़ी परिस्थितियों की भी जांच कर रहे हैं, जिसमें ताले की हालत और ठिकाने के आसपास सुरक्षा व्यवस्था शामिल है।

पता चला है कि हथियारों की आखिरी बार भौतिक रूप से गिनती 30 अगस्त को की गई थी, जबकि चोरी का पता 31 अगस्त को सुबह करीब 7.50 बजे चला, जब सेना के कर्मचारियों ने स्टोरेज ठिकाने को खोला और ताले टूटे हुए पाए। हथियार किस समय और कैसे गायब हुए, इसकी जांच की जा रही है। अंदर के किसी व्यक्ति की भूमिका की संभावना की जांच की जा रही है क्योंकि स्टोरेज इलाके में जाने पर प्रतिबंध था।

इस बीच, सेना ने विस्तृत आंतरिक जांच शुरू कर दी है और अपने हथियार और गोला-बारूद के स्टॉक का दोबारा सत्यापन किया है। अधिकृत स्टोरेज इलाकों और आसपास के परिसरों में तलाशी ली गई है, जबकि ठिकाने तक पहुंच रखने वाले कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। जांच करने वाले अब गायब हथियारों और गोला-बारूद का पता लगाने, इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों की पहचान करने और यह पता लगाने पर ध्यान दे रहे हैं कि क्या सुरक्षा या प्रक्रिया में किसी चूक की वजह से यह घटना हुई।

खबरों के मुताबिक, मिल्खा सिंह ग्राउंड के पास लगे एक प्राइवेट सीसीटीवी कैमरे में चोरी के समय इलाके के आस-पास एक मोटरसाइकिल देखी गई। अंधेरे और हेडलाइट की तेज़ रोशनी की वजह से उसका रजिस्ट्रेशन नंबर पता नहीं चल सका। पुलिस चोरी से इसके संभावित कनेक्शन की जांच कर रही है। बोलारम पुलिस ने लेफ्टिनेंट कर्नल मयंक गोविंतिरकर की शिकायत पर मामला दर्ज किया है और स्पेशल टीमें बनाई हैं। जिन आर्मी कर्मचारियों की आर्मरी (हथियार रखने की जगह) तक पहुंच है, उनसे पूछताछ की जा रही है। बाउंड्री वॉल के पास एक मैगज़ीन भी मिली है, हालांकि चोरी से इसके कनेक्शन का अभी पता नहीं चल पाया है। इस बीच, आर्मी ने इंटरनल जांच के आदेश दिए हैं और सुरक्षा कड़ी कर दी है। हथियारों के स्टॉक, रिकॉर्ड और एक्सेस की मंज़ूरी की जांच की जा रही है। खबरों के मुताबिक, आर्मी इलाके और ट्रेनिंग एरिया से गुज़रने वाले कुछ रास्ते अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं और एंट्री के समय सख़्त जांच शुरू की गई है। जांच करने वाले सुरक्षा में हुई संभावित चूक की जांच कर रहे हैं। कोई भी अनुशासनात्मक कार्रवाई या कोर्ट-मार्शल की प्रक्रिया इंटरनल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगी।

केबीआर पार्क के आसपास एकतरफा यातायात व्यवस्था की समीक्षा

पुलिस आयुक्त सज्जनार और जीएचएमसी आयुक्त कर्णन ने किया संयुक्त निरीक्षण

हैदराबाद, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार, आईपीएस और जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन ने केबीआर पार्क के आसपास लागू नई एकतरफा यातायात व्यवस्था का संयुक्त निरीक्षण कर उसकी कार्यप्रणाली की समीक्षा की। 18 अगस्त को नई यातायात व्यवस्था लागू होने के 15 दिन बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न प्रमुख जंक्शनों का दौरा कर पिछले दो सप्ताह के दौरान सामने आए जमीनी अनुभवों और वाहन चालकों की प्रतिक्रियाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने फिल्म नगर, जर्नलिस्ट कॉलोनी, रोड नंबर 45, जुबली हिल्स चेकपोस्ट और केबीआर पार्क मुख्य द्वार सहित महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन स्थानों की पहचान की गई, जहां वाहनों की गति धीमी होने के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। अधिकारियों ने कहा कि चुनिंदा हिस्सों में सड़क चौड़ीकरण से यातायात का सुचारु और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जा सकता है। इस संबंध में प्राथमिकता के आधार पर सड़क चौड़ीकरण कार्य तेज करने, अधिक यातायात वाले स्थानों पर आवश्यक सड़क मरम्मत तत्काल पूरी करने तथा जल निकासी संबंधी समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से फिल्म नगर जंक्शन से रोड नंबर 45 जंक्शन के बीच यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए प्राथमिकता वाले कार्य करने का निर्णय लिया गया। सड़क चौड़ीकरण में बाधा बन रहे बिजली के खंभों, जलापूर्ति पाइपलाइनों, जल निकासी व्यवस्था तथा अन्य उपयोगिता ढांचों को युद्धस्तर पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त सज्जनार और जीएचएमसी आयुक्त कर्णन ने एकतरफा यातायात व्यवस्था में सहयोग के लिए हैदराबाद के नागरिकों और वाहन चालकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था शहर के समग्र विकास के लिए महत्वाकांक्षी 'एच-सिटी' परियोजना के तहत फ्लाईओवर निर्माण को सुगम बनाने के उद्देश्य से लागू की गई है। निरीक्षण में संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस, पुलिस उपायुक्त (यातायात) काजल सिंह, टीजीएसपीडीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जितेश वी. पाटिल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अभियंता और अधिकारी उपस्थित रहे।

जुबली हिल्स में घर में घुसकर सोना और गहने चुराए

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में रोड नंबर 10 पर चोरों ने एक बिजनेसमैन के घर में घुसकर 10 तोले से ज़्यादा सोने के गहने और हीरे की अंगूठी चुरा ली।

पुलिस के मुताबिक, राजस्थान के रहने वाले बिजनेसमैन नीलू कौर ने शिकायत दर्ज कराई कि चोर खिड़की की ग्रिल हटाकर घर के पिछले हिस्से से अंदर घुसे थे। घटना के समय घर खाली था। चुराए गए गहनों में पन्ने की अंगूठी, ब्रेसलेट, हार, झुमके और अन्य गहने शामिल थे। शिकायत के आधार पर, जुबली हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कौर के घर को निशाना बनाने से पहले, चोर ने कथित तौर पर उसी इलाके के दो और घरों में घुसने की कोशिश की थी। हालांकि, आवाज़ सुनकर जब घरवाले जाग गए तो वह भाग गया। जांच के तहत, पुलिस ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट इकट्ठा किए हैं और संदिग्धों की पहचान के लिए घरों और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

SIR Special Intensive Revision

विशेष गहन पुनरीक्षण 25 जून, 2026 से

VOTE FOR VIBRANT DEMOCRACY

V.O.T.E

भारत निर्वाचन आयोग

दावें और आपत्तियों का चरण दि.17-08-2026 से 16-09-2026

तेलंगाना राज्य का चुनावी मतदाता सूची या ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल्स का मसौदा दि.17-08-2026 को प्रकाशित हुवा है तथा अब दावें और आपत्तियों का चरण शुरु हुवा है। यह जांच लें कि अगरचे आपका नाम और जानकारी दर्ज हुवा है या नहीं।

यदि आपको कोई शिकायत हो तो, दि.16 सितंबर, 2026 से पहले बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ)/एइआरओ/इआरओ से संपर्क कीजिए।

फॉर्म -6 का उपयोग करें
यदि आप 1 अक्तूबर, 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं और आपने किसी भी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता या वोटर के रूप में अपना नाम दर्ज नहीं किया है। हाल ही का फोटो, आयु प्रमाण आदि सहित और डिक्लेरेशन फॉर्म प्रस्तुत कीजिए।
(नया नामांकन)

फॉर्म 7 का उपयोग करें
यदि आपत्तियां जैसे, मृत मतदाताएं/नकली मतदाताएं या वोटर्स आदि।
(हटाना)

फॉर्म -8 का उपयोग करें
यदि आप अपनी जानकारी, मोबाइल नंबर अपडेशन, अड्रेस परिवर्तन/वोटर आयडी कार्ड में सुधार चाहते हैं।
(सुधार)

अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन : 19-10-2026

Scan here for ecinet.eci.gov.in

Website: https://voters.eci.gov.in / https://ecinet.eci.gov.in / https://www.eci.gov.in

ज्यादा जानकारी के लिए बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ)/एइआरओ/इआरओ से संपर्क करें।

CEOTelangana CEOTelangana ChiefElectoralOfficerTelangana CEO_Telangana

For further details call 1950 10.30am - 5pm. Toll Free

आपका वोट-आपकी जिम्मेदारी इलेक्टोरल रोल्स में आपकी जानकारी अपडेट करें। मजबूत इलेक्टोरल रोल्स में योगदान दीजिए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, BABU RAM is legally Father of No-15176010Y, Rank-HAV, Name-ROHIT KUMAR, Residing at Vill – Raghunathpur, Po – Airwa Katra, Teh- Bidhuna, Dist- Auraiya, U.P., I have to change my Name from BABU RAM to BABURAM For all purpose vide affidavit dated: 02-09-2026.

I, SATYBATI is legally Mother of No-15176010Y, Rank-HAV, Name-ROHIT KUMAR, Residing at Vill – Raghunathpur, Po – Airwa Katra, Teh- Bidhuna, Dist- Auraiya, U.P., I have to change my Name from SATYBATI to SATYVATI For all purpose vide affidavit dated: 02-09-2026.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

आंध्र प्रदेश में क्लोरोक्विन टैबलेट्स के असर से एक छात्र की मौत, 53 बीमार

कोत्तागुडेम, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पोलावरम जिले के एटापाका मंडल के गोल्लागुप्पा में क्लोरोक्विन टैबलेट्स के कथित बुरे असर के कारण एक छात्र की मौत हो गई और 53 छात्र बीमार पड़ गए। मंगलवार देर रात छात्रों को जिले के भद्राचलम स्थित सरकारी एरिया हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि एक छात्र बेहोश था और 20 छात्र गंभीर रूप से बीमार थे।

सूत्रों के मुताबिक, पिछले शुक्रवार को गांव में मलेरिया से पीड़ित एक छात्र, पड्डम रोजा की मौत हो गई थी। इसके बाद स्थानीय डॉक्टरों ने गोल्लागुप्पा में एक हेल्थ कैंप आयोजित किया और एक सरकारी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र के 73 छात्रों को क्लोरोक्विन टैबलेट्स दी गईं।

दूसरी कक्षा की छात्रा मदावी जमुना (7) को घर पर उल्टी हुई और उसे पोलावरम के लक्ष्मीपुरम प्राइमरी हेल्थ सेंटर ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भद्राचलम भेजा गया।

एरिया हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट डॉ. राजशेखर रेड्डी, डॉ. रामकृष्ण, रिटायर्ड डॉक्टर कोटी रेड्डी और आसपास के इलाकों के डॉक्टर छात्रों का इलाज कर रहे हैं। स्थिति पर नज़र रखने के लिए चिंटूर आईटीडीए प्रोजेक्ट ऑफिसर शुभम नोखवाल और असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस बी. हेमंत कुमार भद्राचलम पहुंचे।

यूपी में एच1एन1 का खतरा बढ़ा मंत्री जयवीर सिंह भी संक्रमित

लखनऊ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में स्वाइन फ्लू यानी इंफ्लुएंजा एच1एन1 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अब प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह भी संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में हुई जांच में उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसके बाद मंत्री ने खुद को क्वारंटीन कर लिया है। वहीं, प्रदेश में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़कर 685 हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को पिछले कई दिनों से बुखार था। उस समय वह फिरोजाबाद में थे।

इसके बाद उन्होंने लखनऊ लौटकर जांच कराई। मलेरिया की रिपोर्ट निगेटिव आई, लेकिन इंफ्लुएंजा एच1एन1 यानी स्वाइन फ्लू की पुष्टि हो गई। संक्रमण की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने खुद को क्वारंटीन कर लिया। चिकित्सकों ने उन्हें तय प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है।

एनएचएआई के डी सॉफ्टवेयर से कर रहे थे टोल वसूली

ईडी ने 14 ठिकानों पर मारी रेड

लखनऊ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों में केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय यानी कि ईडी ने सर्च ऑपरेशन सुबह से जारी है। करीब 14 लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन की कार्रवाई हो रही है। सूत्र के अनुसार यूपी समेत देशभर में फर्जी टोल कलेक्शन घोटाले में ईडी ने शिकंजा कसा है। यूपी के वाराणसी समेत कई अन्य ठिकानों पर ईडी की छापेमारी की कार्रवाई चल रही है। एनएचएआई सर्वर के समानांतर फर्जी/पायरेटेड सॉफ्टवेयर बनाकर अवैध वसूली हो रही थी।

यूपी एसटीएफ ने टोल चोरी का खुलासा किया था। टोल वसूली का सिर्फ 5% सरकारी रिकॉर्ड और 95% का घोटाला हो रहा था। टोल संचालकों, आईटी कर्मियों और आरोपियों के बीच रकम बांटने का आरोप है। ईडी छापेमारी के दौरान डिजिटल रिकॉर्ड खंगाल रही है। बैंक खाते और बेनामी संपत्तियों के

दस्तावेज की भी जांच चल रही है। घोटाले की रकम के अंतिम लाभार्थियों तक पहुंचने में ईडी जुटी हुई है। फर्जी फास्टैग से ओवर लोडेड-कमर्शियल वाहनों को निकालने का खेल जारी था। यूपी एसटीएफ और केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर कई टोल संचालक हैं। वाराणसी से टोल घोटाले के कथित मास्टरमाइंड आलोक सिंह को गिरफ्तार किया गया था।

देश के 200 से अधिक टोल प्लाजा की चल रही है जांच

अलोक सिंह पर हरहुआ में रहकर अवैध नेटवर्क ऑपरेट करने का आरोप है। वाराणसी के लाला नगर टोल प्लाजा पर 62.87 करोड़ की स्टांप चोरी का मामला की भी जांच चल रही है। देशभर के 200 से अधिक टोल प्लाजा की जांच जारी है, जिनमें से 100 के करीब यूपी के टोल प्लाजा हैं।

फर्जी टोल वसूली मामले में ईडी की जांच जारी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल ऑफिस ने एनएचएआई के विभिन्न टोल प्लाजा पर कथित फर्जी टोल वसूली से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई शुरू की है।

ईडी ने आज 2 सितंबर 2026 को पीएमएलए की धारा 17 के तहत एक साथ 14 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। जांच के सिलसिले में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू, मध्य प्रदेश, एनसीआर और कोलकाता स्थित परिसरों पर तलाशी ली जा रही है।

सिपाही ने की आत्महत्या सीने से सटाकर मारी गोली

मुरादाबाद, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में मंगलवार देर शाम एक सिपाही ने सरकारी रायफल से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो ख़ून से लथपथ सिपाही पड़ा मिला, जिसके बाद आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। आनन फ़ानन में सिपाही को नजदीक अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक सिपाही की पहचान मोनू कुमार सांगवान (30 साल) के रूप में हुई है,

जो मूल रूप से गौतमबुद्ध नगर जिले का रहना वाला था। 2018 बैच के सिपाही मोनू की तैनाती बिलारी कोतवाली क्षेत्र की सहसपुर चौकी पर थी। मोनू बिलारी में ही किराये के कमरे पर रहता था। मोनू ने कमरे में सरकारी रायफल की नाल बाईं ओर सीने से सटाकर गोली चलाई। गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मुजफ्फरनगर हिस्ट्रीशीटर मुत्तलिव गुमशुदगी मामला सीबीआई को सौंपा

एचसी ने पुलिस पर जताई नाराजगी

प्रयागराज, 2 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मुजफ्फरनगर के हिस्ट्रीशीटर मुत्तलिव की गुमशुदगी के मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी है। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने मुत्तलिव के नाम से उसके भाई आलम की ओर से दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई के दौरान पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। कहा कि याची के गायब होने के दो ही कारण हो सकते हैं। या तो आपराधिक पृष्ठभूमि के चलते पुलिस ने उसे मार डाला अथवा वह कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए छिपा हुआ है। दोनों ही स्थितियों में सच्चाई सामने आनी आवश्यक है।

सीबीआइ को निर्देश दिया गया है कि वह केस डायरी लेकर जांच शुरू करे और तीन हफ्तों में प्रारंभिक रिपोर्ट दे। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी। याची के खिलाफ मुजफ्फरनगर के विभिन्न थानों में लगभग 30 मामले दर्ज हैं। हाई कोर्ट से 17 दिसंबर 2025 को मिली जमानत के बाद चार मई 2026 को उसे रिहा किया गया था। याचिका के अनुसार रिहाई के तुरंत बाद थाना पुरकाजीपुर पुलिस ने मुत्तलिव और उसके पिता को हिरासत में ले लिया। पिता को सात मई 2026 को छोड़ दिया गया, लेकिन मुत्तलिव लापता है।

राज्य सरकार का कहना है कि मुत्तलिव के खिलाफ सत्र परीक्षण संख्या 1344/2012 में गैर-जमानती वारंट जारी हुआ था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। वारंट जारी होने की तारीख को लेकर भी विरोधाभास सामने आया। पहले इसे 13 मई 2026 बताया गया, जबकि बाद में रिकार्ड में 18 जून 2026 दर्शाया गया। थाना पुरकाजीपुर के एसएचओ डा। मानवेंद्र सिंह भाटी व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुए।

कोर्ट ने पाया कि 15 अगस्त 2026 को गठित विशेष टीम केवल सार्वजनिक स्थानों पर मुत्तलिव की तस्वीर चस्पा करने तक सीमित रही। न तो मुत्तलिव के परिवार, पड़ोसियों और दोस्तों के बयान दर्ज किए गए न ही किसी ने उसे चार मई 2026 के बाद देखा। कोर्ट ने कहा कि यह रवैया दर्शाता है कि पुलिस गंभीरता से जांच नहीं कर रही, बल्कि मामले को लंबा खींच रही है।

'आकृति ने पत्थरबाजी के लिए उकसाया तो वीडियो कहां है?

नोएडा हिंसा मामले में एचसी ने सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज, 2 सितंबर (एजेंसियां)। नोएडा में अप्रैल में श्रमिक प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी और आगजनी के लिए लोगों को उकसाने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत निरुद्ध दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा आकृति चौधरी के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार से वीडियो साक्ष्य पेश करने को कहा है। कोर्ट ने पूछा कि आखिर वह वीडियो कहां है, जिसमें आकृति प्रदर्शनकारियों को पत्थरबाजी या वाहनों में आग लगाने के लिए उकसाती दिखाई दे रही हैं। 25 वर्षीय आकृति की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर बुधवार दो सितंबर को फिर सुनवाई होगी।न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से तीखे सवाल किए। पीठ ने पूछा कि पुलिस रिकार्ड में कहां दर्ज है कि आकृति ने भीड़ को बुलाकर पत्थर फेंकने या वाहनों में आग लगाने के लिए कहा था। सरकार की ओर से बताया गया कि मामले में आरोपपत्र दाखिल हो चुका है। इस पर कोर्ट ने कहा कि आरोपपत्र दाखिल होने के बाद यह देखना जरूरी है कि किस गवाह ने विशेष रूप से आकृति का नाम लिया है।सरकार ने कुछ गवाहों के बयानों का हवाला दिया, लेकिन कोर्ट इससे संतुष्ट नहीं हुआ। पीठ ने कहा कि पुलिस कमिश्नर ने मीडिया में आरोपितों के खिलाफ मजबूत इलेक्ट्रानिक और वीडियो साक्ष्य होने की बात कही थी।

यदि ऐसा है तो वह वीडियो अदालत में पेश किया जाए और उसमें वह स्थान भी चिह्नित किया जाए, जहां आकृति को प्रदर्शनकारियों को भड़काते हुए दिखाया गया है। राज्य सरकार ने वीडियो साक्ष्य हासिल कर अदालत में पेश करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने समय देने से इन्कार करते हुए कहा कि आकृति पांच महीने से जेल में हैं। हालांकि सरकार के अनुरोध पर मामले को बुधवार सुबह 10 बजे फिर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया।

खेत में काम कर रहे लड़के के प्राइवेट पार्ट पर चला दिया ब्लेड! किन्नर अपने ग्रुप में करना चाहते थे शामिल?

मुजफ्फरनगर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। चरथावल थाना क्षेत्र के अकबरगढ़ गांव में एक करीब 17-18 साल के लड़के के प्राइवेट पार्ट पर ब्लेड से हमला करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि लड़का खेत की तरफ घास काटने गया था, जहां उसके साथ यह घटना हुई। घायल हालत में लड़के को ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया।

सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। हालांकि, घटना के पीछे की असली वजह और हमले में शामिल लोगों की भूमिका जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। घटना दोपहर की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक अकबरगढ़ गांव का रहने वाला लड़का रोजमर्रा के काम के सिलसिले में खेतों की तरफ घास काटने गया था।

कुछ समय बाद वह घायल हालत में मिला। उसके प्राइवेट पार्ट पर ब्लेड से चोट लगी थी और वह खून से लथपथ था। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने जब उसे इस हालत में देखा तो तुरंत उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद चरथावल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी जुटाई।

शराब में जहर देकर 4 युवकों की हत्या, प्रेम प्रसंग का मामला, 3 आरोपी गिरफ्तार

पटना, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना से सटे बाढ़ से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां शराब पीने से 4 युवकों की मौत हो गई। मामला 30 अगस्त का बताया जा रहा है। लेकिन पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के अंदर ही पर्दा उठा दिया है।

बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढना गांव में शराब में जहर देकर चार युवकों की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार, इस पूरे हत्याकांड की मुख्य वजह प्रेम प्रसंग और आपसी रंजिश थी। मामले में मुख्य साजिशकर्ता समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक नाबालिग बालक को निरुद्ध किया गया है। ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार ने प्रेसवार्ता में बताया कि बीते दिनों बाढ़ में चार व्यक्तियों की शराब पीने के बाद संदिग्ध स्थिति में तबीयत खराब हुई थी, जिनकी बाद में मौत हो गई।

जांच और पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी लाली कुमार ने स्वीकार किया कि उसने चारों युवकों को शराब पीने के लिए आमंत्रित किया था और पिलाने से पहले उसमें बाजार से खरीदा हुआ जहर मिला दिया था। घटना की आधिकारिक पुष्टि के लिए विसरा और शराब के नमूनों को एफएसएल जांच के लिए भेजा गया है।

एनएच- 27 पर भीषण हादसा, ट्रैक्टर-ट्रॉली में डीसीएम ने मारी टक्कर, मची चीख-पुकार, 28 लोग थे सवार

लखनऊ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में रुदौली कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब छह बजे एनएच-27 पर मखवापुर के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। अयोध्या दर्शन के लिए लखीमपुर खीरी से जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से आ रही डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क पर पलट गई। उसमें सवार 28 महिला, पुरुष और बच्चों में चीख-पुकार मच गई।

हादसे में ट्रैक्टर चालक समेत कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार लखीमपुर खीरी निवासी अनुराग वर्मा के परिजन नया ट्रैक्टर लेने के बाद रिश्तेदारों के साथ अयोध्या दर्शन के लिए निकले थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली में कुल 28 लोग सवार थे। बुधवार सुबह करीब छह बजे मखवापुर के पास पहुंचते ही पीछे से आ रही डीसीएम ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक विकास वर्मा (27), छोटे कश्यप (38), धनंजय वर्मा, आदित्य वर्मा (16), आदर्श, शुभम वर्मा, रेखा और दिनेश समेत कई लोग घायल हो गए।

'भाजपा अधर्मी और अत्याचारी सरकार'

एटा आए शिवपाल सिंह ने बीजेपी पर बोला तीखा हमला

एटा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सबसे बड़ी अधर्मी और अत्याचारी है। भाजपा के नेताओं का काम सुबह से लेकर शाम तक सिर्फ झूठ बोलना ही है। शिवपाल यहां बीमार चल रहे अलीगंज के पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव को देखने आए थे। वे अन्य नेताओं के घरों पर भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए सरकार पर गंभीर आरोप जड़े। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव आसपुर स्थित डीके पब्लिक स्कूल आवास पर पूर्व विधायक से मिले। इस दौरान पूर्व विधायक के परिवार के सदस्यों के अलावा कुछ स्थानीय वरिष्ठ नेता मौजूद थे। उन्होंने पूर्व विधायक से हाल-चाल पूछे और परिवार के सदस्यों से बातचीत की। इसके बाद वे स्थानीय सपा नेता शराफत हुसैन काले की मां के निधन के बाद उनके गांधी मार्केट स्थित आवास पर मातमपुर्सी के लिए पहुंचे।

उन्होंने शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने कोई भी ऐसा काम नहीं किया जो उल्लेखनीय हो। राम मंदिर बनवाया मगर चंदा चोरी कर लिया। जो भी एक्सप्रेस वे बनवाए वे छह महीने में जर्जर हो गए, सड़क धंस रही हैं। शिवपाल सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की बेईमानी और भ्रष्टाचार जनता अब समझ चुकी है जो आने वाले चुनाव में भाजपा के खिलाफ मतदान करेगी। इस दौरान तमाम कार्यकर्ताओं ने शिवपाल का स्वागत किया कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद वे यहां से गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

अदालती आदेश के बाद डालीबाग संपत्ति का कब्जा लेने पहुंचे सांसद अफजाल अंसारी और बेटियां

लखनऊ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। हजरतगंज क्षेत्र के डालीबाग स्थित विवादित संपत्ति पर कानूनी कब्जा प्राप्त करने के लिए सांसद अफजाल अंसारी अपनी दोनों बेटियों के साथ मौके पर पहुंचे। अदालत से पक्ष में फैसला आने के बाद वे नगर निगम और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में संपत्ति का भौतिक कब्जा लेने पहुंचे। यह संपत्ति पूर्व में मुख्तार अंसारी और अफजाल अंसारी के परिवार से जुड़ी होने के कारण कानूनी प्रक्रिया के तहत प्रशासन के नियंत्रण में थी। कोर्ट के ताजा आदेश के बाद नगर निगम की टीम ने कागजी और प्रशासनिक कार्रवाई पूरी कराते हुए कब्जा हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बिल्डिंग का गेट पहले डालीबाग की ओर वाली सड़क की ओर था। अब यह गेट एलडीए की ओर से बनाई गई सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना की बाउंड्री से बंद हो गया है। ऐसे में अब 1090 की ओर वाली बंधा वाली रोड की ओर से बिल्डिंग का कब्जा देने के लिए नगर निगम की टीम लगी हुई है। गेट के सामने कुछ कूड़ा जमा है। उसको साफ किया जा रहा है।

प्रेमिका के किए 18 टुकड़े, हाथ, पैर और पसलियों को पकाया

आगरा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर पांच अगस्त को तमिलनाडु एक्सप्रेस के जनरल कोच में लाल रंग के ट्रॉली बैग में एक महिला का शव मिला था। मृतका की पहचान ओडिशा की रहने वाली 38 वर्षीय हयातुन निशा के रूप में की गई थी। अब इस हत्या के मामले को सुलझा लिया गया है। इस मामले में 22 साल के मणिकउद्दीन लश्कर नाम के व्यक्ति और भगवती मांझी नाम की महिला को मणिपुर से गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी पति-पत्नी हैं। मृतक महिला मणिकउद्दीन लश्कर की प्रेमिका बताई जा रही है। जांच में पता चला है कि शव को बैग में रखकर तमिलनाडु एक्सप्रेस के जरिए आगरा भेजा गया था।

पांच अगस्त को जब तमिलनाडु एक्सप्रेस आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पहुंची तो यात्रियों को एक लाल रंग के ट्रॉली बैग से खून रिसता नजर आया। फिर इसकी सूचना रेलवे प्रशासन और जीआरपी को दी गई। सूचना मिलने पर रेलवे प्रशासन, जीआरपी और आरपीएफ मौके पर पहुंची। इसके बाद बैग खोला गया तो उसमें महिला के शव के करीब 18 टुकड़े मिले, जोकि पॉलीथिन में पैक किए गए थे।

इसके बाज जीआरपी ने मामले की जांच शुरू की। ट्रेन के रूट में आने वाले स्टेशनों से संपर्क साधा गया और बैग के स्रोत का पता लगाने की कोशिश शुरू की गई। मृतका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंका देने वाली बातें सामने आई हैं। मृतका की हाथ, पैर और पसलियों को सब्जी और आटे के साथ पकाया गया। महिला के शव को कटर से काटा गया। फिर उसके छोटे-छोटे टुकड़े किए गए। इसके बाद टुकड़ों को बैग में भरा गया। आगरा कैंट जीआरपी ने मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। फिर चेन्नई पुलिस को जांच ट्रांसफर कर दी गई।

जिसके साथ सात जन्मों तक साथ निभाने का किया वादा, उसी से कराने लगा देह व्यापार, दहेज के लिए पति बना हैवान

कानपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पत्नी से जबरन देह व्यापार कराने के मामले में चार साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी पति को कल्याणपुर पुलिस ने महाराष्ट्र के ठाणे से गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। सर्विलांस टीम की मदद से उसकी लोकेशन ट्रेस कर पुलिस ने मीरा रोड इलाके में दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। कल्याणपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला ने वर्ष 2022 में पति के खिलाफ पुलिस से शिकायत की थी।

महिला के मुताबिक, उसकी शादी 2 मई 2022 कोलकाता के बड़तल्ला निवासी अभय सिंह उर्फ सोनू से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे। मांग पूरी नहीं होने पर पति ने उसके साथ मारपीट भी की। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि उसका पति उसे कोलकाता के सोनागाछी रेडलाइट एरिया में ले गया और वहां जबरन देह व्यापार कराने लगा। महिला के मुताबिक, विरोध करने पर उसके साथ मारपीट और उत्पीड़न किया गया। शिकायत के आधार पर कल्याणपुर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की।

लूट और हत्याः सिर्फ एक ही लॉकर क्यों टूटा?

चाबी से खुली थी अलमारी, कातिल को पता था घर का चप्पा-चप्पा

कानपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर में केशवपुरम के हसनपुर में हुई उमा की हत्या कर लूट के आरोपियों को घर की पूरी जानकारी थी। उन्हें पता था कि गहने और नकदी कहां रखी हुई है। यहां तक की उन्हें बड़े बेटे की अलमारी की चाबी की जानकारी भी थी। घटना के बाद उमा के पति शिवमंगल जैसे ही घर पहुंचे। उन्हें बड़े बेटे अमरीष की ही अलमारी टूटी हुई मिली, जबकि छोटे बेटे आशीष की अलमारी को लुटेरों ने छुआ भी नहीं था। शिवमंगल के मुताबिक अलमारी में बड़े बेटे की पत्नी नेहा और उमा के जेवर थे। अलमारी की चाबी घर में एक सुरक्षित स्थान पर रखी जाती है। अलमारी चाबी से खोली गई है, लेकिन जेवर वाले लॉकर को किसी नुकीली चीज से तोड़ा है। अमरीष पिछले नौ साल से पत्नी नेहा के साथ मसवानपुर स्थित दूसरे मकान में रह रहा है। उसी में नीचे बनी मार्केट की एक दुकान में पिता पुत्र बुक स्टॉल चला रहे हैं।

अमरीष का तीन माह पहले अपनी पत्नी नेहा से महीने के खर्च को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद नेहा दोनों बच्चों को लेकर गोविंदनगर स्थित मायके चली गई। रात जब वारदात हुई, तो अमरीष ने फोन कर नेहा को भी बुला लिया। शिवमंगल के मकान के दोनों रास्तों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, लेकिन एक कैमरा मकान के गेट तक नहीं पहुंचता है, जबकि दूसरे की डीबीआर खराब थी। पुलिस को बदमाशों के फुटेज के लिए मोहल्ले के अन्य कैमरे देखने पड़े। बदमाशों को सीसीटीवी कैमरों की जानकारी थी। परिवार के करीबियों ने बताया कि उमा की बड़ी बहू नेहा और छोटी श्वेता से नहीं बनती थी। इस कारण वह लॉकर और अलमारी की चाबी के साथ न रखकर कहीं छिपाकर रखती थी। श्वेता दिल्ली में ही रखती है।

शिवमंगल का कहना है कि उमा के कमरे का दरवाजा पति और बेटे के दुकान जाने के बाद बंद ही रहता था। यदि कोई आता भी तो पहले वह नाम पूछती थी फिर खिड़की से झांककर देखती और तसल्ली होने के बाद ही लोहे का दरवाजा खोलती थी। जिस तरीके से उमा का शव कुर्सी पर मिला, उससे लग रहा है कि कोई परिचित दरवाजा खुलवाने के बाद उमा के साथ की कुर्सी तक पहुंचा। वह दाल रोटी खा रहीं थी। उनके बैठते ही वारदात को अंजाम दिया।

एटीएम तोड़कर कैश लूटने की कोशिश, नाकाम हुए चोर तो बैट्री और डीवीआर उखाड़ ले गए

कानपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में घाटमपुर के पतारा कस्बे में मंगलवार देर रात चोरों ने एक एटीएम को निशाना बनाकर कैश लूटने का प्रयास किया। चोरों ने एटीएम मशीन को तोड़कर उसमें रखी नकदी निकालने की कोशिश की, लेकिन मशीन नहीं टूटी। इसके बाद चोर एटीएम के पीछे लगी बैट्री और सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर मशीन उखाड़कर फरार हो गए। वारदात तिलसड़ा मोड़ स्थित हिटाची एटीएम में हुई। मुख्य चौराहे पर एटीएम में चोरी के प्रयास की जानकारी बुधवार सुबह हुई तो आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया जा रहा है कि देर रात अज्ञात चोर एटीएम के अंदर पहुंचे। उन्होंने मशीन को तोड़कर कैश निकालने का प्रयास किया।

काफी कोशिश के बावजूद जब एटीएम नहीं टूट सका तो चोरों ने वहां लगे दूसरे उपकरणों को निशाना बनाया। चोर एटीएम के पीछे लगी बैट्री उखाड़कर ले गए। इसके साथ ही परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर मशीन भी निकाल ली। डीवीआर ले जाने से आशंका जताई जा रही है कि चोर अपनी पहचान से जुड़े रिकॉर्डिंग साक्ष्य मिटाना चाहते थे। सुबह एटीएम से जुड़े कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने एटीएम के साथ आसपास के इलाके का निरीक्षण कर वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटाए। अब पुलिस मुख्य चौराहे और आसपास लगे दूसरे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

रेलवे भर्ती बोर्ड में फर्जीवाड़े का खुलासा सीबीआई ने शुरू की जांच

गोरखपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) गोरखपुर में वर्ष 2018-19 में सहायक लोको पायलट (एएलपी) की भर्ती में कथित फर्जीवाड़े की जांच अब सीबीआई ने तेज कर दी है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद लखनऊ की सीबीआई टीम ने गोरखपुर पहुंचकर मामले की गहन विवेचना शुरू कर दी है। टीम रेलवे भर्ती बोर्ड की विजिलेंस जांच रिपोर्ट और संबंधित दस्तावेज अपने साथ ले गई है। अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ कर उनके बयान भी दर्ज किए गए हैं। मामला वर्ष 2018-19 में हुई सहायक लोको पायलट भर्ती से जुड़ा है।

आरोप है कि भर्ती के लिए रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय की ओर से दोगुना विज्ञापन जारी किया गया। करीब 1681 अभ्यर्थियों की परीक्षा के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई तो पैनल तैयार करने से लेकर नियुक्ति तक कथित अनियमितताओं की परतें खुलने लगीं। जांच के अनुसार, लिखित परीक्षा के बाद कथित तौर पर कर्मचारियों की मदद से पैनल तैयार करने, उसे जारी करने, मेडिकल और दस्तावेजों के सत्यापन में हेराफेरी की गई। आरोप है कि कुछ अधिकारी और कर्मचारी मिलकर मनमाने तरीके से अभ्यर्थियों के नाम पैनल में शामिल करते रहे। मामला सामने आने के बाद रेलवे स्तर पर कार्रवाई भी हुई।

रेलवे भर्ती बोर्ड के तत्कालीन चेयरमैन पीके राय को पद से हटाया गया और बाद में वह सेवामुक्त हो चुके हैं। कार्यालय सहायक वरुण राज मिश्रा भी सेवामुक्त हो चुके हैं। वहीं, विनय कुमार श्रीवास्तव समेत अन्य कर्मचारियों के खिलाफ जांच जारी बताई जा रही है। रेलवे भर्ती बोर्ड में कथित भ्रष्टाचार और भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आने के बाद रेलवे बोर्ड ने नवंबर 2022 में तत्कालीन चेयरमैन पीके राय को हटा दिया था। हालांकि, आरोप है कि इसके बाद भी भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ियां पूरी तरह नहीं रुकीं। मामले का सबसे गंभीर आरोप 26 अप्रैल 2024 को जारी एक पैनल से जुड़ा है।

आरोप है कि रेलवे भर्ती बोर्ड में तैनात दो कर्मचारियों ने कथित रूप से अपने बेटों के नाम फर्जी तरीके से पैनल में शामिल करा दिए। बताया गया है कि कार्यालय अधीक्षक के बेटे राहुल प्रताप और निजी सचिव (द्वितीय) के बेटे सौरभ कुमार ने कथित तौर पर भर्ती के लिए आवेदन तक नहीं किया था। आरोप है कि उन्होंने परीक्षा और मेडिकल टेस्ट भी नहीं दिया, इसके बावजूद उनका नाम पैनल में शामिल कर दिया गया और दोनों को मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली में फिटर के पद पर नियुक्ति मिल गई।

सीबीआई अब यह पता लगाने में जुटी है कि भर्ती प्रक्रिया में कथित फर्जीवाड़ा किस स्तर पर हुआ और इसमें कौन-कौन अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे। जांच में पैनल तैयार करने, अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच, मेडिकल प्रक्रिया और नियुक्ति से जुड़े रिकॉर्ड को खंगाला जा रहा है। सीबीआई टीम विजिलेंस की पूर्व जांच रिपोर्ट के आधार पर भी साक्ष्य जुटा रही है। अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए जाने से आने वाले दिनों में मामले में और नाम सामने आने की संभावना है।

शिकारपुर विधायक और पूर्व मंत्री अनिल शर्मा नहीं रहे, दिल्ली के अस्पताल में हुआ निधन

बुलंदशहर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बुलंदशहर की शिकारपुर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री अनिल शर्मा का दिल्ली के एक अस्पताल में बुधवार को निधन हो गया। उनके निधन से जनपद में शोक की लहर छा गई है। अनिल शर्मा चार बार के विधायक थे। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। जानकारी के मुताबिक, कैंसर से पीड़ित अनिल शर्मा का दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। अनिल शर्मा योगी सरकार में वन राज्य मंत्री भी रह चुके थे। उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। अनिल शर्मा बुलंदशहर जनपद के शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव सुरजावली के रहने वाल थे।

'केरलम की सोच ऐसी नहीं'

महिलाओं पर मौलवी के बयान पर सतीशन का पलटवार इस्लामिक इतिहास का क्यों दिया उदाहरण?

तिरुवनंतपुरम, 2 सितंबर (एजेंसियां)। केरलम के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने बुधवार को सुन्नी इस्लामिक विद्वान कांथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार के एक बयान का कड़ा विरोध किया। दरअसल, उन्होंने कहा था कि महिलाओं को घर के अंदर ही रहना चाहिए। मुख्यमंत्री सतीशन ने कहा कि ऐसी सोच केरलम की प्रगतिशील परंपरा के अनुसार नहीं है। सतीशन ने राज्य कैबिनेट की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,' हम इस बयान से बिल्कुल भी सहमत नहीं हैं। यह सोच प्रगतिशील केरलम के अनुकूल नहीं है। हम किसी भी तरह से इससे सहमत नहीं हो सकते।

महिलाओं को केवल घरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्हें जीवन के सभी क्षेत्रों में भाग लेना चाहिए और समाज में अहम भूमिका निभानी चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि यही हमारी प्रगतिशील सोच है।' वे उस विवाद पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जो रविवार को कोच्चि में एक इस्लामिक सम्मेलन में कांतपुरम के बयान के बाद शुरू हुआ था। कांतपुरम ने कहा था कि महिलाओं को

सार्वजनिक मंचों पर लाने से 'भारी तबाही' होगी। इस्लाम में इसे रोकने के लिए महिलाओं के लिए पर्दा प्रथा का नियम है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसी सोच इस्लामिक इतिहास की गलत व्याख्या है।

उन्होंने पैगंबर मुहम्मद की पहली पत्नी खदीजा का उदाहरण दिया, जो एक सफल बिजनेसवुमन थीं। उन्होंने पैगंबर की एक और पत्नी आयशा का भी जिक्र किया। इसमें कहा कि उन्होंने 'ऊंट की लड़ाई' (बैटल ऑफ द कैमल) में हिस्सा लिया था और नेतृत्व की भूमिका निभाई थी। सतीशन ने रानी बिलकिस का भी उदाहरण दिया। कहा कि इस्लामिक इतिहास में उन्हें एक शासक के तौर पर दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, 'एक महिला थी जिसने व्यापार किया, एक महिला जिसने सैन्य कमांडर की भूमिका निभाई और एक महिला जो रानी थी। ये सभी उदाहरण इस्लामिक इतिहास में मौजूद हैं।'

मुख्यमंत्री ने एक ऐसी घटना का भी जिक्र किया जिसमें खलीफाओं के समय में एक महिला ने 'मेहर' (शादी के समय दूल्हे द्वारा दुल्हन को दी जाने वाली रकम) से जुड़े एक फैसले पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि शासक ने माना कि महिला की बात सही थी। मुख्यमंत्री ने कहा, 'ये उदाहरण दिखाते हैं कि शाही दरबार में भी महिलाओं की जगह थी। इसलिए, हम किसी भी तरह से ऐसी सोच से सहमत नहीं हो सकते।'

मां ने अपने हाथों से मार डालीं जुड़वा बच्चियां

फिर खुद भी की जान देने की कोशिश; एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में 40 साल की एक महिला के खिलाफ अपनी चार महीने की जुड़वा बेटियों की कथित रूप से हत्या करने और फिर आत्महत्या के प्रयास करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना बीते मंगलवार को वजारहल्ली में उनके घर पर ही हुई। आरोपी महिला उमा देवी अपने पति रामलिंगप्पा, जुड़वां बेटियों और सास के साथ रहती थी। पुलिस के मुताबिक, उनके पति रियल एस्टेट का काम करते थे। पुलिस के मुताबिक, अपनी शिकायत में आरोपी महिला के पति रामलिंगप्पा ने कहा कि उन्होंने 2002 में उमा देवी से शादी की थी।

वे दोनों खुशहाल वैवाहिक जीवन बिता रहे थे। चूंकि उनकी कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने आईवीएफ ट्रीटमेंट लिया था। फिर, इलाज के बाद उमा देवी प्रेग्नेंट हुईं और 5 मई, 2026 को उन्होंने जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, डिलीवरी के करीब 1.5 महीने बाद, उमा देवी बच्चों में दिलचस्पी कम हो गई। वह बार-बार कहती थीं कि बच्चों को किसी आश्रम में एडमिट करा देना चाहिए। एक सीनियर पुलिस अफसर ने बताया कि उनका व्यवहार भी असामान्य होने लगा था। इसके बाद, उमा देवी की मेंटल हेल्थ का ट्रीटमेंट भी हॉस्पिटल में कराया गया।

फिर, डॉक्टरों ने फैमिली को जानकारी दी कि उनका बिहेवियर बच्चे के जन्म के बाद होने वाले पोस्टपार्टम डिप्रेशन और हार्मोनल बैलेंस के कारण से था। फिर 1 सितंबर को दोपहर में जब रामलिंगप्पा घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि उमा देवी ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया था। पुलिस अफसर ने बताया कि कमरे का दरवाजा खोलने के बाद रामलिंगप्पा ने उमा देवी को दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास करते हुए पाया। हालांकि, मुस्तैदी दिखाते हुए उन्होंने पत्नी उमा देवी को बचा लिया। वहीं, जुड़वां बच्चियां उसी कमरे में मृत पाई गईं।

दिल में था छेद, 14 साल तक लड़की ने किया सर्जरी का इंतजार फिर थम गईं सांसें; दिल्ली एम्स में मौत

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान (एम्स) में 14 साल तक एक किशोरी की सर्जरी नहीं हो पाई। मंगलवार को किशोरी ने दम तोड़ दिया। मृतक किशोरी राजस्थान के कोटा की रहने वाली थी। उसके दिल में जन्म से ही छेद था। मृतक किशोरी का नाम तनवी बताया जा रहा है। तनवी के पिता का आरोप है कि जानबूझकर उनकी बेटी की सर्जरी नहीं की गई। तनवी के पिता मुकेश कुमार के अनुसार, उनकी 16 साल की बेटी दो साल की कम उम्र से दिल की सर्जरी के लिए इंतजार कर रही थी।

एम्स में सर्जरी के लिए सवा चार लाख रुपये जमा करवाए गए थे। चार यूनिट खून भी जमा करा लिया गया था। फिर भी बेटी की सर्जरी नहीं हुई। 10 अक्तूबर 2012 को वो पहली बार दिल्ली एम्स गए थे। बेटी की जांच के बाद डॉक्टरों ने साल 2015 में दो सितंबर की तारीख दी, लेकिन कभी इंप्लांट खरीदने की बात कहकर सर्जरी टाली गई तो कभी दांत में कीड़े लगे होने की बात कही गई।

14 सालों तक एक पिता ने अपनी बेटी के दिल की सर्जरी करने के लिए एम्स के चक्कर काटे। यही नहीं पिता ने स्वास्थ्य मंत्रालय का भी दरवाजा खटखटाया, लेकिन कार्डियोथोरेसिक और वैस्कूलर सर्जरी विभाग से डेट नहीं मिल सकी। दिल्ली एम्स की ओर से भी इस मामले में बयान सामने आया है। एम्स के मीडिया डिवीजन की प्रभारी डॉक्टर रीमा दादा ने कहा कि बच्ची को वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट के साथ पल्मोनरी एट्रेशिया था। यह एक ऐसी स्थिती है, जिसमें फेफड़ों तक रक्त ले जाने वाली धमनियां अनुपस्थित होती हैं।

साल 2013 में डॉ सचिन तलवार से सर्जरी के लिए मुल्यांकन किया था। रीमा दादा ने कहा कि साल 2018 में यह निर्णय लिया गया कि बच्ची की सर्जरी संभव नहीं है। दवाओं के माध्यम से ही इलाज संभव है, इसलिए दवाओं से बच्ची का इलाज जारी रखा गया था।

सीएम विजय का बड़ा फैसला

किसानों और शिक्षकों के खिलाफ दर्ज केस लिए वापस

चेन्नई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में एक बड़ी घोषणा की है। जिससे शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले सभी किसानों और शिक्षकों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा है कि मई 2021 से अप्रैल 2026 के बीच अपनी आजीविका, अधिकारों और जायज मांगों के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले सभी किसानों और शिक्षकों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लिए जाएंगे। सीएम विजय ने यह फैसला इंसानियत के नाते और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हुए लिया है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार हमेशा किसानों और शिक्षकों के साथ खड़ी रहेगी। इस कदम से लोकतांत्रिक अधिकार और मजबूत होंगे और आम लोगों तथा सरकार के बीच भरोसा और बढ़ेगा।

तिरुवन्नमलाई जिले में 'सिपकाट' औद्योगिक पार्क का विरोध करने वाले किसानों पर मामले दर्ज किए गए थे, यहां तक कि कुछ पर सख्त गुंडा एक्ट भी लगा दिया गया था। इसी तरह, परंदूर में नए एयरपोर्ट प्रोजेक्ट से अपनी खेती की जमीन, जलस्रोत और रोजगार खोने के डर से विरोध कर रहे किसानों पर भी पिछली सरकार ने अमानवीय तरीके से केस दर्ज किए थे, जो अब तक लंबित हैं। इस बीच, सीपीआई ने टीवीके सरकार से मांग की है कि वे नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) के खिलाफ विरोध करने वाले लोगों (जिनमें छात्र भी शामिल हैं) पर दर्ज मामले भी वापस लें। पीएमके ने भी मुख्यमंत्री विजय से नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन (एनएलसी) के खिलाफ विरोध करने वाले लोगों पर दर्ज मामले वापस लेने की अपील की। कानून मंत्री निर्मल कुमार ने कहा कि सरकार इस मांग पर विचार करेगी।

मौसा ने 80 लाख में बेचा फ्लैट

भांजी ने सोने के लालच में रच दी हत्या की साजिश; रोहिणी केस में 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। रोहिणी में राकेश खन्ना की हत्या और घर से कैश और जूलरी गायब होने के मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक के परिवार की करीबी सिमरन ने अपने प्रेमी हिमांशु और दो अन्य साथियों चिराग व पारस के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई थी। सिमरन को पता था कि राकेश खन्ना ने हाल ही में करीब 80 लाख रुपये का फ्लैट बेचा था और रकम से सोना खरीदा था। योजना के तहत दो आरोपियों ने घर में घुसकर राकेश की हत्या की, जबकि सिमरन और हिमांशु बाहर निगरानी कर रहे थे। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-3 में राकेश खन्ना अपनी पत्नी के साथ रहते थे।

घटना के समय उनकी पत्नी घर से बाहर गई हुई थीं। वापस लौटने पर उन्होंने घर का सामान बिखरा देखा और राकेश को बेहोशी की हालत में पाया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद रोहिणी जिला पुलिस की टीम ने तुरंत जांच शुरू की।

पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाके की जांच के साथ संदिग्धों की गतिविधियों को खंगाला। जांच के दौरान परिवार से जुड़े लोगों की भूमिका भी सामने आई और महज ढाई घंटे में पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार, सिमरन मृतक के परिवार की करीबी थी। उसे जानकारी थी कि राकेश खन्ना ने हाल में करीब 80 लाख रुपये का फ्लैट बेचा था और उससे सोना खरीदा था। इसी सोने को लूटने के लिए उसने अपने साथियों के साथ मिलकर योजना बनाई।

पूर्व सचिव अनुराग वर्मा को ईडी ने फिर भेजा समन

जमीन घोटाले में 7 सितंबर को जालंधर में होगी पेशी

जालंधर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव और वर्तमान अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व विभाग) को ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने जमीन घोटाले से जुड़े एक मनी लांन्ड्रिंग मामले में फिर समन जारी कर सात सितंबर को जालंधर स्थित जोनल कार्यालय में पेश होने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले ईडी ने अनुराग वर्मा को जांच एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा था। हालांकि, वह उस दिन ईडी के सामने पेश नहीं हो सके थे।

उन्होंने जांच एजेंसी से समय बढ़ाने की मांग करते हुए अनुरोध किया था कि मांगे गए जरूरी दस्तावेज और रिकार्ड इकट्ठा करने के लिए उन्हें कुछ और समय दिया जाए। उनकी इस मांग के बाद अब ईडी ने उन्हें 7 सितंबर के लिए नई तारीख दी है। यह मामला मोहाली स्थित 'सनटेक सिटी' और 'एल्टस स्पेस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड' के रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में हुई कथित अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन से जुड़ा हुआ है। ईडी द्वारा लगभग 348 करोड़ रुपये के इस कथित घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है।

अनुराग वर्मा वर्तमान में राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर तैनात हैं, लेकिन जिस समय ये कथित गड़बड़ियां हुई थीं, उस समय वह मकान निर्माण और शहरी विकास विभाग के प्रमुख के रूप में सेवाएं दे रहे थे। जांच एजेंसी मुख्य रूप से इस बात की पड़ताल कर रही है कि निजी बिल्डरों को कथित तौर पर अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए जमीन के उपयोग में बदलाव की मंजूरी कैसे दी गई। प्रोजेक्ट्स के स्वीकृत लेआउट में गैर-कानूनी बदलाव करने की अनुमति देते समय किन सरकारी नियमों का उल्लंघन किया गया। क्या नियमों को दरकिनार करके बिल्डरों को लाभ पहुंचाया गया और इस प्रक्रिया में विभागीय अधिकारियों की क्या भूमिका थी।

आरजीपीवी से राजीव गांधी का नाम हटाना भाजपा की ओछी मानसिकता का प्रतीक : कमलनाथ

भोपाल, 2 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में विभक्त किया गया है, साथ ही इन तीनों हिस्सों का क्षेत्रीय आधार पर नामकरण भी हो गया है। इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आपत्ति दर्ज कराई है और इसे भाजपा की ओछी मानसिकता करार दिया है। दरअसल बीते रोज हुई मोहन कैबिनेट की बैठक में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को लेकर बड़ा फैसला हुआ।

विश्वविद्यालय का पुनर्गठन कर भोपाल, उज्जैन और जबलपुर में तीन नए प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। सरकार की ओर से दावा किया गया है कि यह उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय संतुलन और गुणवत्ता विस्तार की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। सरकार के इस फैसले पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि मध्य प्रदेश के प्रतिष्ठित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) को तीन हिस्सों में बांटकर इसके नाम में से स्व। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम हटाना भाजपा सरकार की ओछी मानसिकता का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि सारा संसार इस बात का गवाह है कि स्व राजीव गांधी के कार्यकाल में देश ने आधुनिक तकनीक की दुनिया में प्रवेश किया था।

सूचना क्रांति और कंप्यूटर के युग का सूत्रपात भी राजीव गांधी ने किया था। भाजपा पर तल्ख टिप्पणी करते हुए पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि भाजपा खुद तो कोई नया काम कर नहीं पाती, बस कांग्रेस के जमाने के कार्यों की नाम पट्टिकाएं बदलने में लगी रहती है। उन्होंने भाजपा सरकार को नाकारा और शिक्षा विरोधी बताते हुए मांग की है कि विश्वविद्यालय से राजीव गांधी का नाम न हटाया जाए। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा है कि यह भी याद दिलाना चाहता हूं कि कल के बाद परसों आता है। अच्छे और बुरे हर काम का हिसाब होता है। हम भी हिसाब करेंगे। आप नाम बदलकर इतिहास नहीं बदल सकते।

हथनीकुंड बैराज में सेना के अभ्यास के दौरान बड़ा हादसा

नाव पलटकर नदी में डूबी, जवानों के लापता होने की आशंका

यमुनानगर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा-हिमाचल सीमा पर हथनीकुंड बैराज क्षेत्र में सेना की एक्सरसाइज के दौरान यमुना नदी में उस वक्त बड़ा हादसा हो गया जब, बाढ़ बचाव की प्रैक्टिस के दौरान सेना की मोटर बोट डेंजर जोन की तरफ चली गई और तेज बहाव के बीच पलटकर नदी में डूब गई। हादसे के बाद एक से दो जवानों के लापता होने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

बताया जा रहा है कि कुछ जवान तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए, जबकि लापता जवान की तलाश जारी है। हथनीकुंड बैराज क्षेत्र में सेना की वन पैरा स्पेशल फोर्स के जवानों द्वारा एक्सरसाइज की जा रही थी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक इसी दौरान सेना की मोटर बोट यमुना नदी के डेंजर जोन में चली गई। नदी में तेज बहाव होने के कारण नाव हादसे का शिकार होकर पानी में डूब गई। हादसे के बाद सेना के कुछ जवान नदी में फंस गए। इनमें से तीन जवानों के करीब 600 मीटर तक तैरकर सुरक्षित बाहर निकलने की जानकारी सामने आई है। वहीं एक जवान के तेज बहाव में लापता होने की सूचना है। कुछ जानकारी में एक से दो जवानों के लापता होने की आशंका भी जताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। एसडीआरएफ यमुनानगर और अन्य रेस्क्यू टीमों को भी सर्च ऑपरेशन में लगाया गया। काफी प्रयास के बाद सेना की डूबी हुई मोटर बोट को पानी से बाहर निकाल लिया गया, लेकिन लापता जवान की तलाश अभी भी जारी है।

जादवपुर विवि के दीवारों पर लिखे नारों को लेकर वीसी सख्त, छात्रों से बोले- सोशल मीडिया पर रखें अपनी बात

कोलकाता, 2 सितंबर (एजेंसियां)। जादवपुर विश्वविद्यालय के कुलपति चिरंजीब भट्टाचार्य ने परिसर की दीवारों पर लगातार हो रही लिखावट और ग्रैफिटी को लेकर छात्रों से संयम बरतने की अपील की है। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से विश्वविद्यालय की स्वतंत्र विचार और अभिव्यक्ति की परंपरा को बनाए रखते हुए कैंपस को स्वच्छ और शांत रखने की बात कही। कुलपति चिरंजीब भट्टाचार्य ने कहा कि जादवपुर विश्वविद्यालय की पहचान लंबे समय से स्वतंत्र सोच और अभिव्यक्ति की परंपरा से रही है। उन्होंने कहा कि इस विरासत को बनाए रखते हुए परिसर को स्वच्छ, शांत और बेहतर शैक्षणिक माहौल वाला बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से इसी संतुलन को बनाए रखने की अपील की है।

कुलपति ने एक खुले पत्र में कहा कि छात्रों को अपनी बात रखने के लिए सोशल मीडिया का अधिक इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका सुझाव अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगाने के लिए नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय की विरासत और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से है। भट्टाचार्य ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के अधिकार और विश्वविद्यालय के भौतिक वातावरण व शैक्षणिक माहौल को बनाए रखने के बीच संतुलन जरूरी है।

अभिषेक बनर्जी फिर मुश्किल में फंसे

ऑफिस सील करने की तैयारी? अग्निशमन विभाग ने नोटिस में क्या कहा?

कोलकाता, 2 सितंबर (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। अब पश्चिम बंगाल अग्निशमन और आपात सेवा विभाग ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस भेज दिया है। अग्निशमन विभाग ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के कैमक स्ट्रीट स्थित ऑफिस की सुरक्षा से जुड़ी कई कमियों का हवाला देते हुए नोटिस भेजा है। एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को जारी नोटिस में कहा गया है कि इस जगह का फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट 10 अगस्त को खत्म हो गया था और इसे रिन्यू नहीं कराया गया है।

अधिकारी ने बताया, 'सुरक्षा में कुछ कमियां पाई गई थीं और हमने 48 घंटे के भीतर लिखित जवाब मांगा है।' विभाग ने बिल्डिंग के मालिक और किराएदार से यह भी स्पष्टीकरण मांगा है कि जरूरी फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं करने के लिए इस जगह को सील क्यों न किया जाए? कोलकाता पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की एक संयुक्त टीम ने सोमवार को 9 कैमक स्ट्रीट स्थित बिल्डिंग का हर फ्लोर पर जाकर निरीक्षण किया।

इसमें सातवें और आठवें फ्लोर पर बनर्जी का ऑफिस वाला हिस्सा भी शामिल था। यह निरीक्षण फायर सेफ्टी ऑडिट का हिस्सा था। नोटिस के अनुसार, निरीक्षण में

बिल्डिंग में फायर सेफ्टी इंतजामों में कई कमियां पाई गईं। जिन मुद्दों की ओर इशारा किया गया, उनमें सातवें फ्लोर पर आग बुझाने के लिए पानी की अपर्याप्त उपलब्धता और इमरजेंसी में बाहर निकलने के लिए कोई तय फायर एग्जिट न होना शामिल है। यह नोटिस कैमक स्ट्रीट स्थित बिल्डिंग से कथित तौर पर अनधिकृत बिलबोर्ड हटाने को लेकर पुलिस और अभिषेक बनर्जी के समर्थकों के बीच हुए विवाद के कुछ दिनों बाद आया है। जिसके कारण टीएमसी कार्यकर्ताओं, पुलिस और सिविक अधिकारियों के बीच टकराव हुआ था। अधिकारियों ने कहा कि आगे की कार्रवाई का फैसला करने से पहले फायर डिपार्टमेंट मालिक और किराएदार द्वारा जमा किए गए डॉक्यूमेंट्स की जांच करेगा।

बिलबोर्ड विवाद में पुलिस के सामने पेश हुए डेरेक ओ ब्रायन

बिलबोर्ड विवाद में टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन बुधवार को शेक्सपियर सरानी पुलिस स्टेशन में पेश हुए। पुलिस ने 27 अगस्त की घटना को लेकर अभिषेक बनर्जी और डेरेक ओ ब्रायन को नोटिस जारी कर पेश होने को कहा था। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2) (दंगा और घातक हथियार का इस्तेमाल), 190 (गैरकानूनी सभा), 121(1) (लोक सेवक को कर्तव्य से रोकने के लिए चोट पहुंचाना), 74(महिला पर हमला), 3 (5), 351 (2) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया है।

लैंड स्लाइड के चलते उत्तराखंड में फंसीं 'पुष्पा' एक्ट्रेस आंचल मुंजाल, हुईं परेशान

देहरादून, 2 सितंबर (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में इन दिनों भारी बारिश का दौर जारी है। मध्यप्रदेश के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति है और उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड में भी लगातार बारिश के चलते हालात खराब हैं। उत्तराखंड में बाढ़ और लैंडस्लाइड के चलते कई सड़कों पर आवागमन बंद हो चुकाहै। गौला, शिप्रा और कोसी सहित कई नदियां उफान पर हैं। इस बीच टीवी एक्ट्रेस आंचल मुंजाल भी लैंड स्लाइड के चलते उत्तराखंड में फंस गई हैं। एक्ट्रेस सुबह करीब 10 बजे उत्तराखंड से निकली थीं और घंटों सड़क पर ही फंसी रह गईं। लगातार बारिश और लैंड स्लाइड के चलते सड़कों पर जाम की स्थिति हो गई, जिसके चलते आंचल मुंजाल और उनके दोस्त बीच सड़क में ही फंस गए। आंचल ने हालात दिखाते हुए वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उफनती नदियां और सड़कों पर पड़ा टूटे पहाड़ों का मलवा देखा जा सकता है। आंचल मुंजाल ने जो वीडियो शेयर किया है, उसके जरिए उन्होंने वीडियो देख रहे लोगों को चेतावनी दी कि अगर वह उत्तराखंड आ रहे हैं या आने का सोच रहे हैं तो अपना प्लान फोरन बदल दें, क्योंकि अभी हालात बेहद खराब हैं। आंचल ने बताया कि कैसे वह मुंबई जाने के लिए 10 बजे उत्तराखंड से निकली थीं और आगे चलने के बाद वह और उनके दोस्त जाम में फंस गए, क्योंकि लैंड स्लाइड के चलते सड़क बंद हो गई थी। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए फैंस से केयरफुल रहने और फिलहाल उत्तराखंड या किसी भी पहाड़ी इलाके की यात्रा करने से बचने की सलाह दी। वीडियो में आंचल कहती हैं- 'हाय गाइस। तो मैं अभी उत्तराखंड में हूं। हम लोग सुबह 10:00 बजे के निकले हुए हैं। हम लोग पहाड़ से नीचे उतर ही रहे थे। जब हमें थोड़ा सा ट्रैफिक का पैच मिला तो हमें लगा कि पहाड़ है, स्लो जाना है।

बारिश भी हो रही है। आधे घंटे के अंदर-अंदर हमें जितने भी लोग गाड़ी में प्रेजेंट थे सबको एक बहुत जोर से अलर्ट आया कि नैनीताल और अल्मोड़ा में बहुत ज्यादा वर्षा के चांसेस हैं। तो थोड़ा बी केयरफुल और और उसके बाद हमें पता चला कि जिस रोड पे हम हैं वहां पे लैंडस्लाइड हो चुका है। बहुत बड़ा पत्थर और आधा पहाड़ नीचे गिर गया जिसकी वजह से रोड ब्लॉक हो गई। अभी शाम होने वाली है और हम लोग फिर भी रोड पे अटके हुए हैं। बहुत ही डिफिकल्ट सी सिचुएशन है। हर कोई यहां फंसा हुआ है।

5000 अमेरिकी सैनिक थाईलैंड पहुंचे, 5 दिन छुट्टियां मनाएंगे

9 महीने से यूएसएस अब्राहम लिंकन पर तैनाती देह व्यापार वाले इलाकों में जाने पर रोक

बैंकॉक, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन बुधवार सुबह थाईलैंड पहुंच गया है। इस एयरक्राफ्ट पर पिछले 9 महीनों से 5 हजार सैनिक तैनात हैं। लंबे सैन्य अभियान के बाद अब उन्हें पटाया में करीब 5 दिन की छुट्टी मिलेगी।

यूएसएस अब्राहम लिंकन के साथ अमेरिकी नौसेना के दो और जहाज भी पहुंचे हैं। लाम चाबांग पोर्ट पर उतरने के बाद सैनिकों को बसों से करीब 96 किमी दूर पटाया ले जाया जाएगा। हालांकि पटाया पहुंचने से पहले ही थाई पुलिस ने शहर में देह व्यापार के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है।

रॉयटर्स के मुताबिक, पुलिस ने पिछले वीकेंड में छापेमारी कर 40 से 50 लोगों को हिरासत में लिया। शहर के समुद्र तट और नाइटलाइफ वाले इलाकों में गश्त भी बढ़ा दी गई है।

कानून व्यवस्था बनाए रखने में जुटी पुलिस

पटाया में अमेरिकी नौसेना के बड़ी संख्या में जवानों और मरीन के आने से पहले पुलिस ने शहर

में छापेमारी और जांच बढ़ा दी है। बार, समुद्र तट और दूसरी भीड़भाड़ वाली जगहों पर पुलिस खास नजर रख रही है।

इसी दौरान पब्लिक प्लेस पर ग्राहकों की तलाश करने के आरोप में कम से कम 25 महिलाओं को हिरासत में लिया गया। इनमें थाईलैंड के साथ लाओस और युगांडा की महिलाएं भी शामिल थीं। कुछ रिपोर्टों के मुताबिक, अलग-अलग कार्रवाइयों में 40 से 50 लोगों को पकड़ा गया है।

पुलिस का कहना है कि अमेरिकी जवानों के आने से पहले शहर में गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है।

अमेरिकी सैनिकों को पटाया की नाइटलाइफ वाली जगहों पर जाने की अनुमति है, लेकिन थाई अधिकारियों ने उनके लिए कुछ खास पाबंदियां लगाई हैं। उन्हें ड्रग्स और गांजा बेचने वाली दुकानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। साथ ही देर रात तक बार और मनोरंजन वाली जगहों पर रुकने से भी बचने को कहा गया है। अमेरिकी सैनिकों के लिए सोई 6 में जाने पर भी रोक लगा दी गई है। यह पटाया का एक मशहूर इलाका है, जो खास तौर पर बार और नाइटलाइफ के लिए जाना जाता है। यहां कई एडल्ट एंटरटेनमेंट वाले बार हैं। शाम होते ही इस इलाके में काफी चहल-पहल बढ़ जाती है और बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। इसके अलावा कैनाबिस की दुकानों, पैराग्लाइडिंग और जेट-स्की जैसी गतिविधियों पर भी रोक लगाई गई है। थाई पुलिस ने अमेरिकी सैनिकों को यह भी याद दिलाया है कि देश में वेश्यावृत्ति कानूनन प्रतिबंधित है।

अमेरिकी नौसैनिकों के पटाया पहुंचने से शहर के कारोबारियों को अच्छी कमाई की उम्मीद है। करीब 5 हजार अमेरिकी जवानों के आने से होटल, रेस्तरां, बार, शॉपिंग और दूसरे पर्यटन कारोबारों में ग्राहकों की संख्या बढ़ सकती है। खासकर नाइटलाइफ और मनोरंजन से जुड़े कारोबारियों को इसका सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है।

पाकिस्तान संग बनाया मुस्लिम नाटो, अब बांग्लादेश पर नजर

भारत से तेल का बदला ले रहा सऊदी?

रियाद, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच मक्का में नाटो जैसा रक्षा समझौता होने के बाद अब इसकी पहली बैठक भी संपन्न हो गई है। तुर्की में हुई इस बैठक में पाकिस्तान के आर्मी चीफ भी हिस्सा लेने पहुंचे थे। इसे मक्का डिफेंस अलायंस नाम दिया गया है जिसका सचिवालय रियाद में होगा। इसका पहला सचिव पाकिस्तान से होगा। इस मक्का समझौते में नाटो के आर्टिकल 5 की तरह से कहा गया है कि एक देश पर हमला दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। अब इसमें सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की की योजना है कि कई और इस्लामकि देशों को शामिल किया जाए। इन देशों में बांग्लादेश भी शामिल है जो भारत का एक और पड़ोसी देश है और इस समय दोनों के बीच रश्ति तनावपूर्ण चल रहे हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से करीबी बढ़ाकर सऊदी अरब भारत से यूरोप में मिली 'हार' का बदला ले रहा है।

कनाडा में रहने वाले भारतीय

विशेषज्ञ और पैनट्री के संस्थापक रितेश जैन ने अपनी आने वाली किताब का एक अंश एक्स पर पोस्ट किया है। इसमें एक्सपर्ट नवरुप सिंह के एक लेख का हवाला दिया गया है। इसमें नवरुप सिंह का कहना है कि सऊदी अरब के पाकिस्तान की गोद में जाने के पीछे असली कारण रूसी तेल है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब भारत की दिग्गज तेल कंपनी रिलायंस और नायरा एनर्जी के यूरोप में रफिाइन किया गया तेल बेचने से काफी नाराज है। भारतीय तेल कंपनियों ने रूसी तेल को साफ करके यूरोपीय बाजार में सऊदी अरब की सबसे बड़ी कंपनी एआरएएमसीओ को कड़ी टक्कर दी है।

भारत के रूसी तेल बेचने पर भड़का सऊदी अरब

भारत के यूरोप को रूसी तेल बेचने पर नवरुप सिंह ने खाड़ी के एक काफी नर्वस चल रहे राजनयिक के हवाले से कहा, 'सऊदी अरब में हमारे मत्रि इस पर नजर रखे हुए हैं। वे खुश नहीं हैं। वे मानते हैं कि रूसी तेल को भारतीय रफिाइनरी में साफ करके बेचना यूरोपीय बाजार को चोरी करना है जो कि उनके हिसाब से सऊदी अरब का जन्मसिद्ध अधिकार है। सऊदी अरब इसे आसानी से जाने नहीं देगा।' सिंह ने कहा कि एआरएएमसीओ के चेयरमैन सऊदी अरब के पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड का हिस्सा है और इसने पाकिस्तान को अरबों डॉलर दिए हैं।

उन्होंने कहा कि सऊदी कंपनी एआरएएमसीओ के चेयरमैन ने ही डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर और ट्रंप प्रशाासन की पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर साथ दोस्ती कराई। सिंह ने कहा कि सऊदी अरब ने भारत के साथ रिश्ते मजबूत करने पर कई साल लगाए। भारत में निवेश, संयुक्त उपक्रम और पर्दे के पीछे से सुरक्षा समझ वकिसित करने का वादा किया लेकिन इसके पीछे एक कठोर हिसाब कताब भी छिपा हुआ था। भारत का रिफाइन किया गया रूसी तेल का एक कार्गो अगर यूरोप बिकता तो इसका मतलब था कि सऊदी का एक तेल टैंकर पोर्ट पर ही खड़ा रह जाता। उन्होंने कहा कि एक दोस्त को दुश्मन में तब्दील करने के लिए 1 डॉलर का ही अंतर काफी था।

नेपाल में 38 मिनट बाद मिला ग्लेशियर टूटने का अलर्ट

लोग बोले- सुरक्षित जगह पहुंचने का वक्त नहीं था, 7 दिन में 1127 मौतें

काठमांडू, 2 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में 26 अगस्त को आई बाढ़ की चेतावनी ग्लेशियर टूटने के करीब 38 मिनट बाद जारी की गई थी। बाढ़ से बचे लोगों का कहना है कि अलर्ट मिलने तक उनके पास सुरक्षित जगह पहुंचने का पर्याप्त समय नहीं था।

कई लोगों ने कहा कि वे चेतावनी से ज्यादा किस्मत की वजह से बच पाए। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लेशियर टूटने और अचानक बाढ़ आने का खतरा लंबे समय से मौजूद था। इसके बावजूद इस जोखिम की लगातार निगरानी नहीं की गई। नेपाल पुलिस के मुताबिक, बाढ़ में अब तक 1127 लोगों की मौत हो चुकी है। 4600 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स, सड़कें, पुल, स्कूल और अस्पताल को नुकसान पहुंचा है। दर्जनों हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स के सैकड़ों कर्मचारी अब भी लापता हैं। कई लोगों के सुरंगों में फंसे होने की आशंका है।

शव नहीं मिला, पुतले से किया अंतिम संस्कार

नेपाल की विनाशकारी बाढ़ में लापता हुए सूरज तिमिल्सिना का शव अब तक नहीं मिल सका है। काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में सूरज तिमिल्सिना के परिजनों ने उनका अंतिम संस्कार पुतले के जरिए किया है।

अंतिम संस्कार के दौरान परिवार के सदस्य और रिश्तेदार भावुक नजर आए। सूरज के बेटे ने भी पिता के अंतिम संस्कार की रस्मों में हिस्सा लिया।

ट्रम्प ने बोइंग डील के लिए बांग्लादेश को शुक्रिया कहा

पीएम से बोले- ये प्लेन आपको निराश नहीं करेंगे, मैं भी याद रखूंगा

वॉशिंगटन डीसी/ढाका, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारीक रहमान को पत्र लिखकर बोइंग विमान खरीदने के फैसले के लिए धन्यवाद दिया है।

बांग्लादेश पीएम तारिक रहमान के नाम से 31 अगस्त को लिखी इस चिट्ठी में ट्रम्प ने लिखा, प्रिय प्रधानमंत्री, मुझे बोइंग विमान खरीदने से संबंधित आपकी चिट्ठी मिली। मैं इस फैसले की बहुत तारीफ करता हूं। बोइंग आपको निराश नहीं करेगा और मैं भी इसे नहीं भूलूंगा। मैं आपसे मिलने का इंतजार कर रहा हूं।

अमेरिका से 25 बोइंग प्लेन खरीदने की तैयारी में बांग्लादेश

बांग्लादेश के पास अभी 14 बोइंग प्लेन हैं। बांग्लादेश ने अप्रैल 2026 में 14 नए बोइंग विमान का ऑर्डर भी दिया था। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने

30 अगस्त को बताया था कि ट्रम्प और रहमान के बीच बोइंग विमानों को लेकर बड़ी डील हुई है। इसके तहत बांग्लादेश 25 बोइंग विमान खरीदने की तैयारी में है।

बांग्लादेश की बोइंग खरीद सिर्फ अपनी एयरलाइन का बेड़ा बढ़ाने की योजना नहीं है। इसका एक बड़ा मकसद अमेरिका के साथ व्यापार घाटा कम करना और अमेरिकी टैरिफ में राहत पाना भी है। इसी वजह से बोइंग विमान खरीदने का मुद्दा दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों से भी जुड़ गया है। जब अमेरिका ने बांग्लादेश के सामान पर 37% टैरिफ लगाने की बात कही, तो बांग्लादेश ने अमेरिका से ज्यादा सामान खरीदने की कोशिश शुरू की। इसी दौरान बोइंग से 25 विमान खरीदने की बात सामने आई।

बाद में बांग्लादेश ने बोइंग के 14 विमानों का सौदा पक्का किया। इसकी कीमत करीब 3.7 अरब डॉलर है। इसमें 8 बोइंग 787-10, 2 बोइंग 787-9 और 4 बोइंग 737-8 एमएएक्स विमान शामिल हैं। पहला विमान नवंबर 2031 में मिलने की उम्मीद है। इस सौदे में अमेरिका का एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक भी मदद करेगा।

बैंक लोन की व्यवस्था करेगा और बांग्लादेश सरकार इस लोन की गारंटी देगी। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में बांग्लादेश के अलावा कम से कम 6 देशों ने अमेरिका से बोइंग के विमान खरीदने का ऐलान किया है।

सऊदी अरब: मई 2025 में ट्रम्प की सऊदी अरब यात्रा के दौरान सऊदी कंपनी एविलीज ने बोइंग के 20 विमान खरीदने का पक्का ऑर्डर दिया।

झारखंड में एमएमडीआर एक्ट का विरोध

रांची, 2 सितंबर (एजेंसियां)। माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी तेज कर दी है। राज्य सरकार ने अपने संवैधानिक और वित्तीय अधिकारों की रक्षा के लिए शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल करने से पहले सभी कानूनी पक्षों पर सरकार ने महाधिवक्ता से राय मांगी थी। महाधिवक्ता ने अपनी राय सरकार को सौंप दी है। कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं की टीम उक्त एक्ट से जुड़े दस्तावेज और संवैधानिक प्रावधानों का कई दिनों तक अध्ययन करने के बाद रिपोर्ट तैयार की है। इसमें खनिज संसाधनों पर राज्यों के अधिकार, राजस्व हिस्सेदारी और केंद्र-राज्य शक्तियों के बंटवारे से जुड़े प्रावधानों की व्याख्या विस्तृत रूप से की गई है।

ब्राउन शुगर की 30 पुड़िया बरामद

गोड्डा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। गोड्डा में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में 1 सितंबर को नगर थाना क्षेत्र के गोढ़ी गांव में पुलिस ने छापेमारी कर करीब 10 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है। पुलिस ने मौके से बिरेन्द्र कुमार उर्फ बिरू (19), पिता अरुण यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार को मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से संबंधित गुप्त सूचना मिली थी।

सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने गोढ़ी गांव पहुंचकर बिरेन्द्र कुमार के घर पर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही मौके पर मौजूद बिरेन्द्र को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद उसके घर की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान पुलिस को ब्राउन शुगर मिली, जिसे एल्युमिनियम फॉयल में अलग-अलग पुड़िया बनाकर रखा गया था। बरामद मादक पदार्थ को कुल 30 पुड़ियों में तैयार कर रखा गया था। पुलिस ने बरामद ब्राउन शुगर को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस की तलाशी में केवल ब्राउन शुगर ही नहीं, बल्कि कई अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं। घर से 1 लाख 28 हजार 688 रुपए नकद मिले हैं। इसके अलावा एक इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन और एल्युमिनियम फॉयल का एक रोल भी पुलिस ने जब्त किया है। ब्राउन शुगर को एल्युमिनियम फॉयल में 30 अलग-अलग पुड़ियों में रखा गया था। पुलिस इन बरामद सामानों को मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जोड़कर जांच कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन और फॉयल मिलने से पुलिस को आशंका है कि मादक पदार्थ को तौलकर छोटी-छोटी पुड़ियों में तैयार किया जाता था।

ब्लड सैंपल के दौरान रील बनाई, 3 महिला टेक्नीशियन बर्खास्त

दुर्ग जिला अस्पताल की लैब में ड्यूटी के दौरान बनाया था वीडियो, एचएलएल का एक्शन

दुर्ग-भिलाई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला अस्पताल की अटल आरोग्य लैब में ब्लड सैंपल लेकर रील बनाने वाली 3 महिला टेक्नीशियन को बर्खास्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज की ओर से नोटिस जारी कर जवाब मांगने के बाद की गई है।

दरअसल, 3 महिला टेक्नीशियन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें वे लैब के अंदर अलग-अलग तरह से रील बनाती नजर आ रही थीं। एक वीडियो में टेस्ट ट्यूब हाथ में लेकर कैटवॉक करती दिखीं। जबकि दूसरे वीडियो में लैब की चेयर पर बैठकर मस्ती करती नजर आईं।

वीडियो वायरल होने के बाद सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज ने लैब प्रभारी डॉ. जेपी मेश्राम को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। पूछा गया कि ड्यूटी के समय लैब में वीडियो कैसे बनाया गया और

उस दौरान कर्मचारियों की क्या जिम्मेदारी थी। जवाब और मामले की जांच के बाद एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने तीनों महिला कर्मियों को सेवा से हटा दिया।

जानकारी के मुताबिक, 24 अगस्त को तीन महिला टेक्नीशियनों ने रील बनाई थी। यह वीडियो करीब 5 दिन बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज ने अटल आरोग्य लैब के प्रभारी जेपी मेश्राम को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

नोटिस के बाद एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने तीनों महिला कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की। तीनों को सेवा से हटा दिया गया है। विभाग अब यह भी जांच कर रहा है कि वीडियो बनाने के दौरान लैब की जांच व्यवस्था पर कोई असर पड़ा था या नहीं।

इस मामले में सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद एचएलएल लैब इंचार्ज को नोटिस जारी किया गया था। लैब इंचार्ज ने वीडियो में दिख रहे स्टाफ पर कार्रवाई के लिए एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड को पत्र लिखा था। इसके बाद एचएलएल ने संबंधित स्टाफ को सेवा से बर्खास्त कर दिया।

बता दें कि छत्तीसगढ़ सरकार ने एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के सहयोग से प्रदेश के लोगों को उन्नत और निशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा देने के लिए अटल आरोग्य लैब योजना शुरू की है।

अमेरिका ने ईरान में शादी समारोह पर हमला किया

5 की मौत, 68 घायल, ईरान का जॉर्डन-बहरीन में जवाबी अटैक

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने ईरान पर 3 दिन में दूसरी बार हमला किया है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात सिरिक, खुजस्तान, केश्म द्वीप और बंदर अब्बास पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए।

ईरान के मुताबिक सिरिक में एक शादी समारोह के दौरान मिसाइल गिराए गिए। इसमें 5 लोगों की मौत हुई जबकि 68 लोग घायल हो गए।

मरने वालों में 4 साल का एक बच्चा भी शामिल है। हमले के बाद सामने आए वीडियो और तस्वीरों में घायल बच्चे अस्पताल में इलाज कराते दिख रहे हैं।

वहीं, खुजस्तान प्रांत पर हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए। हालांकि अमेरिका का दावा है कि उन्होंने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों के जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। इसमें कई लोगों मारे गए हैं।

अमेरिकी नौसेना का विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन बुधवार को थाईलैंड पहुंचा। यह युद्धपोत 200 दिनों से ज्यादा समय तक लगातार समुद्र में रहने के बाद पांच दिन के आराम के लिए यहां रुका है। इस पोत पर करीब 5,000 सैनिक और कर्मचारी तैनात हैं। यह पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े मिशन पर था। लंबे समय तक समुद्र में रहने के कारण जहाज पर तैनात लोगों को किसी बंदरगाह पर रुकने का मौका नहीं मिला। इसी वजह से उनके मानसिक स्वास्थ्य और रहने की परिस्थितियों को लेकर भी चिंता जताई गई है।

मुश्किल में अमेरिकन ड्रीम, प्रवासी भारतीयों की सफलता से बेचैन हैं अमेरिकी

एच-1बी वीजा पर समझें खतरा

न्यूयॉर्क, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की सक्सेस स्टोरी के नायक रहे हैं इमिग्रेंट्स। पिछले करीब सौ वर्षों में उसने दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित किया- अपना हुनर लेकर आए और बदले में पाइए पैसा, प्रतिष्ठा और एक ऐसी जीवनशैली, जिसकी चमक दुनिया के हर कोने तक पहुंचती है। यही थी अमेरिका की असली 'सॉफ्ट पावर'। लोकतांत्रिक मूल्य, खुले बाजार और विदेशियों को आसानी से अपनाने की क्षमता - इन सबने अमेरिका को दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट मैग्नेट बना दिया। और इसी ने बदले में अमेरिका को शीर्ष पर बैठाया।

दो तरह के इमिग्रेंट्स आते हैं। एक तो अवैध रूप से दक्षिणी सीमा यानी मैक्सिको के जरिए घुसपैठ करने वाले। डोनाल्ड ट्रंप

ने इसे मुद्दा बनाया और राष्ट्रपति बनते ही अवैध प्रवासियों के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। आपने आईसीई के बारे में सुना होगा कि कैसे ट्रंप के इस कार्यकाल में 4 लाख से अधिक लोगों को अमेरिका से निकाला गया और लाखों पर आज भी तलवार लटक रही है।

दूसरी श्रेणी है कानूनी रूप से आने वाली प्रतिभाओं की, जिनके लिए अमेरिका ने हमेशा रेड कार्पेट बिछाया।

डॉक्टर, इंजीनियर, साइंटिस्ट और प्रोफेसर, यानी उच्च शिक्षित विशेषज्ञों के लिए 1990 में एच-1बी वीजा बनाया गया। हर साल 85,000 लोगों को यह वीजा दिया जाता है। इनमें से 70% भारतीयों के हिस्से आए। मैं भी इसी वीजा पर अमेरिका आया था। यह अमूमन तीन साल का होता है, जो 6 साल तक के लिए बढ़ाया जा सकता है।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला, एडोबी के शांतनु नारायण, आईबीएम के अरविंद कृष्णा- ये सब एच-1बी या स्टूडेंट वीजा के रास्ते ही आए थे। लेकिन, अब सरकार एक कानून प्रस्तावित कर रही है कि अगर भारतीय इंजीनियर चाहिए तो पहले 98.5 लाख रुपये की फीस जमा कराइए। ट्रंप और उनके एमएजीए वोट बैंक को यह तबका अचानक खटकने लगा है।

दो दशक पहले तक घर, कार, इंश्योरेंस, खाना, घूमना - सबके लिए सुलभ था। ग्रेजुएशन एक बेहतर जीवन का तयशुदा टिकट था और कॉलेज एजुकेशन के बिना भी मिडल क्लास को बेसिक्स मिल जाते थे।

जर्मनी में धमाके के बाद स्टेशन बंद, संदिग्ध वस्तु मिलने के बाद रोकी गईं ट्रेनें

जांच में जुटे सुरक्षाकर्मी

बर्लिन, 2 सितंबर (एजेंसियां)। जर्मनी के दक्षिणी शहर ऑग्सबर्ग में मुख्य ट्रेन स्टेशन के पास धमाका होने और स्टेशन के अंदर एक संदिग्ध वस्तु मिलने के बाद पुलिस ने पूरे ट्रांसपोर्ट हब को बंद कर दिया। इसके चलते ट्रेनों का संचालन रोक दिया गया और स्टेशन के आसपास सड़क यातायात तथा सार्वजनिक परिवहन भी प्रभावित हुआ।

स्टेशन के पास अज्ञात वस्तु में हुआ धमाका

अधिकारियों के मुताबिक, सुबह करीब 3:15 बजे ऑग्सबर्ग के मुख्य स्टेशन के पास एक रास्ते पर मौजूद अज्ञात वस्तु में धमाका हुआ। इस घटना में दो लोग मामूली रूप से घायल हो गए। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, घायलों में 17 वर्षीय लड़की और 18 वर्षीय

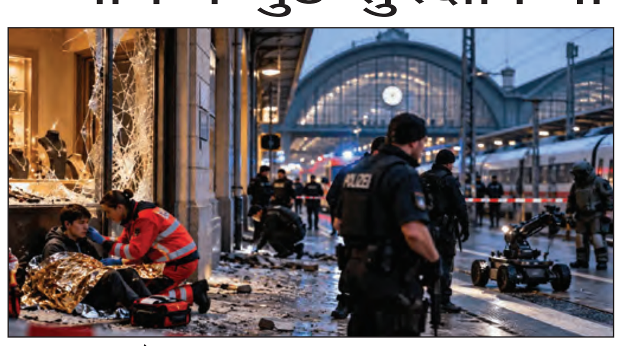

युवक शामिल हैं। दोनों यूक्रेन के नागरिक हैं।

धमाके के बाद मुख्य ट्रेन स्टेशन पर ही एक और संदिग्ध वस्तु मिलने की सूचना सामने आई। डीपीए के मुताबिक, इस वस्तु में कोई धमाका नहीं हुआ था। इसके बाद सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने स्टेशन को बंद कर दिया और इलाके में आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया।

बवेरियन स्टेट क्रिमिनल पुलिस ऑफिस के विस्फोटक विशेषज्ञ घटनास्थल पर पहुंचकर संदिग्ध वस्तु और धमाके की जांच कर रहे थे। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे थे कि धमाका किस तरह की वस्तु में हुआ और स्टेशन पर मिली दूसरी संदिग्ध वस्तु का उससे कोई संबंध है या नहीं। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि स्टेशन के आसपास सड़क यातायात के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी बाधित हुईं। स्टेशन बंद होने के कारण ट्रेनों का संचालन भी रोक दिया गया। घटना के संबंध में तत्काल कोई और विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई थी। पुलिस और विशेषज्ञों की जांच जारी थी तथा अधिकारियों की ओर से घटना के कारण और संदिग्ध वस्तुओं से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी का इंतजार किया जा रहा था।

ऑग्सबर्ग जर्मनी के बवेरिया राज्य का एक प्रमुख शहर है। इसकी आबादी करीब 3.08 लाख है। यह शहर म्यूनिख से लगभग 78 किलोमीटर (48 मील) उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

जन्माष्टमी से पहले घर लाएं ये 5 शुभ चीजें

हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इसी दिन कान्हा जी का जन्म हुआ था। इस साल 4 सितंबर 2026 को पूरे देश में धूमधाम और बड़े ही हर्षोल्लास के साथ भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मान्यता है कि जन्माष्टमी के दिन व्रत रखने और विधिपूर्वक लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। हिंदू धर्म में कृष्ण जन्माष्टमी का विशेष महत्व होता है। ऐसे में जन्माष्टमी से पहले इन चीजों को घर लाना अत्यंत ही शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इन वस्तुओं को घर लाने से कान्हा की विशेष कृपा प्राप्त होती है और सभी नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। तो आइए जानते हैं उन 5 बेहद शुभ चीजों के बारे में जिन्हें जन्माष्टमी से पहले घर जरूर लाना चाहिए।

कामधेनु गाय

भगवान कृष्ण को गाय से अत्यंत ही प्रेम और लगाव है। तो जन्माष्टमी से पहले पीतल या चांदी की कामधेनु गाय (बछड़े के साथ) की मूर्ति घर लाएं और इसे पूजा स्थल या किसी साफ-स्वच्छ स्थान पर रखें। इससे संतान संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है।

बांसुरी

भगवान कृष्ण को बांसुरी बहुत ही प्रिय है। जन्माष्टमी से पहले लकड़ी या चांदी की बांसुरी खरीदकर घर लाएं और इसे लड्डू गोपाल के चरणों में अर्पित कर दें। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, बांसुरी को घर में रखने से परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम, मधुरता बढ़ता है और एकता भी आती है।

तुलसी

भगवान विष्णु और कृष्ण जी की पूजा और भोग तुलसी के बिना अधूरी मानी जाती है। तुलसी नारायण को अति प्रिय है। तो अगर आपके घर में तुलसी का पौधा नहीं है तो जन्माष्टमी से पहले तुलसी घर ले आएं। धार्मिक मान्यता है कि जिस घर में तुलसी रहती है वहां का वातावरण सदैव सकारात्मक रहता है और वहां सुख-समृद्धि का वास होता है।

मोर पंख

कान्हा जी को मोर पंख से खास लगाव है। कृष्ण जी की हर तस्वीर और प्रतिमा में उनके मुकुट पर मोर पंख जरूर रहता है। जन्माष्टमी से पहले मोर पंख खरीदकर घर लाएं और उसे पूजा स्थल या तिजोरी में रखें। माना जाता है कि ऐसा करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है और हर तरह का वास्तु दोष भी दूर होता है। मोर पंख घर में रखने से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

लड्डू गोपाल की मूर्ति

भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना और सेवा करने से भक्तों के सभी दुख और संकट दूर हो जाता है। तो अगर आप भी लड्डू गोपाल को घर लाना चाहते हैं तो जन्माष्टमी से पहले घर ले आएं। हालांकि लड्डू गोपाल की सेवा में नियमित रूप से पूजा, भोग, वस्त्र और श्रृंगार जैसी परंपराओं का पालन किया जाता है। इसलिए लड्डू गोपाल को तभी घर लाएं जब आप नियमित रूप से उनकी सेवा कर सकें। मान्यता है कि जिस घर में लड्डू गोपाल की श्रद्धा भाव से सेवा होती है वहां कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती है।

जन्माष्टमी पर कान्हा के पैरों के निशान घर में क्यों बनाए जाते हैं?

कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. इस दिन घरों और मंदिरों में विशेष सजावट की जाती है और रात में लड्डू गोपाल का जन्मोत्सव मनाया जाता है. जन्माष्टमी की सबसे सुंदर और खास परंपराओं में से एक है घर में कान्हा के नन्हे पैरों के निशान बनाना. माना जाता है कि ये चरण चिह्न भगवान कृष्ण के घर में आगमन का प्रतीक होते हैं. आखिर जन्माष्टमी पर कान्हा के पैरों के निशान क्यों बनाए जाते हैं और इसके पीछे क्या पौराणिक मान्यता है, आइए जानते हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी 2026 में कब है?

पंचांग के अनुसार, साल 2026 में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 4 सितंबर को रात 2 बजकर 25 मिनट से शुरू होगी और 5 सितंबर की रात 12 बजकर 13 मिनट पर समाप्त होगी. जन्माष्टमी का मुख्य उत्सव निशिता काल में मनाया जाता है. इसलिए 4 सितंबर को व्रत रखकर रात में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाना शुभ माना जाएगा।

जन्माष्टमी पर क्यों बनाए जाते हैं कान्हा के पैरों के निशान?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, जन्माष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप यानी लड्डू गोपाल के पैरों के निशान घर में बनाना उनके आगमन का प्रतीक माना जाता है. भक्त मानते हैं कि जिस प्रकार भगवान कृष्ण का जन्म होने के बाद उनका दिव्य रूप संसार के सामने आया, उसी तरह जन्माष्टमी की रात श्रद्धा के साथ कान्हा का स्वागत किया जाता है. घर के मुख्य द्वार से पूजा घर या उस स्थान तक, जहां लड्डू गोपाल को विराजमान किया जाता है, नन्हे पैरों के निशान बनाए जाते हैं. ये निशान इस भाव को दर्शाते हैं कि बाल गोपाल खुद भक्त के घर पधार रहे हैं।

भगवान कृष्ण के घर आगमन का प्रतीक

जन्माष्टमी की रात को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है. इस अवसर पर भक्त अपने घर को सजाते हैं, झूला तैयार करते हैं और लड्डू गोपाल का श्रृंगार करते हैं. ऐसे में कान्हा के नन्हे चरण चिह्न बनाकर उनके घर आने की कल्पना की जाती है. मान्यता है कि जिस घर में श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान कृष्ण को याद किया जाता है, वहां सकारात्मकता का वातावरण बना रहता है. इसलिए भक्त कान्हा के चरण चिह्नों को घर में सुख, शांति और आनंद के आगमन का प्रतीक भी मानते हैं।

बाल गोपाल के प्रति प्रेम और अपनापन

भगवान कृष्ण का बाल स्वरूप भक्तों को बेहद प्रिय है. लड्डू गोपाल को बच्चे की तरह सजाना, उन्हें भोग लगाना, झूले में बैठाना और उनका जन्मदिन मनाना जन्माष्टमी की खास परंपराओं में शामिल है. नन्हे पैरों के निशान भी इसी भाव से जुड़े हुए हैं. जब भक्त मुख्य द्वार से मंदिर तक छोटे-छोटे चरण चिह्न बनाते हैं, तो यह ऐसा भाव आता है कि नटखट कान्हा अपने छोटे कदमों से घर में प्रवेश कर रहे हों.

घर में कहां बनाएं कान्हा के पैरों के निशान?

जन्माष्टमी के दिन कान्हा के पैरों के निशान आमतौर पर घर के मुख्य प्रवेश द्वार से पूजा स्थल तक बनाए जाते हैं. कई लोग इन्हें उस जगह तक भी बनाते हैं जहां लड्डू गोपाल की मूर्ति स्थापित की जाती है. चरण चिह्न बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाता है कि निशान घर के भीतर आते हुए दिखाई दें. इसका भाव यह होता है कि भगवान कृष्ण भक्त के घर में प्रवेश कर रहे हैं. इन्हें रंगोली, आटे, चावल के घोल या अन्य पारंपरिक तरीकों से बनाया जा सकता है।

क्रोधित सिंह के सामने जब कामधेनु बहुला ने दांव पर लगाई अपनी जान

सनातन धर्म में आस्था, समर्पण और वात्सल्य के कई रूप देखने को मिलते हैं लेकिन मातृत्व और सत्यनिष्ठा की जो बेमिसाल मिसाल बहुला चौथ की कथा में मिलती है, वह अद्भुत है। भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाने वाला यह पर्व केवल एक व्रत नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण और उनकी परम प्रिय कामधेनु गाय 'बहुला' के बीच हुए एक ऐसे मार्मिक संवाद की गाथा है, जिसने कालचक्र को भी थाम दिया था।

जब अपनी प्रिय गैया की परीक्षा लेने के लिए स्वयं द्वारकाधीश ने एक भयानक शेर का रूप धर लिया, तब वन के सन्नाटे में मौत को सामने देखकर भी बहुला डगमगाई नहीं। उसके मन में अपनी जान बचाने से बड़ा संकल्प अपने भूखे बछड़े का पेट भरने और अपने दिए वचन को निभाने का था। कामधेनु बहुला के उस निश्छल वात्सल्य और अटूट सत्य की अमर कहानी, जिसके आगे स्वयं भगवान को भी नतमस्तक होना पड़ा और क्यों आज के दिन बछड़ों के हक के लिए गाय का दूध दुहना वर्जित माना जाता है।

किवंदतियों के अनुसार श्री कृष्ण की गौशाला में एक बहुला नामक कामधेनु गाय थी। ये गाय श्री कृष्ण को बहुत प्रिय थी। एक बार उन्होंने बहुला की परीक्षा लेने के बारे में सोचा। बहुला वन में घास चरने गई। तभी श्री कृष्ण शेर का रूप बदलकर कामधेनु गाय के पास गए और उसके ऊपर हमला बोल दिया। शेर को देखकर गाय बहुत परेशान हो गई। अपनी जान बचाने के लिए वो शेर से प्रार्थना करने लगी लेकिन उस शेर ने बहुला की एक न सुनी। फिर बहुला ने कहा कि मेरा बछड़ा भूखा होगा, उसको दूध पिला कर कल में फिर आपके पास वापिस आ जाऊंगी, तब आप मेरा शिकार कर लेना। अपने बच्चे के प्रति प्रेम देखकर शेर के मन में दया आ गई और उसे जाने की आज्ञा दे दी। अगले दिन अपने वादे को पूरा करते हुए बहुला शेर के पास वापिस आ गई। शेर के रूप में श्री कृष्ण उसकी वचन बद्धता को देखकर बहुत प्रसन्न हुए और कहा कि कलियुग में तुम्हारी भाद्र मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को पूजा होगी। इस पूजा को करने के बाद महिलाओं को संतान सुख की प्राप्ति होगी। इसी वजह से आज के दिन बहुत से ग्वाले अपनी गाय का दूध नहीं निकालते और उसे बछड़े के लिए छोड़ देते हैं।

आंतरिक खुशी चाहिए तो आस्तिकता स्वीकार करें

जो अपने जीवन के लक्ष्य को नकार दे, नास्तिकता उसके भीतर प्रवेश करने लगती है। कोई यूं ही नास्तिक नहीं हो जाता। जब वो परमशक्ति को प्राप्त करने की चुनौती से मुंह मोड़ता है, तब नास्तिक होता है। ईश्वर की खोज कितनी मायने रखती है- इसे समझना हो तो नास्तिक से पूछिए, आस्तिक नहीं बता पाएगा। क्योंकि नास्तिक बना ही इसीलिए है कि उसने इसे स्वीकार नहीं किया। इसे ठुकरा दिया, मुंह मोड़ लिया। आस्तिक तो सीधी बात

करेगा कि मेरा विश्वास है और खोज मैं कर रहा हूं।

मैंने चुनौती स्वीकार की है। ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार करने की चुनौती को भक्ति कहते हैं। नास्तिक अपने अहंकार और अज्ञान के कारण घोषणा करता है कि ईश्वर नहीं है। लेकिन आस्तिक कहता है मैंने स्वीकार किया है तो मेरे जीवन का आनंद बढ़ा है।

वैज्ञानिक दृष्टि के लोग ईश्वर को नहीं मानते। लेकिन जब उनके जीवन में कठिन परेशानियां आती हैं, तब कोई अदृश्य शक्ति उनको महसूस होती है। आंतरिक खुशी चाहें तो आस्तिकता स्वीकारनी चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
गुरुवार, 3 सितंबर - 2026

पाकिस्तान की खुली पोल

भारत का विरोध पाकिस्तान के लिए केवल विदेश नीति का विषय नहीं, बल्कि अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने का पुराना राजनीतिक हथियार बन चुका है। हालिया घटनाक्रम ने इस प्रवृत्ति को एक बार फिर दुनिया के सामने उजागर कर दिया है। बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से जुड़ी तस्वीर को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जिस तरह प्रस्तुत किया गया, उसने उसकी प्रचार राजनीति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तस्वीर में कथित छेड़छाड़ सामने आने और सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद उसे हटाना इस बात का प्रमाण है कि राजनीतिक प्रचार के लिए तथ्यों के साथ खिलवाड़ अंततः कितना उलटा पड़ता है। किसी तस्वीर को मनमाफिक ढंग से प्रस्तुत करके भारत-पाकिस्तान संबंधों में निकटता का भ्रम पैदा किया जा सकता है, लेकिन इससे पाकिस्तान की वास्तविक स्थिति नहीं बदल सकती। दरअसल, पाकिस्तान आज गंभीर आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद जैसी समस्याओं से घिरा है। इन चुनौतियों से निपटने के बजाय भारत को निशाना बनाना उसके लिए आसान राजनीतिक रास्ता जरूर हो सकता है, लेकिन यह समाधान नहीं है। जनता को रोजगार, स्थिरता और बेहतर अर्थव्यवस्था चाहिए; भारत-विरोधी बयानबाजी उनकी इन जरूरतों का विकल्प नहीं बन सकती। आतंकवाद के मुद्दे पर भी पाकिस्तान की विश्वसनीयता लगातार सवालों के घेरे में रही है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह शांति चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। बालाकोट एयरस्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत आवश्यकता पड़ने पर आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने की क्षमता और इच्छाशक्ति रखता है। यही अंतर दोनों देशों के दृष्टिकोण को अलग करता है। भारत अपनी आर्थिक क्षमता, कूटनीतिक प्रभाव और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है, जबकि पाकिस्तान का एक बड़ा राजनीतिक विमर्श अब भी भारत-विरोध के इर्द-गिर्द घूमता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में प्रतिष्ठा केवल बयानों या तस्वीरों से नहीं मिलती। उसके लिए स्थिर नीतियां, विश्वसनीय आचरण और जिम्मेदार व्यवहार जरूरी है। पाकिस्तान को अब यह समझना होगा कि भारत को बदनाम करने की कोशिशों से उसकी अपनी समस्याएं खत्म नहीं होंगी। उसे अपने भीतर झांकना होगा और आर्थिक सुधार, राजनीतिक स्थिरता, आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई तथा पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंधों को प्राथमिकता देनी होगी। भारत को भी ऐसे दुष्प्रचार का जवाब भावनात्मक प्रतिक्रिया से नहीं, बल्कि तथ्यों, संयम और अपनी उपलब्धियों से देना चाहिए। पाकिस्तान चाहे प्रचार के लिए कितनी भी तस्वीरें बदले, वास्तविकता नहीं बदल सकती। किसी तस्वीर की काट-छांट से इतिहास नहीं बदलता; अंततः देशों की पहचान उनके कर्म और नीतियों से होती है।

सांस्कृतिक पतन का विस्फोट !

डॉ० सत्येन्द्र प्रभाकर

जन्तर-मन्तर पर हाल में हुए घटनाक्रम को केवल "सांस्कृतिक एवं चारित्रिक हादसा" कहना उस गहरे राष्ट्रीय संकट को छोटा करके देखने जैसा है, जिसकी जड़ें हमारे सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षिक जीवन में दशकों से फैलती आ रही हैं। हादसा वह होता है जो अचानक घटित हो; जन्तर-मन्तर पर जो दिखाई दिया, वह अचानक फूटा हुआ गुबार नहीं, बल्कि लम्बे समय से जमा हो रहे नैतिक क्षय, भाषायी पतन और सार्वजनिक जीवन की मर्यादाहीनता का विस्फोट है।

दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर 'नीट' तथा अन्य परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक जैसे मुद्दों को लेकर चल रहे प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध आपत्तिजनक और अभद्र भाषा के इस्तेमाल का मामला सामने आया। इस प्रकरण में पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, प्रदर्शन में शामिल एक युवती पर प्रधानमंत्री के विरुद्ध अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगा और बाद में उसने माफी भी माँगी।

यहाँ सबसे पहले यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि किसी भी सरकार, प्रधानमंत्री या राजनीतिक दल की आलोचना लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है। प्रश्नपत्र लीक, परीक्षा-व्यवस्था की गड़बड़ी, बेरोजगारी या शासन की नीतियों के विरुद्ध प्रदर्शन करना नागरिक अधिकार है। सत्ता से सवाल पूछना लोकतंत्र-विरोधी नहीं, बल्कि लोकतंत्र को जीवित रखने वाली प्रक्रिया है। किन्तु आलोचना और गाली में, विरोध और अश्लीलता में, आक्रोश और अमर्यादित आचरण में अन्तर होता है। लोकतंत्र नागरिक को बोलने का अधिकार देता है, अपनी भाषा का विवेक खो देने का लाइसेंस नहीं।

जन्तर-मन्तर का प्रसंग किसी एक व्यक्ति, एक मञ्च या, एक संगठन तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक संकट का लक्षण है जिसमें असहमति ने अनेक बार तर्क का स्थान छोड़कर अपमान का रूप ले लिया है। आज राजनीतिक बहस का बड़ा हिस्सा विचारों के संघर्ष के बजाय व्यक्तियों के चरित्र-हनन में बदल गया है। नेता एक-दूसरे के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें सामान्य पारिवारिक या सामाजिक बातचीत में बोलना भी अस्वीकार्य माना जाता था। जब विपक्ष का प्रमुख नेता प्रधानमंत्री के लिए 'तू' जैसे सम्बोधन का इस्तेमाल करता है, जब सत्ता पक्ष के समर्थक विरोधियों को देशद्रोही, गद्दार और निकम्मा कहकर खारिज करते हैं, जब संसद में नारे, आरोप और व्यक्तिगत कटाक्ष नीति-विमर्श पर भारी पड़ते हैं, तब समाज के लिए सन्देश साफ होता है—शिष्टता अब कमजोरी है और शोर ही प्रभाव का प्रमाण। सार्वजनिक जीवन में भाषा का स्तर गिरता है तो उसका असर केवल संसद या मञ्च तक सीमित नहीं रहता। वह घरों, विद्यालयों, सड़कों और सोशल मीडिया तक पहुँचता है।

प्रधानमंत्री ने जन्तर-मन्तर प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गालियाँ किसी समस्या का समाधान नहीं करतीं और उन्होंने युवाओं को दण्डित करने के बजाय उनका मार्गदर्शन करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि वे उन युवाओं को क्षमा करना चाहते हैं, जिन्होंने उनके और उनकी दिवंगत माँ के प्रति अपशब्दों का इस्तेमाल किया। यह प्रतिक्रिया राजनीतिक विवाद से अलग एक सामाजिक प्रश्न उठाती है—क्या हम अपने युवाओं को केवल दण्ड देकर सुधार सकते हैं, या उनके भीतर भाषा, संयम और उत्तरदायित्व का संस्कार भी विकसित करना होगा

आज जन्तर-मन्तर पर मञ्च से निकली गाली पर आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है, जैसे यह किसी सभ्य और मर्यादित समाज पर अचानक हुआ बाहरी हमला हो। वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। देश में दशकों से भाषा का सार्वजनिक अवमूल्यन हो रहा है। चुनावी भाषणों में व्यक्तिगत हमले बढ़े हैं, टेलीविजन बहसों में चिल्लाना तर्क का विकल्प बन गया है और सोशल मीडिया पर अपमान को लोकप्रियता का साधन समझा जाने लगा है। गाँव की चौपाल हो या शहर की सड़क, मित्रों की बातचीत हो या इण्टरनेट की टिप्पणी—गाली का सामान्यीकरण हमारी सामाजिक चेतना में गहरे उतर चुका है। माँ-बहन की गालियाँ अब केवल अपराधी या, असामाजिक तत्वों की भाषा नहीं रह गयी हैं; वे सामान्य बातचीत, राजनीतिक नारे और मनोरञ्जन की सामग्री तक में प्रवेश कर चुकी हैं। जब समाज किसी शब्द की हिंसा को बार-बार सुनकर भी चुप रहता है, तो वह धीरे-धीरे उस हिंसा को स्वीकार करने लगता है।

आतंकवाद पर मोदी सरकार का कड़ा प्रहार

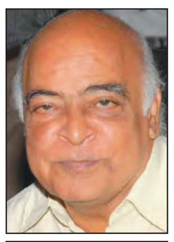

अशोक भाटिया

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की विदेश नीति और आंतरिक सुरक्षा ने एक ऐतिहासिक और युगांतरकारी मोड़ लिया है। 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से अनुप्राणित प्रधानमंत्री मोदी का रणनीतिक दृष्टिकोण भारत को एक मूक दर्शक या केवल प्रतिक्रिया देने वाले राष्ट्र की छवि से बाहर निकालकर एक सक्रिय, दृढ़ और निर्णय लेने वाले वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करता है। इस रणनीतिक दृष्टिकोण का सबसे प्रखर और स्पष्ट रूप आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस यानी शून्य सहिष्णुता की नीति के रूप में दिखाई देता है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में भारत ने अपनी रक्षात्मक नीति का परित्याग कर 'आक्रामक-रक्षात्मक' रणनीति को अंगीकार किया है, जिसका सीधा अर्थ है कि भारत अब संकट के समय केवल अपनी सीमाओं की रक्षा नहीं करता, बल्कि संकट के मूल स्रोत पर प्रहार करने की क्षमता रखता है। इस नीति ने अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत की साख को अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ किया है और देश की संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री मोदी के रणनीतिक विजन का मुख्य स्तंभ रणनीतिक स्वायत्तता है। इसका तात्पर्य यह है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी वैश्विक दबाव के अपनी सुरक्षा और विदेश नीतियां स्वयं निर्धारित करता है। अतीत में भारत की पहचान अक्सर एक ऐसे राष्ट्र की थी जो आतंकी घटनाओं के पश्चात वैश्विक समुदाय से गुहार लगाता था अथवा केवल राजनयिक विरोध दर्ज कराता था। इस दृष्टिकोण को रणनीतिक हलकों में 'रणनीतिक संयम' कहा जाता था। परंतु प्रधानमंत्री मोदी ने इस परिपाटी को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने वैश्विक मंचों से यह स्पष्ट उद्घोष किया कि आतंकवाद और द्विपक्षीय बातचीत कभी भी एक साथ नहीं चल सकते। सुरक्षा और विकास के इस अनूठे समन्वय ने देश के भीतर एक ऐसे सुदृढ़ वातावरण का निर्माण किया है, जहां आर्थिक प्रगति और आंतरिक सुरक्षा एक दूसरे के पूरक बनकर उभर रहे हैं।

आतंकवाद के विरुद्ध इस कड़े प्रहार का सबसे पहला और जीवंत उदाहरण वर्ष २०१६ में उरी सैन्य शिविर पर हुए कायरतापूर्ण हमले के पश्चात देखने को मिला। भारतीय सेना के विशेष बलों ने नियंत्रण रेखा पार कर आतंकियों के लॉन्च पैड्स को ध्वस्त कर दिया। इस सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को यह कड़ा संदेश दिया कि भारत अपनी रक्षा के लिए सीमाओं के बंधन को आड़े नहीं आने देगा। इसके पश्चात वर्ष २०१९ में पुलवामा में हुए आत्मघाती हमले का उत्तर देते हुए भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट के भीतर घुसकर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर हवाई हमला किया। इस साहसिक कदम ने न केवल सीमा पार बैठे आकाओं के हौसले पस्त किए, बल्कि दुश्मन देश के परमाणु ब्लैकमेल के मिथक को भी हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। इन दोनों घटनाओं ने वैश्विक सैन्य इतिहास में भारत की एक नई और आक्रामक छवि को रेखांकित किया।

आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर प्रधानमंत्री मोदी के रणनीतिक दृष्टिकोण ने देश के भीतर छिपे देशविरोधी तत्वों और उनके वित्तीय तंत्र पर चौतरफा प्रहार किया है। इस दिशा में ५ अगस्त २०१९ को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद ३७० और ३५ए का उन्मूलन करना आधुनिक भारत के इतिहास का सबसे साहसिक राजनीतिक और रणनीतिक निर्णय था। इस कदम ने उस संवैधानिक विसंगति को सदैव के लिए समाप्त कर दिया, जिसका अनुचित लाभ उठाकर अलगाववादी और सीमा पार के तत्व घाटी के युवाओं को गुमराह करते थे। इस ऐतिहासिक निर्णय के फलस्वरूप कश्मीर में पथराव की घटनाएं पूरी तरह समाप्त हो चुकी हैं, स्थानीय आतंकी भर्ती में ऐतिहासिक गिरावट आई है और यह क्षेत्र अब अशांति के दौर से निकलकर पर्यटन और आर्थिक विकास के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है।

इसी प्रकार देश के एक बड़े भूभाग को प्रभावित करने वाले वामपंथी उग्रवाद अर्थात नक्सलवाद पर भी केंद्र सरकार ने अत्यंत कठोरता से नकेल कसी है। सरकार ने इसके लिए 'कड़ी सुरक्षा कार्रवाई' और 'तीव्र विकास' की दोहरी नीति अपनाई। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में नक्सली हिंसा की घटनाओं में सत्तर प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। सुरक्षा बलों ने उन सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में अपने शिविर स्थापित किए हैं, जिन्हें कभी नक्सलियों का अभेद्य गढ़ माना जाता था। इसके साथ ही देश के भीतर सक्रिय स्लीपर सेल्स और अफवाह तंत्र पर प्रतिबंध लगाकर उनके राष्ट्रविरोधी मंसूबों को समय रहते निष्प्रभावी कर दिया गया है।

आतंकवाद को जीवित रखने वाले सबसे महत्वपूर्ण कारक यानी 'टेरर फंडिंग' पर भी सरकार ने आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक की है। विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम में व्यापक संशोधन करके उन गैर-सरकारी संगठनों के वित्तीय स्रोतों को बंद कर दिया गया जो विदेशों से धन प्राप्त कर उसका उपयोग देश विरोधी गतिविधियों में करते थे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को असीमित शक्तियां प्रदान की गईं, जिससे वे देश के बाहर भी भारतीयों के खिलाफ हुए आतंकी मामलों की स्वायत्तता से जांच कर सकें और आतंकियों की संपत्तियों को सीधे कुर्क कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स के मंच का प्रभावी उपयोग करते हुए भारत ने पाकिस्तान के आतंकी वित्तपोषण को बेनकाब किया, जिसके कारण वह देश दीर्घकाल तक वैश्विक प्रतिबंधों की सूची में बना रहा और उसकी अर्थव्यवस्था पंगु हो गई। वैश्विक कूटनीति के पटल पर प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद की परिभाषा को लेकर महाशक्तियों के दोहरे मापदंडों को निरंतर चुनौती दी है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र, जी२०, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे हर महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच से यह संदेश दिया कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए खतरा है और इसमें 'अच्छे आतंकवाद' या 'बुरे आतंकवाद' जैसी कोई श्रेणी नहीं हो सकती। भारत ने नई दिल्ली में 'नो मनी फॉर टेरर' सम्मेलन की मेजबानी कर वैश्विक वित्तीय प्रणाली को आतंकियों की पहुंच से दूर रखने की रूपरेखा तैयार की। प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत कूटनीतिक प्रयासों के कारण आज अमेरिका, फ्रांस और खाड़ी देशों के साथ भारत का खुफिया समन्वय अत्यंत सुदृढ़ हुआ है, जिससे भगोड़े अपराधियों का प्रत्यर्पण अत्यंत सुगम हो गया है।

एक सशक्त रणनीतिक विजन तब तक पूर्ण नहीं हो सकता जब तक देश रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर न हो। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वास्तविकता को स्वीकार करते हुए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत रक्षा विनिर्माण को स्वदेशी रूप दिया। सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों के माध्यम से हजारों सैन्य उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध लगाया गया, जिससे उनका निर्माण अब भारत की धरती पर हो रहा है। भारतीय सेनाओं को राफेल विमान, एस-४०० मिसाइल प्रणाली और स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत जैसे आधुनिक हथियारों से सुसज्जित किया गया है। आज भारत केवल हथियारों का आयातक नहीं रहा, बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल जैसी उन्नत तकनीक का निर्यात कर दुनिया के अग्रणी रक्षा निर्यातकों की श्रेणी में सम्मिलित हो रहा है।बदलते समय के साथ आतंकवाद का स्वरूप भी डिजिटल और तकनीकी हो गया है। आज साइबर युद्ध, क्रिप्टोकरेंसी और ड्रोन्स के माध्यम से सुरक्षा को नई चुनौतियां मिल रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी का 'विजन २.०' इन उभरते खतरों से निपटने के लिए देश को तैयार कर रहा है। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति को सुदृढ़ किया गया है और सीमाओं पर अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन प्रणालियां तैनात की गई हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाले दुष्प्रचार और कट्टरपंथ को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं।

निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रणनीतिक दृष्टिकोण 21वीं सदी के एक नए, आत्मविश्वासी और संप्रभु भारत की साख स्थापित करता है। आतंकवाद पर उनका यह कड़ा प्रहार यह प्रमाणित करता है कि भारत शांति का उपासक अवश्य है, परंतु अपनी क्षेत्रीय अखंडता और नागरिकों के प्राणों की आहुति देकर वह कभी भी किसी कायरता को सहन नहीं करेगा।

विस्थापितों का हक है, तो जलवायु पीड़ितों का क्यों नहीं?

आरके जैन

बाढ़ और कटाव से घर उजड़ते हैं, परिवारों का भविष्य भी बह जाता है; लेकिन कानून में उनके लिए कोई ठिकाना नहीं। भारत में जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चेतावनी नहीं, लाखों लोगों की वर्तमान त्रासदी है। 2024 में जलवायु संबंधी आपदाओं से 54 लाख आंतरिक विस्थापन दर्ज हुए—दक्षिण एशिया में सबसे अधिक। करीब दो-तिहाई बाढ़ से जुड़े थे। 2022 में यह आंकड़ा 25 लाख था। असम, सुंदरबन, ओडिशा और बिहार के नदी-तटीय इलाकों में परिवार हर साल घर, खेत और पहचान खो रहे हैं। फिर भी अब तक (2026) ऐसा कोई कानून नहीं, जो उन्हें 'जलवायु विस्थापित' मानकर अधिकार तय करे। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 तत्काल राहत तक सीमित है; स्थायी पुनर्वास और मुआवजे का अधिकार कानून से बाहर है।

नदी का पानी उतर जाए तो आदमी घर लौट सकता है, लेकिन कटाव जमीन निगल जाए तो लौटने को कुछ बचता नहीं। यही नदी-कटाव को बाढ़ से अधिक क्रूर बनाता है। ब्रह्मपुत्र 1950 के बाद से असम की 4.27 लाख हेक्टेयर जमीन निगल चुकी है। माजुली द्वीप 1970 के दशक में 1,250 वर्ग किलोमीटर था, जो अब 350-600 वर्ग किलोमीटर रह गया है। सरकारी आंकड़े 2014-24 के बीच 17,390 लोगों के विस्थापन की बात करते हैं, जबकि संसद में दिए जवाब 86 हजार से अधिक लोगों की भूमिहीनता बताते हैं। तटबंधों या सरकारी जमीन पर बसे परिवार 'अतिक्रमणकारी' कहलाते हैं। भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में राज्य जमीन ले तो मुआवजा है; नदी ले जाए तो न अधिग्रहण माना जाता है, न मुआवजा।

सबसे गहरी चोट तब लगती है, जब जमीन का अस्तित्व मिट गया हो और उसी का कागज मांगकर इंसान को राहत से बाहर कर दिया जाए। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन, आजीविका और आश्रय का अधिकार देता है, लेकिन अदालतें भी इस संकट का व्यापक समाधान नहीं कर पाई हैं। गौहाटी उच्च न्यायालय ने कुछ मामलों में राहत दी है, पर व्यापक नीति नहीं बनी। असम की 2020 की पुनर्वास नीति 2023 में संशोधित/आंशिक रूप से वापस ली गई। पंद्रहवें वित्त आयोग ने कटाव प्रभावितों के लिए अलग फंड की सिफारिश की थी और 2024 में केंद्र ने कुछ दिशानिर्देश जारी किए, मगर जमीनी पहुंच सीमित है। दस्तावेजों की शर्त उस परिवार के सामने है, जिसकी जमीन और कागज दोनों नदी में समा चुके हैं।

उजड़ना केवल गांव छोड़ना नहीं है; यह आदमी को उसकी पुरानी पहचान से भी बेदखल कर देता है। सुंदरबन में बढ़ती लवणता खेती और मछली पालन खत्म कर रही है। खेत और पानी जब रोजी छीन लेते हैं, तो परिवार शहरों की ओर जाता है। वहां झुग्गियों में नई जिंदगी शुरू होती है—मगर अधिकारों के बिना। कोई राष्ट्रीय रजिस्टर, स्पष्ट नोडल एजेंसी नहीं है। 2022 का निजी सदस्य विधेयक—क्लाइमेट माइग्रेंट्स (प्रोटेक्शन एंड रिहैबिलिटेशन) बिल—संसद में आगे नहीं बढ़ सका। इस बीच जलवायु विस्थापन अस्थायी घटना नहीं, स्थायी और संरचनात्मक संकट बनता जा रहा है। व्यवस्था फिर भी उसे 'आपदा' की छोटी अवधि में बांधकर देख रही है।

दुनिया के दूसरे हिस्सों में कानून ने बदलती जलवायु की आहट सुन ली है, लेकिन भारत में उजड़े लोगों की आवाज व्यवस्था की दीवारों से टकराकर लौट आती है। बांग्लादेश और फिजी ने जलवायु विस्थापितों को कानूनी पहचान देने की दिशा में कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया-तुवालु समझौता बताता है कि जलवायु आवागमन को कानूनी ढांचे में जगह दी जा सकती है। भारत में कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुर्माने से समर्पित फंड बनाने के प्रस्ताव हैं, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। जब बांध या हाईवे परियोजना से विस्थापित व्यक्ति को मुआवजा और पुनर्वास मिलता है, तो प्रकृति से उजड़े परिवार को क्यों नहीं? जमीन जाने का दर्द उसके कारण से कम नहीं होता।

इस कानून-विहीनता का सबसे भारी बोझ उन्हीं पर पड़ता है, जो पहले ही गरीबी ढो रहे हैं। आदिवासी, दलित और गरीब किसान जलवायु विस्थापन के सबसे असुरक्षित शिकार हैं। उनके लिए जमीन केवल संपत्ति नहीं, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और पीढ़ियों की पहचान है। जमीन जाने के साथ बच्चों की पढ़ाई, रोजी और समुदाय से जुड़ाव टूटता है। उनकी आवाज संसद तक पहुंचना कठिन है। चुनावी घोषणापत्रों में जलवायु विस्थापन का उल्लेख नहीं के बराबर है और सरकारी सर्वेक्षणों में भी यह प्राथमिकता नहीं बन पाया। जब विस्थापितों को कानून कोई नाम नहीं देता, तो उनके अधिकारों की मांग भी अनसुनी रह जाती है। यह केवल प्रशासनिक कमी नहीं, संवैधानिक समानता का गंभीर प्रश्न है।

अब राहत की घोषणा से आगे बढ़कर ऐसे कानून की जरूरत है, जो उजड़ने के बाद भी नागरिक को अकेला न छोड़े। समर्पित कानून जलवायु विस्थापितों को स्पष्ट पहचान दे, पंजीकरण करे, पुनर्वास को अधिकार बनाए और स्थायी फंड सुनिश्चित करे। भूमि खोने वालों को दस्तावेजी अड़चनों से राहत मिले तथा आवास, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था हो। अनुच्छेद 21 और राज्य के नीति-निर्देशक तत्व इसका संवैधानिक आधार दे सकते हैं। पंद्रहवें वित्त आयोग की सिफारिश के अनुरूप अलग कोष बनाया जा सकता है। कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुर्मानों से भी संसाधन जुटाए जा सकते हैं। सवाल यह नहीं कि उपाय संभव हैं या नहीं; सवाल है कि राजनीतिक इच्छा कब पैदा होगी।

सवाल अब यह है कि हर साल उजड़ रहे लाखों लोगों की जिम्मेदारी कौन लेगा? वे किसी युद्ध के शरणार्थी नहीं, फिर भी विस्थापित हैं; उन्होंने जमीन बेची नहीं, फिर भी भूमिहीन हैं; उन्होंने शहर चुना नहीं, फिर भी पलायन को मजबूर हैं। नदी को दोष देकर राज्य अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। यदि कानून उन्हें पहचान नहीं देता, तो मुआवजा अपवाद और पुनर्वास एहसान बन जाता है। तब बाढ़ और कटाव महज प्राकृतिक आपदाएं नहीं रहते, वे संवैधानिक अन्याय की शक्ल लेते हैं। नदी जमीन छीन ले, यह प्रकृति की विवशता हो सकती है; लेकिन उसके साथ इंसान का अधिकार भी बह जाए, यह राज्य की विफलता होगी।

एआई के युग में उच्च शिक्षा में परिवर्तन की आवश्यकता

डा. शैलेश शुक्ला

कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब भविष्य की कोई दूर की तकनीक नहीं रह गई है। यह हमारे आसपास के जीवन, कामकाज, व्यापार, शोध, संचार और शिक्षा को तेजी से प्रभावित कर रही है। कुछ वर्ष पहले जिस काम को पूरा करने में घंटों लगते थे, आज वही काम कुछ मिनटों में किया जा सकता है। लिखने, अनुवाद करने, जानकारी व्यवस्थित करने, चित्र बनाने, कोड तैयार करने और अनेक प्रकार के विश्लेषण में कृत्रिम मेधा का उपयोग हो रहा है। ऐसे समय में यदि उच्च शिक्षा की व्यवस्था पुराने तरीके से ही चलती रहे तो यह युवाओं को उस दुनिया के लिए तैयार नहीं कर पाएगी, जिसमें उन्हें आगे काम करना है।

भारत में उच्च शिक्षा के सामने यह चुनौती और भी बड़ी है, क्योंकि हमारे विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत अधिक है। इन विद्यार्थियों के सामने केवल डिग्री हासिल करने की चुनौती नहीं है, बल्कि ऐसी योग्यता हासिल करने की जरूरत भी है जिससे वे बदलती हुई दुनिया में अपने लिए जगह बना सकें। इसलिए अब यह सोचने का समय है कि हम विद्यार्थियों को क्या पढ़ा रहे हैं, कैसे पढ़ा रहे हैं और पढ़ाई के बाद वे उस ज्ञान का उपयोग किस तरह कर पाएंगे।

इसका अर्थ यह नहीं है कि हर विद्यार्थी को कृत्रिम मेधा का विशेषज्ञ बना दिया जाए। हर व्यक्ति का काम मशीन बनाना नहीं है। लेकिन आज के समय में यह समझना जरूरी है कि कृत्रिम मेधा क्या कर सकती है, उसकी सीमाएं क्या हैं, उससे मिलने वाली जानकारी को कैसे जांचना है और उसका जिम्मेदारी के साथ उपयोग कैसे करना है। विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों में यही समझ विकसित करनी होगी।

कृत्रिम मेधा के आने से शिक्षा के सामने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा हुआ है। यदि विद्यार्थी किसी विषय पर निबंध, उत्तर, प्रस्तुति या प्रारंभिक शोध सामग्री कुछ ही मिनटों में तैयार कर सकता है, तो फिर शिक्षक उससे क्या करवाएगा? केवल लिखित असाइनमेंट देकर यह मान लेना कि विद्यार्थी ने स्वयं अध्ययन किया है, अब पर्याप्त नहीं होगा। शिक्षा व्यवस्था को अपने मूल्यांकन के तरीकों में बदलाव करना पड़ेगा।

विद्यार्थियों से ऐसे प्रश्न पूछने होंगे जिनके उत्तर केवल इंटरनेट या कृत्रिम मेधा से प्राप्त न किए जा सकें। उन्हें किसी समस्या का समाधान स्वयं समझाकर बताना होगा, अपने विचारों का कारण देना होगा, किसी स्थानीय समस्या का अध्ययन करना होगा, वास्तविक आंकड़ों का विश्लेषण करना होगा और अपने निष्कर्षों पर चर्चा करनी होगी। कक्षा में बातचीत, बहस, प्रस्तुति, परियोजना, प्रयोग और वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित कार्य का महत्व बढ़ाना होगा। इससे यह पता चलेगा कि विद्यार्थी ने केवल उत्तर प्राप्त किया है या वास्तव में विषय को समझा भी है।

यह बदलाव केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं है। शिक्षकों की भूमिका भी बदलनी होगी। शिक्षक अब केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं रह सकता, क्योंकि जानकारी तक पहुंच पहले की तुलना में बहुत आसान हो गई है। शिक्षक की भूमिका विद्यार्थियों को सही जानकारी चुनने, गलत जानकारी पहचानने, सवाल पूछने, तर्क करने और ज्ञान का उचित उपयोग करने में मदद करने की होनी चाहिए। शिक्षक को यह भी सिखाना होगा कि कृत्रिम मेधा द्वारा तैयार सामग्री को आंख बंद करके सही नहीं माना जा सकता।

यह बात विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि कृत्रिम मेधा हमेशा सही उत्तर नहीं देती। वह कभी-कभी गलत जानकारी को भी बहुत आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकती है। इसलिए विद्यार्थी को यह आदत डालनी होगी कि किसी महत्वपूर्ण जानकारी को विश्वसनीय स्रोत से जांचे। यही वैज्ञानिक सोच और डिजिटल साक्षरता का हिस्सा है। यूनेस्को ने भी शिक्षा में जनरेटिव एआई के उपयोग के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण, सुरक्षा, समान अवसर, डेटा गोपनीयता और नैतिक उपयोग पर जोर दिया है।

उच्च शिक्षा में पाठ्यक्रमों को भी समय के साथ बदलना होगा। इसका मतलब यह नहीं है कि पुराने विषयों को हटा दिया जाए और हर जगह केवल एआई पढ़ाई जाए। इतिहास, साहित्य, दर्शन, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और अन्य मानविकी विषयों का महत्व कम नहीं हुआ है। बल्कि कृत्रिम मेधा के दौर में इन विषयों की जरूरत कई मायनों में और बढ़ सकती है, क्योंकि मशीन जानकारी को व्यवस्थित कर सकती है, लेकिन समाज के नैतिक प्रश्नों, मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों पर अंतिम निर्णय मनुष्य को ही लेना होगा।

इसलिए हमें ऐसे पाठ्यक्रम चाहिए जिनमें तकनीकी ज्ञान और मानवीय समझ दोनों का संतुलन हो। उदाहरण के लिए साहित्य का विद्यार्थी डिजिटल उपकरणों और एआई आधारित भाषा तकनीकों को समझ सकता है, लेकिन साथ ही उसे भाषा की संवेदना और सांस्कृतिक संदर्भ भी समझना होगा। वाणिज्य का विद्यार्थी डेटा और डिजिटल वित्त को समझे, लेकिन उसके साथ आर्थिक नैतिकता और मानवीय व्यवहार को भी समझे। पत्रकारिता का विद्यार्थी एआई से जानकारी व्यवस्थित करना सीख सकता है, लेकिन तथ्य की जांच, स्रोत की विश्वसनीयता और पत्रकारिता की जिम्मेदारी को उससे भी अधिक गंभीरता से समझे।

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी बहुविषयक शिक्षा, तकनीक के उपयोग, उद्योग और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच सहयोग तथा कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग और बिग डेटा जैसे क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन विचारों को केवल नीतिगत दस्तावेजों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि कॉलेजों की कक्षाओं और प्रयोगशालाओं तक पहुंचाया जाए।

जगत की बराबरी में जगद्गुरु का भारत

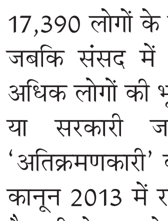

डॉ टी महादेव राव

बीस के दो टमाटर, बीस रुपये की हरी मिर्च और दस रुपये का एक इंच अदरक लेकर जैसे ही मैंने सब्जी वाले को पचास रुपये दिए देखा पीछे से कोई पीठ पर धौंस जमा रहा था। देखा भक्त दास खड़ा था।

तो भाई सब्जी भाजी की खरीदारी हो रही है उसने पूछा।

मैंने कहा देखते नहीं मैं भजन कर रहा हूँ अब राखो लाज हरी।

भाई मज़ाक मत करो!

शुरू किसने लिया था ? हां! नग के हिसाब से सब्जियाँ खरीद रहा हूँ। पहले किलो, आधा किलो का हिसाब चलता था। अब गिनती करके सब्जी खरीदनी होती है या फिर इंचों में नाप कर अदरक जैसी चीजें खरीदनी होती है। यही तो हमारा पिछले तेरह वर्षों में हुआ अच्छे दिनों का विकास है। हम अमेरिका से बड़ी गाढी दोस्ती निभा रहे हैं परिणाम स्वरूप डॉलर और रुपयों में समानता आ गई है।

कहां। रुपए 90-95 के बराबर एक डॉलर है न?

मैं उसकी बात नहीं कर रहा हूं। डेढ़ डॉलर यानी एक सौ पैंतीस में टमाटर, ढाई डॉलर यानी दो सौ सत्तर रुपए में मिर्ची और दो डॉलर यानी एक सौ अस्सी रुपए में अदरक मतलब पहले जो चीज रुपयों में आसानी से मिलती थी, आज कल वही डॉलर के हिसाब से बिक रही है। यह हमारे विकास की कड़ी में अमेरिका से गहन मित्रता के नाम पर एक उदाहरण मात्र है।

भाई तुमको तो बस बोलने का शौक है। मुद्दा कोई भी बना लेते हो। महंगाई बढ़ रही है, फसल बाढ़ में बर्बाद है, देश में और भी मुद्दे हैं। बड़े भैया और उनके साथी चिंतित हैं।

मुझे तो उनकी चिंता जनसामान्य के प्रति दिखाई नहीं पड़ती। उन्हें चिंता है विपक्ष को कैसे उखाड़ फेंके? कैसे उनकी मिट्टी पलीद की जाए? किस बहाने उन्हें गरियाएं? दिन रात इसी उधेड़बुन में लगे हैं। उन्हें कभी देश की समस्याओं पर बात करते नहीं सुना।

तुम उन्हें भारत तक सीमित क्यों कर रहे हो। वे तो विश्वव्यापी व्यक्ति हैं। देखते नहीं तेरह वर्षों में वे 26 से ज्यादा देशों के सर्वोच्च पुरस्कार हासिल किए हैं। छोटी छोटी समस्याओं पर उनका ध्यान क्यों जाने लगा?

हां। यह क्यों नहीं कहते कि अंतर्यामी हैं? फेंकने के लिए भारत क्या कम पड़ गया जो विदेश जाते हैं। अमेरिका की पहली यात्रा के समय भारत विश्व में दसवें नंबर पर था। दूसरी बार गए तो पांचवें नंबर पर है।

सच ही तो है।

लेकिन अब की बार अमेरिका न जाएं वरना अमेरिका दूसरे नंबर पर आ जाएगा।

भाई! तुम नहीं सुधरोगे। भैया ने छत्तीस राजनीतिक दलों के साथ गठ बंधन किया है, जबकि विपक्ष का गठबंधन इंडिया केवल छब्बीस पार्टियों का मिश्रण है। यहां भी वे बहुमत में है कि नहीं?

जो ग्यारह तटस्थ पार्टियां हैं, उनका क्या होगा, वे किस पक्ष में होंगे? तुम्हें बड़े भैया का एक बयान याद दिलाता हूं। भारत की राजनीतिक पार्टियां सारी लेकिन अकेले हम सब पर भारी।

याद है। लेकिन अब भी वे भारी हैं।

शरीर के वजन में न?

तुम भी न? जाओ मैं नहीं बोलता। और भक्त दास तेज कदमों से चला गया और मैं धनिया पत्ती खरीदने दूसरे दुकान में।

हार्ट के मरीज हैं तो दर्द निवारक दवाएं आपके लिए कहीं हो न जाएं जानलेवा, बरतें विशेष सावधानी

क्या आप भी शरीर में हल्का सा भी दर्द होने पर तुरंत पेनकिलर ले लेते हैं? अगर हां, तो सावधान हो जाइए इससे आपकी सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंच सकता है। अब तक के कई अध्ययनों में स्वास्थ्य विशेषज्ञ आगाह करते रहे हैं कि ज्यादा पेनकिलर लेने से दीर्घकालिक रूप में किडनी और लिवर जैसे अंगों के क्षति की समस्या हो सकती है।

वहीं एक हालिया अध्ययन में बताया गया है कि कुछ लोगों में पेनकिलर के कारण आंतरिक रक्तस्राव होने का जोखिम दो गुना तक बढ़ सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बिना डॉक्टरी सलाह के आपको किसी भी तरह की दवा लेने से बचना चाहिए, इसके गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि जो लोग पहले से ही रक्त को पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं, उनमें पेनकिलर के कारण आंतरिक रक्तस्राव का खतरा अधिक हो सकता है। अगर आप बिना डॉक्टरी सलाह के बार-बार या लंबे समय तक इस तरह की दवाएं लेते रहते हैं तो अलर्ट हो जाइए।

किडनी डैमेज का रहता है खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया,

अगर आप बार-बार ओवर-द-काउंटर एसिटामिनोफेन, एस्पिरिन, इबुप्रोफेन और नेप्रोक्सन जैसी दवाओं का सेवन करते रहते हैं तो इसके कारण भविष्य में आपको किडनी डैमेज होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसे मेडिकल की भाषा में एनाल्जेसिक नेफ्रोपैथी कहा जाता है।

जॉन्स हॉपकिन्स मेडिसिन के विशेषज्ञों ने एक रिपोर्ट में बताया कि दर्द निवारक दवाएं जिनमें दो या उससे ज्यादा सॉल्ट (जैसे एस्पिरिन और एसिटामिनोफेन) हैं, अगर आप लंबे समय तक इसे लेते रहते हैं तो इसके कारण आपमें किडनी डैमेज होने का खतरा काफी बढ़ सकता है।

हो सकता है आंतरिक रक्तस्राव

यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि जो लोग पहले से ही खून को पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं, अगर वह बिना डॉक्टरी सलाह के अक्सर इबुप्रोफेन या नेप्रोक्सन जैसी गैर-स्टेरायडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाएं भी लेते रहते हैं तो उनमें आंतरिक रक्तस्राव का जोखिम दोगुना हो सकता है। इन दवाओं को दर्द निवारक के रूप में जाना जाता है।

आमतौर पर स्ट्रोक, दिल के दौरे या पैरों-फेफड़ों में रक्त के थक्कों के इलाज या रोकथाम के लिए ब्लड थिनर दवाएं दी जाती हैं।

हार्ट के मरीज बरतें विशेष सावधानी

डॉक्टर कहते हैं, ब्लड थिनर का सबसे ज्यादा उपयोग हार्ट के मरीज करते हैं, क्योंकि इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी जानलेवा समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। इसके अलावा NSAID दवाओं में भी रक्त को पतला करने वाले गुण होते हैं, ऐसे में इन दोनों के संयोजन के कारण आंत, मस्तिष्क, फेफड़े और मूत्राशय में अनियंत्रित रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर रक्तस्राव की समस्या का समय पर निदान न हो पाए या फिर इसका उचित इलाज न मिले तो इसके कारण जान जाने का भी खतरा हो सकता है। इसलिए किसी भी तरह की दवा लेने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर ले लेनी चाहिए।

क्या है डॉक्टर की सलाह?

नोएडा स्थित एक अस्पताल में इंटरनल मेडिसिन के डॉक्टर श्रेय श्रीवास्तव कहते हैं, हल्का सा सिरदर्द या बदन दर्द होने पर हम सभी ओवर द काउंटर दर्द निवारक दवाएं लाकर खा लेते हैं। इनसे आपको फौरी तौर पर आराम तो मिल जाता है, पर दीर्घकालिक रूप में ये काफी हानिकारक है। विशेषतौर पर यदि आप अक्सर या लंबे समय तक ये दवाएं लेते रहते हैं।

कहीं कटाना न पड़ जाए पैर, जानलेवा हो सकती है डायबिटिक फुट की समस्या

ब्लड शुगर का अक्सर बढ़ा रहना सेहत के लिए खतरनाक माना जाता है। समय के साथ इसके कारण न सिर्फ टाइप-2 डायबिटीज होने का जोखिम रहता है साथ ही ये आंखों, किडनी, हार्ट और पाचन तंत्र के लिए भी समस्याकारक है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अपना शुगर कंट्रोल रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, ब्लड शुगर का सामान्य स्तर 70 से 100 मिलीग्राम प्रति डेसीलिटर के बीच होता है। भोजन के बाद अगर आपका शुगर लेवल लगातार 130 मिलीग्राम प्रति डेसीलिटर या इससे अधिक बना रहता है तो आपको अलर्ट हो जाने की आवश्यकता है। डायबिटीज की स्थिति कुछ मामलों में बहुत खतरनाक हो सकती है, कुछ लोगों को इसके कारण पैर कटाने तक की नौबत आ सकती है।

यही वजह है कि नियमित अंतराल पर अपने शुगर लेवल की जांच करते रहें और अगर ये बढ़ा हुआ रहता है तो समय रहते डॉक्टर से मिलकर इसका उपचार प्राप्त करें।

ब्लड शुगर बढ़े रहने के नुकसान

डायबिटीज के कारण आपने आंखों की रोशनी कम होने, किडनी पर असर होने सहित कई अन्य अंगों से संबंधित समस्याओं

के बारे में सुना-देखा होगा। पर क्या आपको पता है कि अगर आपका शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है तो इससे डायबिटिक फुट नाम की समस्या हो सकती है। ये कई मामलों में खतरनाक है, गंभीर स्थितियों में रोगी की जान बचाने के लिए पैरों को काटना तक पड़ सकता है।

डॉक्टर्स कहते हैं, डायबिटीज की गंभीर स्थिति रक्त वाहिकाओं को क्षतिग्रस्त करने लग जाती है, जिसके कारण कुछ लोगों को डायबिटिक फुट बीमारी का खतरा हो सकता है।

क्या है डायबिटिक फुट बीमारी?

अमर उजाला से बातचीत में पुणे स्थित एक अस्पताल में एंडोक्रोनोलॉजिस्ट डॉ आमिर काजी बताते हैं, डायबिटिक न्यूरोपैथी की समस्या जिसमें पैरों की नसों को नुकसान पहुंचने लगता है, इसके कारण अक्सर पैरों में दर्द, झुनझुनी और सुन्नता बनी रहती है। इसपर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो पैर की उंगलियां और अन्य हिस्सों में रक्त का प्रवाह बाधित हो जाता है जिससे कोशिकाएं डेड होने लग जाती है।

पैरों पर काले धब्बे दिखना इसका संकेत है, शुगर बढ़े रहने के कारण ये अल्सर में बदलने लगते हैं। इस स्थिति में प्रभावित हिस्से को काटने तक की भी नौबत आ सकती है। पैरों में इसका असर अधिक देखा जाता रहा है।

डायबिटिक फुट में क्या दिक्कत होती है?

डायबिटिक फुट और अल्सर की समस्या मधुमेह वाले लगभग 20 प्रतिशत रोगियों में देखी जाती है। पैरों में रक्त का संचार कम हो जाने के कारण वहां की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं जिसके कारण सड़न और घाव हो सकती है। पैरों की उंगलियों, तलवे या ऊपरी सतह पर सड़न और घाव होने की स्थिति में सुधार न होने पर प्रभावित हिस्से की सर्जरी करनी होती है जिससे अन्य हिस्से को बचाया जा सके। इस तरह की समस्या को जानलेवा भी माना जाता है।

कुछ लोगों के पैर से डिस्चार्ज होने लग जाता है। यह समस्या तेजी से बढ़ने लगती है और पूरे पैर में भी फैल सकती है। पैरों में काले दाग, फफोले, असामान्य सूजन, जलन, लालिमा, नीले निशान और अजीब गंध जैसे डायबिटिक फुट के संकेतों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों को डायबिटिक न्यूरोपैथी की समस्या है उन्हें पैरों की विशेष देखभाल करनी चाहिए। पैरों को गुनगुने पानी और साबुन से धोएं और अच्छी तरह से सुखाएं, खासकर पंजों के बीच में। पैरों की त्वचा को ठीक से मॉइस्चराइज किया जाना चाहिए। ये दिन में दो से तीन बार जरूर करें। इसके अलावा, नंगे पैर न चलना, सही आकार के जूते पहनना और पैरों को किसी प्रकार की चोट से बचाकर रखना बहुत जरूरी है। समय-समय पर शुगर की जांच जरूर कराते रहें।

टेनिस बॉल मसाज से दूर होगा गर्दन का दर्द धनुरासन और स्ट्रेच से होगा फायदा

गलत बॉडी पोस्चर या बहुत देर तक कंप्यूटर के सामने गर्दन झुका कर बैठने से कई बार कंधे और गर्दन में दर्द हो सकता है। दरअसल, गर्दन की मांसपेशियां और नसें खिंचती हैं।

गर्दन और कंधे के दर्द को ज्यादा दिनों तक नजरअंदाज करने से ऑस्टियोआर्थराइटिस की प्रॉब्लम भी हो सकती है। डॉक्टर श्लेष सिंह बता रहे हैं लाइफस्टाइल से जुड़े छोटे-छोटे बदलावों के बारे में जिससे गर्दन के दर्द में मिलेगा आराम।

टेनिस बॉल मसाज

एक हाथ में टेनिस बॉल लें और इससे अपनी गर्दन की अलग-अलग तरीकों से मसाज करें। दर्द वाली जगह पर 20-30 सेकंड के लिए दबाएं और फिर छोड़ दें। फिर से यही प्रोसीजर स्टार्ट करें। टेनिस बॉल मसाज से टिश्यू और मसल्स रिलैक्स होंगे और दर्द में काफी हद तक आराम मिलेगा।

धनुरासन से गर्दन के दर्द में मिलेगा आराम

धनुरासन करने के लिए सबसे पहले जमीन पर मैट बिछाएं। पेट के बल मैट पर लेट जाएं। घुटनों को अंदर की तरफ करें जिससे कि आपकी हथेलियां आपके कूल्हों तक पहुंचें। दोनों हाथों से अपने पैरों को पकड़ें। सांस भरते हुए हथेलियों को सीधा ऊपर की ओर लाएं और जांघों को जमीन से उठाएं। अपने ऊपरी शरीर को ऊपर खींचें और उसी समय फर्श से उठाएं। दस सेकेंड तक इसी स्थिति में खड़े रहो। सांस छोड़ें और धीरे-धीरे अपने शरीर को फर्श पर लाएं। धनुरासन से कंधे के दर्द में आराम मिलेगा और मांसपेशिया भी मजबूत होंगी।

गलत बॉडी पोस्चर की वजह से कंधे झुक गए हैं तो इस आसन से आपको फायदा मिलेगा

नेक स्ट्रेचिंग से मिलेगा आराम

नेक स्ट्रेचिंग से भी गर्दन के दर्द में आराम मिलता है। गर्दन को आगे की तरफ स्ट्रेच करने के लिए धीरे-धीरे ठुड्डी को छाती से नीचे लाएं और 10 सेकेंड तक ऐसे ही रहें। सिर को वापस पहले की ही तरह करें। इसके बाद सिर को पीछे की ओर झुकाएं और 15 सेकेंड तक इसी स्थिति में रहें। नेक स्ट्रेचिंग की दोनों स्थितियों में 10 बार रिपीट करें।

काम के बीच में लेते रहें ब्रेक

लगातार गर्दन झुकाकर डेस्क वर्क करने से भी गर्दन में दर्द हो सकता है। इससे छुटकारा पाने के लिए सही स्थिति में बैठें, काम के बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। भारी वजन सावधानी से उठाएं।

हाई लेवल सोडियम बना रहा है आपके खून में पानी

शरीर को फिट और स्वस्थ रखने के लिए बहुत सारे पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। सबसे महत्वपूर्ण तत्व सोडियम है। सोडियम शरीर में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। शरीर में कोशिकाओं को ठीक से काम करने की आवश्यकता होती है। शरीर में तरल पदार्थ और इलेक्ट्रोलाइट का स्तर संतुलित होना चाहिए और रक्तचाप को नियंत्रित करना चाहिए। यह सब सोडियम द्वारा संभव बनाया गया है। सोडियम ब्लड प्रेशर को रेगुलेट करने का काम करता है। इसके साथ ही सोडियम मांसपेशियों को ठीक से काम करने में भी मदद करता है।

जब शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शरीर में सोडियम की कमी भी लीवर को खराब कर सकती है या इसे बीमार कर सकती है। साथ ही शरीर में सोडियम की अधिक मात्रा भी हानिकारक होती है। क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, अतिरिक्त सोडियम से डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, बुखार, उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ज्यादा सोडियम के सेवन से पेशाब में

कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि सोडियम को बैलेंस में रखा जाए।

सोडियम के स्तर को कैसे कम करें

रिपोर्ट के मुताबिक रोजाना खाए जाने वाले 10 तरह के खाने में 40 फीसदी तक सोडियम पाया जाता है। ब्रेड, पिज्जा, सैंडविच, कोल्ड कट्स, सूप, बरिटो, स्नैक्स, चिकन, पनीर, अंडे और आमलेट सोडियम के प्रमुख स्रोत हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ हमेशा शरीर में सोडियम को नियंत्रित करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी अपने शरीर में सोडियम के स्तर को नियंत्रित करना चाहते हैं, तो आप अपने आहार में कुछ खाद्य पदार्थों को शामिल कर सकते हैं।

नींबू का रस पिएं

नींबू में विटामिन-सी प्रचुर मात्रा में होता है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करने का काम करता है। इसके साथ ही नींबू का रस शरीर में सोडियम की मात्रा को नियंत्रित करने का काम करता है। अगर शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है तो आप नींबू का रस पी सकते हैं।

सेब का सेवन करें

अगर आप सोडियम को कंट्रोल करना चाहते हैं और स्वस्थ रहना चाहते हैं तो रोजाना एक सेब का सेवन कर सकते हैं। सेब पेक्टिन से भरपूर होते हैं। इसके अलावा इसमें कॉपर, मैग्नीशियम, आयरन, पोटैशियम, सेलेनियम, मैंगनीज, जिंक, फॉस्फोरस, कैल्शियम, सोडियम पाया जाता है। जो कई बीमारियों में फायदेमंद होता है। सेब में सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है। सेब किडनी के लिए फायदेमंद होता है।

अंडे का सेवन करें

अंडा भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें भरपूर प्रोटीन होते है। अंडे को इसी वजह से सुपरफूड भी कहा जाता है। इसमें सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है। इसके लिए अंडे खाए जा सकते हैं। अंडे शरीर में सोडियम को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

सलाद में खीरे को करें शामिल

खीरे में भरपूर मात्रा में पानी होता है। इसमें 96 प्रतिशत पानी है। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। खीरे में सोडियम की मात्रा भी बहुत कम होती है। आधे खीरे में सिर्फ 3 ग्राम सोडियम होता है। इसलिए खीरा सोडियम कंट्रोल में उपयोगी माना जाता है। इसके अलावा दही में सोडियम की मात्रा भी काफी कम होती है। दही में नमक और चीनी मिलाकर खाने से परहेज करें। ज्यादा फायदे के लिए आप इसमें फल मिला सकते हैं।

दाल में चिकन और मटन से ज्यादा प्रोटीन है

बढ़ता वजन लोगों के लिए सबसे बड़ी परेशानी है। वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग अपना आराम और सुख तक छोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए दो स्ट्रॉन्ग टूल्स है एक है डाइट तो दूसरा है वर्कआउट। ये दोनों टूल्स वजन को तेजी से कम करने में असरदार साबित होते हैं। बढ़ते वजन को कम करना चाहते हैं तो रोजाना 40 मिनट तक वर्कआउट करें और डाइट में प्रोटीन को शामिल करें। प्रोटीन डाइट का सेवन करके आसानी से वजन को कंट्रोल किया जा सकता है। प्रोटीन डाइट से मतलब जरूरी नहीं है कि आप चिकन और मटन का ही सेवन करें। आप प्रोटीन डाइट में दालों का सेवन कर सकते हैं। दालें प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत हैं जिनका सेवन करके आसानी से वजन को कम किया जा सकता है।

एम्स के पूर्व कंसल्टेंट और साओल हार्ट सेंटर के फाउंडर एंड डायरेक्टर डॉ बिमल झांजेर के मुताबिक दाल में चिकन,मटन और फिश से ज्यादा प्रोटीन होता

है। सोयाबीन से लेकर सभी दालों में 28 फीसदी से लेकर 17 फीसदी तक प्रोटीन होता है। आपको बता दें कि मटन में 18 ग्राम प्रोटीन होता है जबकि चिकन में 30 ग्राम प्रोटीन होता है और फिश में 17-23 ग्राम तक प्रोटीन मौजूद होता है। नॉनवेज फूड्स से प्राप्त प्रोटीन का सेवन वजन बढ़ा सकता है। प्रोटीन डाइट में दालें ऐसा शाकाहारी फूड हैं जिनका सेवन करने से आसानी से वजन को कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि प्रोटीन से भरपूर दालें कैसे वजन को कंट्रोल करती है।

यदि आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में प्रोटीन से भरपूर दालों को शामिल करें। वजन कम करने के लिए आप अपने वजन के प्रति किलोग्राम के बीच 1.6 और 2.2 ग्राम प्रोटीन के सेवन का लक्ष्य रखें। वजन कम करना चाहते हैं और हैवी वर्कआउट कर रहे हैं तो प्रति किलोग्राम 2.2-3.4 ग्राम प्रोटीन का सेवन करें। प्रोटीन डाइट वजन कम करने के लिए बेहद असरदार उपाय है।

दालें प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत हैं जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती हैं। इनका सेवन करने से भूख लम्बे समय तक नहीं लगती। अगर आप रेगुलर प्रोटीन डाइट का सेवन करें तो आपकी 60% तक भूख कंट्रोल हो सकती है। वजन कम करने के लिए प्रोटीन डाइट बेहद असरदार साबित होती है।

प्रोटीन डाइट में इन फूड्स को करें शामिल

अगर आप बढ़ते वजन को प्रभावी तरीके से कंट्रोल करना चाहते हैं तो डाइट में किनुआ का सेवन करें। किनुआ एक सीड की केटेगरी में आता है जिसमें प्रोटीन के साथ ही फाइबर भी मौजूद होता है जो पाचन को दुरुस्त करता है और वजन को कंट्रोल करता है।

वजन कम करने के लिए अंडा, पनीर और दूध को करें डाइट में शामिल। ये सभी फूड्स प्रोटीन से भरपूर होते हैं और वजन को तेजी से कंट्रोल करते हैं।

वजन को कंट्रोल करने में दालें हैं असरदार। दाल प्रोटीन से भरपूर होती है जो वजन कम करने में बेहद मदद करती हैं। सभी दालें, सोयाबीन, राजमा, छोले, चना इन सभी में फैट बहुत कम और प्रोटीन बहुत ज्यादा होता है। इन दालों को खाने से वजन कम होता है।

सेहत के लिए वरदान है छोटी इलायची, सेवन से होते हैं बड़े-बड़े फायदे

छोटी इलायची को हरी इलायची भी कहा जाता है। भारतीय रसोई में ये एक महत्वपूर्ण मसाला है। इसकी सुगंध और स्वाद न केवल खाने का स्वाद बढ़ाती हैं, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभदायक होती है। छोटी इलायची में कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाते हैं। हरी इलायची में विटामिन ए, सी और बी 6 के साथ ही कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिज पाए जाते हैं।

इलायची में फ्लेवोनोइड्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। इलायची में डायटरी फाइबर के गुण मौजूद हैं जो पाचन तंत्र को मजबूत करने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि हर रोज एक हरी इलायची खाने के क्या फायदे हो सकते हैं।

इलायची के सेवन के फायदे

पाचन में सुधार

इलायची के सेवन से पाचन तंत्र की समस्याएं, जैसे अपच, गैस, और एसिडिटी

कम होती हैं। यह पेट की मांसपेशियों को आराम देता है और पाचन को बेहतर बनाता है।

मुंह की दुर्गंध से छुटकारा

इलायची का चबाने से मुंह की दुर्गंध दूर होती है और यह माउथ फ्रेशनर का काम करता है। इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो मसूड़ों की समस्याओं को भी कम करते हैं।

रक्तचाप को नियंत्रित करना

इलायची में मौजूद पोटैशियम रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होता है। यह दिल की सेहत को भी सुधारता है।

वजन घटाने में मदद

इलायची के नियमित सेवन से मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

श्वसन तंत्र को मजबूत बनाना

इलायची अस्थमा, खांसी और ब्रोंकाइटिस जैसी समस्याओं में राहत देती है। यह श्वसन तंत्र को खोलने और सांस लेने में मदद करती है।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करना

इलायची का सेवन ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में सहायक होता है। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण

इलायची में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं।

विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक

इलायची शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करती है और किडनी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है।

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर राजकुमार हिरानी ने दी बड़ी अपडेट, मुख्य कलाकारों को लेकर भी किया खुलासा

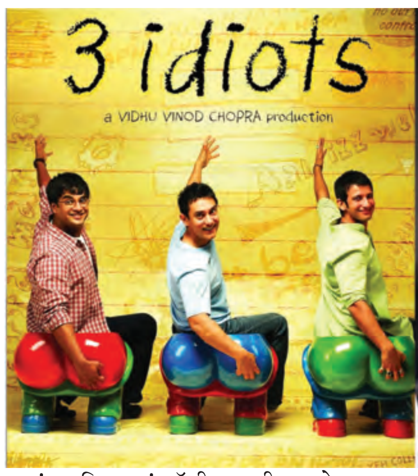

'3 इडियट्स' बॉलीवुड की सबसे ज्यादा मशहूर फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के रिलीज होने के लगभग दो दशक बाद निर्देशक राजकुमार हिरानी ने इसके संभावित सीक्वल के बारे में एक बड़ी जानकारी दी है। हिरानी ने कंफर्म किया कि वह और उनकी राइटिंग टीम एक ऐसी कहानी पर काम कर रहे हैं, जो किरदारों को वापस ला सकती है। '3 इडियट्स' में आमिर खान, आर माधवन और शरमन जोशी ने काम किया था।

'3 इडियट्स' को लेकर क्या बोले राजकुमार हिरानी?

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम चल रहा है लेकिन फिल्ममेकर इसकी डिटेल्स बताने की जल्दी में नहीं हैं। राजकुमार हिरानी ने एएनआई से कहा 'हम इस पर काम कर रहे हैं। जब प्रोजेक्ट सही स्टेज पर होगा, तब टीम इस पर चर्चा करेगी।' उन्होंने यह भी कन्फर्म किया कि कास्ट वही रहेगी, जिससे यह संकेत मिलता है कि आमिर खान, आर. माधवन और शरमन जोशी इसमें वापसी करेंगे।

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर रुक सकता है काम

हिरानी ने साफ किया कि प्रोजेक्ट अभी भी राइटिंग स्टेज में है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह कभी बनेगा भी या नहीं। उन्होंने कहा 'हम तभी आगे बढ़ेंगे जब राइटिंग सही से हो जाएगी। हम इसे तभी बनाएंगे जब सब कुछ ठीक से हो जाएगा, वरना नहीं बनाएंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया है। अगर हम उसके लेवल तक नहीं पहुंच पाए, तो कोई फायदा नहीं है।'

स्वरा भास्कर: विवादों में घिरने के बाद स्वरा भास्कर ने दी सफाई, हिंदी में समझाया 'पद्मावत' वाले बयान का मतलब

कहानी पर नहीं आई कोई जानकारी

हिरानी ने कन्फर्म किया कि 'कास्टिंग वही रहेगी', जिससे ओरिजिनल एक्टर्स की वापसी को लेकर अटकलें तेज हो सकती हैं। हालांकि फिल्ममेकर ने अभी तक पूरी कास्ट की घोषणा नहीं की है और न ही किरदारों की कहानी के बारे में कोई जानकारी दी है।

'थ्री इडियट्स' के बारे में जानकारी

साल 2009 में आई '3 इडियट्स' में आमिर खान, आर माधवन और शरमन जोशी मुख्य भूमिकाओं में थे। इनके साथ करीना कपूर, बोमन ईरानी और ओमी वैद्य भी नजर आए थे।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक '3 इडियट्स' का बजट 55 करोड़ रुपये था।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 274 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे सफल फिल्मों में से एक मानी जाती है।

महिलाओं और पुरुषों के बीच फर्क पर बोलीं अंशुला कपूर

कहा- एक-दूसरे की आलोचना करने के बजाय प्रोत्साहित करना चुनती हैं

फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर इस समय बतौर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर पर काम कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक रील में 'पुरुषों की टिप्पणियां बनाम महिलाओं की टिप्पणियां' के बीच के फर्क साझा किया है। जानें क्या है मामला?

रील में क्या दिखाया गया फर्क?

अंशुला कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक रील पोस्ट की। इसमें अंशुला ने अपने व्यक्तित्व के बारे में पुरुषों और महिलाओं की राय साझा की। रील में पुरुषों की ओर से अंशुला के रूप और शरीर पर निशाना साधते हुए कई नकारात्मक टिप्पणियां दिखाई गई हैं। वहीं दूसरी तरफ महिलाओं की टिप्पणियां अधिकतर उत्साहवर्धक थीं, जिनमें से कई ने उनकी सुंदरता की प्रशंसा की और समर्थन के शब्द कहे।

क्या कहा महिलाओं के लिए

अंशुला कपूर ने महिलाओं के बारे में कहा कि वह एक-दूसरे की आलोचना करने के बजाय प्रोत्साहित करना चुनती हैं, तो वे किस तरह का ऑनलाइन माहौल बना सकती हैं। महिलाएं एक-दूसरे की तारीफ कर रही हैं। महिलाएं एक-दूसरे से कह रही हैं, तुम बहुत खूबसूरत लग रही हो। महिलाएं कह रही हैं, 'मुझे आज यही देखने की जरूरत थी। महिलाएं अजनबियों को भी महत्व दे रही हैं।'

सोशल मीडिया पर क्या बोलीं अंशुला?

इस सबके साथ अंशुला ने स्वीकार किया कि ऑनलाइन अपनी निजी कमजोरियों को जाहिर करना डरावना हो सकता है, खासकर जब आलोचना हमेशा एक टिप्पणी की दूरी पर हो। उन्होंने कहा, 'जब भी मैं अपने बारे में कुछ साझा करती हूं, तो मैं दुनिया को उस पर अपनी राय रखने की अनुमति भी दे रही होती हूं। और यह अभी भी डरावना हो सकता है।'

अंशुला कपूर के बारे में

बात करें अंशुला के वर्कफ्रंट की वह हाल ही में प्राइम वीडियो के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' में दिखाई दी थीं। वहीं व्यक्तिगत जीवन में भी अंशुला स्थापित हो चुकीं है। उन्होंने 6 जुलाई 2026 को रोहन ठक्कर की से शादी की। अर्जुन और अंशुला, बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी मोना शौरी कपूर की संतानें हैं, जबकि जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर, बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटियां हैं। इस तरह यह चारों भाई बहन हैं और आपस में एक खूबसूरत रिश्ता साझा करते हैं।

'अपनी थेरेपी छोड़ो और फिल्म देखो', कंगना रनौत ने 'हनुमान अंश' की तारीफ में बांधे पुल, कही ये बात

फिल्म हनुमान अंश ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी कमाई से हर किसी को हैरान कर दिया है। अब कंगना ने फिल्म का रिव्यू करते हुए इसे सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि 'सत्संग' बताया है। उन्होंने लोगों से इस फिल्म को देखने की अपील भी की।

आज कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'हनुमान अंश' का रिव्यू शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'हनुमान अंश कोई फिल्म नहीं है, ये एक सत्संग है। नीम करोली बाबा से खुद जुड़े लोगों की सच्ची घटनाओं को बेहद खूबसूरती से छोटी-छोटी कहानियों में पिरोया गया है। अपनी थेरेपी छोड़ो और इसे देखने जाओ।'

बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है फिल्म

कंगना रनौत की यह तारीफ ऐसे समय में आई है, जब 'हनुमान अंश' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। विशाल चतुर्वेदी के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 10 लाख रुपये की कमाई की थी, लेकिन धीरे-धीरे इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिलने लगा और कमाई लगातार बढ़ती गई। ट्रेड ट्रैकर सेकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने 26वें दिन भारत में करीब 8.50 करोड़ रुपये नेट की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 54.13 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, फिल्म का इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 63.82 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

'हनुमान अंश' के बारे में

'हनुमान अंश' को विशाल चतुर्वेदी ने लिखा और डायरेक्ट किया है।फिल्म में शोभिना डब्ल्यू. सत्य, विहान एस. हेगड़े, चंदन आनंद, पूर्णिमा तिवारी, अनिल के. रस्तोगी और गुलशन पांडे जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।

फिल्म को रागिनी एस., नम्रता जी. सिंह, अनुप्रिया ए. नगर और विशाल चतुर्वेदी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म को सिनेपोलिस के जरिए पूरे भारत में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है।

बैंगनी और सफेद साड़ी में मोनालिसा ने फैंस को चौंकाया लिखा : जब आपका दिल खुश हो और दिमाग फ्री हो

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने सफेद और बैंगनी रंग की साड़ी में कई शानदार पोज दिए हैं। उनकी तस्वीरों पर उनके फैंस अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

मोनालिसा की पोस्ट में क्या है?

अभिनेत्री मोनालिसा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने सफेद और बैंगनी रंग की साड़ी में कई तस्वीरें शेयर की हैं। साड़ी के साथ उन्होंने मैचिंग ज्वेलरी पहनी है। उन्होंने खुले बालों से अपने लुक को पूरा किया है।

मोनालिसा ने दिए शानदार पोज

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनको देखने से लगता है कि अभिनेत्री ने किसी पार्क में पोज दिए हैं। एक तस्वीर में वह पार्क में लगे झूले को पकड़ कर पोज दे रही हैं। इसमें वह अपना बैक साइड फ्लॉन्ट कर रही हैं। वहीं एक और तस्वीर में वह सामने से अपना स्टाइल दिखा रही हैं।

यूजर्स कर रहे कमेंट

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा 'जब आपका दिल खुश हो और आपका दिमाग फ्री हो।'

अभिनेत्री की तस्वीरों पर कई फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने उन्हें खूबसूरती की रानी कहा है। एक और यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा 'मैम आप बहुत मसूम और खूबसूरत दिखती हो।' एक और यूजर ने उनकी फिटनेस की तारीफ की है।

'द 50' में नजर आईं मोनालिसा

आपको बता दें कि मोनालिसा भोजपुरी स्टार हैं।

वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह यहां

अक्सर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर करती रही हैं। 43 साल की उम्र में वह काफी फिट हैं। हाल ही में वह शो 'द 50' में नजर आ चुकी हैं।

साधना की 85वीं बर्थ एनिवर्सरी पर सायरा बानो ने किया याद

आज सायरा बानो ने सोशल मीडिया पर साधना के साथ अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने साधना को 'भारतीय सिनेमा की बेहतरीन कलाकारों में से एक' बताया।

सायरा बानो ने साधना की इन फिल्मों को किया याद

सायरा बानो ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साधना के साथ-साथ राज कपूर और माला सिन्हा जैसे सितारों के साथ की कुछ पुरानी तस्वीरें भी शेयर कीं। इन तस्वीरों के साथ सायरा ने लिखा, 'उनके जन्मदिन पर साधना की प्यारी याद में। भारतीय सिनेमा की बेहतरीन कलाकारों में से एक और बेहद गर्मजोशी और शालीनता से भरी शख्सियत।'

सायरा बानो ने साधना के शानदार फिल्मी करियर को याद करते हुए उनकी फिल्मों 'वो कौन थी', 'मेरा साया' और 'वक्त' का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि साधना, एस मुखर्जी के फिल्मालय स्टूडियोज की बेहतरीन खोजों में से एक थीं। उन्होंने कहा कि 'वो कौन थी', 'मेरा साया' और 'वक्त' में साधना का शानदार काम आज भी लोगों के दिलों और यादों में हमेशा के लिए बसा हुआ है।

सायरा बानो भी हैं हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री

वहीं सायरा बानो खुद भी हिंदी सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने साल 1961 में फिल्म 'जंगली' से एक्टिंग की शुरुआत की थी।

इसके बाद उन्होंने 'शागिर्द', 'दीवाना', 'सगीना', 'आई मिलन की बेला', 'पड़ोसन', 'हेरा फेरी' और 'गोपी' जैसी फिल्मों में काम किया और अपनी अलग पहचान बनाई। एक्टिंग से संन्यास लेने से पहले उनकी आखिरी फिल्म 'फैसला' थी, जो 1988 में रिलीज हुई थी। सायरा बानो की शादी हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार से हुई थी।

सायरा बानो को हिंदी सिनेमा की खूबसूरत अभिनेत्रियों में भी गिना जाता है।

साल 2022 में उन्हें '75 बेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेसेस' की लिस्ट में भी शामिल किया गया था।

पीएम मोदी से लेकर अमित शाह और रवि किशन तक इन नेताओं ने पवन कल्याण को दी जन्मदिन की बधाई

आज दो सितंबर को साउथ के अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उनके जन्मदिन पर पीएम मोदी समेत कई नेताओं और मंत्रियों ने उन्हें बधाई दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार में कल्याण की भूमिका की सराहना की और उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की।

पीएम मोदी ने पवन कल्याण को बधाई दी

पीएम मोदी ने लिखा, 'श्री पवन कल्याण गारू को जन्मदिन की बधाई। वे लोगों के बीच बहुत सम्मानित हैं और आंध्र प्रदेश में एनडीए के सुशासन एजेंडे को गति देने में सबसे आगे हैं। समाज की सेवा में उन्हें लंबी और स्वस्थ आयु मिले।'

अमित शाह ने दी बधाई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जन सेना पार्टी प्रमुख को बधाई दी और राज्य के लिए एनडीए के विकास एजेंडे में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

चंद्रबाबू नायडू क्या बोले?

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी कल्याण को बधाई दी। नायडू ने एक्स पर लिखा, 'दोस्तों, जन सेना पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री पवन कल्याण गारू को जन्मदिन की हार्दिक बधाई।

राजनाथ सिंह ने की अभिनेता की सराहना

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कल्याण आंध्र प्रदेश के लोगों की सेवा करने और राज्य के विकास में योगदान देने के प्रयास कर रहे हैं।

रवि किशन ने की ये प्रार्थना

अभिनेता और भाजपा सांसद रवि किशन ने भी बधाई देते हुए लिखा, 'आंध्र प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री पवन कल्याण जी आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई! मैं भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी जी से आपके उत्तम स्वास्थ्य और लंबी उम्र की प्रार्थना करता हूं।' आंध्र प्रदेश के मा. उप मुख्यमंत्री लोकप्रिय अभिनेता श्री पवन कल्याण जी , आपको जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

फिल्म और राजनीति में बनाया करियर

अपने फैंस के बीच 'पावर स्टार' के नाम से मशहूर पवन कल्याण ने तेलुगु सिनेमा और राजनीति, दोनों ही क्षेत्रों में एक शानदार करियर बनाया है। उन्होंने 1996 में 'अक्कडा अम्मायी इक्कडा अब्बायि' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और 'थोली प्रेमा', 'बद्री', 'खुशी', 'जलसा', 'गब्बर सिंह' और 'अत्तरिन्तिकी दारेदी' जैसी फिल्मों में काम किया।

वह 'वकील साब' (2021) और 'भीमला नायक' (2022) जैसी फिल्मों में नजर आए। हाल ही में उनकी जो फिल्में रिलीज हुई हैं, उनमें 'दे कॉल हिम ओजी', 'हरि हरा वीरा मल्लू' और 'उस्ताद भगत सिंह' शामिल हैं। कल्याण ने मार्च 2014 में जन सेना पार्टी की स्थापना की और बाद में पूरी तरह से राजनीति में आ गए। वे अभी आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री हैं और पंचायती राज, ग्रामीण विकास और ग्रामीण जलापूर्ति विभागों से जुड़े हैं।

साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म में जल्द नजर आयेंगी तृषा, लंदन में शुरू हुई फिल्म की शूटिंग

तृषा कृष्णन, राधिका सरतकुमार और अपर्णा बालमुरली लंदन में एक नई साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म की शूटिंग में जुट गई हैं। जानिए फिल्म की कहानी और रिलीज डेट को लेकर पूरी जानकारी। फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसकी कहानी पूरी तरह महिलाओं के इर्द-गिर्द होगी। इसमें तृषा, राधिका और अपर्णा अलग-अलग पीढ़ियों की तीन शानदार एक्ट्रेसेस के तौर पर नजर आएंगी।

फिल्म की शूटिंग लंदन में हो रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म में सिर्फ डर और हॉरर दिखाने के बजाय साइकोलॉजिकल टेंशन, रहस्य और माहौल पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।यानी दर्शकों को फिल्म में पारंपरिक हॉरर के साथ-साथ रहस्य और मानसिक तनाव का भी अनुभव देखने को मिलेगा।

इस प्रोजेक्ट के जरिए डायरेक्टर राजा कृष्ण मेनन तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं।

राजा कृष्ण मेनन इससे पहले 'एयरलिफ्ट', 'शेफ' और 'पिप्पा' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इस फिल्म के साथ वह एक बिल्कुल नए जॉनर में कदम रख रहे हैं।

यह उनकी पहली तमिल फिल्म होने के साथ-साथ पहली साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म भी है।इसके अलावा, यह पहली बार है जब वह पूरी तरह महिलाओं की कहानी पर फिल्म बना रहे हैं।

फिलहाल फिल्म का टाइटल, रिलीज डेट और कहानी से जुड़ी बाकी जानकारी सामने नहीं आई है।

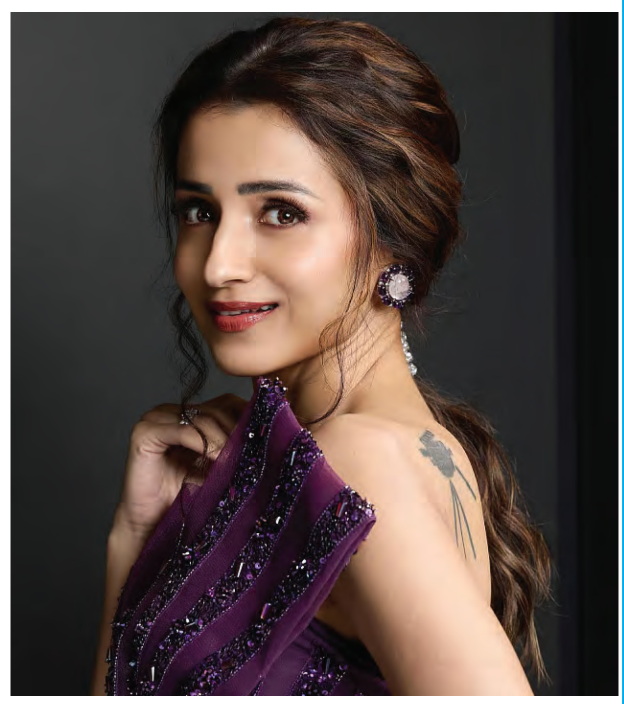

चिरंजीवी से लेकर अल्लू अर्जुन तक ने दी 'पॉवर स्टार' को बर्थडे की बधाई

पवन कल्याण सिर्फ अपनी शानदार एक्टिंग और जबरदस्त फैन फॉलोइंग के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी फिल्मों को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार पवन कल्याण आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर कई सितारों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है।

अल्लू अर्जुन ने 'पॉवर स्टार' को दी बधाई

फिल्म इंडस्ट्री की तरफ से पवन कल्याण के भतीजे अल्लू अर्जुन ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। पुष्पा स्टार ने ओजी के एक्टर को एक छोटा सा बर्थडे मैसेज शेयर किया और उन्हें 'पॉवर स्टार' कहकर संबोधित किया।

अल्लू अर्जुन ने पवन कल्याण को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं दीं और उनके लिए अपना प्यार जाहिर किया।

चिरंजीवी ने छोटे भाई के लिए लिखा खास संदेश

वहीं, पवन कल्याण के बड़े भाई और एक्टर चिरंजीवी ने उनके जन्मदिन पर एक दिल छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया। उन्होंने सिनेमा से राजनीति तक पवन कल्याण के सफर को याद किया और उनकी खूब तारीफ की।

चिरंजीवी ने कहा कि पवन कल्याण ने हमेशा हर जिम्मेदारी को पूरे जुनून और दृढ़ता के साथ निभाया है। उन्होंने डिप्टी सीएम के तौर पर पवन कल्याण के काम की भी तारीफ की। उन्होंने गांवों के विकास, आदिवासी कल्याण, पर्यावरण की सुरक्षा और लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं देने जैसे क्षेत्रों में पवन के काम को सराहा।

बुची बाबू सना ने भी दी शुभकामनाएं

'पेद्दी' के डायरेक्टर बुची बाबू सना ने भी पवन कल्याण को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने पवन के सफर, उनकी हिम्मत और लाखों लोगों को प्रेरित करने की उनकी क्षमता की तारीफ की। बुची बाबू सना ने पवन कल्याण के अच्छे स्वास्थ्य, ताकत और आगे भी सफलता की कामना की।

'ओजी' के डायरेक्टर सुजीत ने भी किया विश

वहीं, पवन कल्याण की अपकमिंग फिल्म ओजी के डायरेक्टर सुजीत ने भी एक खास अंदाज में उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पवन कल्याण के लिए अपना पर्सनल बर्थडे ट्रिब्यूट शेयर किया।

पटना में डेंगू से मौत तो रांची में स्वाइन फ्लू का खौफ

अब तक 3 पॉजिटिव मिले, हाथ मिलाने तक से मना किया गया

पटना, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में डेंगू ने एक मरीज की जान ले ली है। कुर्जी इलाके के रहने वाले इंद्रदेव प्रसाद(उम्र 30 साल) की डेंगू से मौत हो गई। इंद्रदेव कुर्जी के एक प्राइवेट स्कूल में स्टाफ थे। वो झारखंड के सिमडेगा के रहनेवाले थे और पटना में नौकरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। उन्हें कुछ ही दिन पहले तेज बुखार आया था।

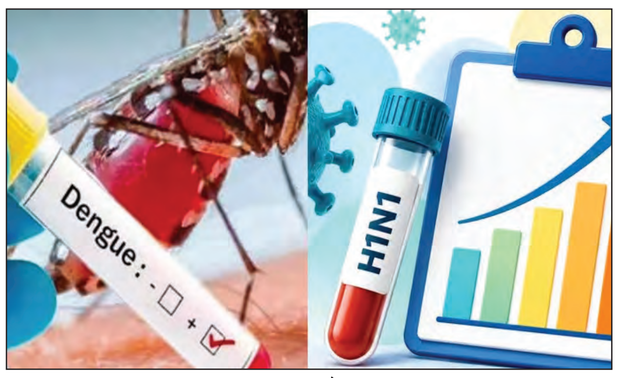

पटना में डेंगू से एक की मौत

बताया जा रहा है कि इंद्रदेव प्रसाद 5 दिन से बीमार चल रहे थे। हालत खराब देख घरवाले उन्हीं कुर्जी होली फैमिली हॉस्पिटल ले गए और वहां भर्ती कराया। लेकिन उनके प्लेटलेट्स लगातार गिरते जा रहे थे। खून और प्लेटलेट्स चढ़ा कर उनके स्वास्थ्य को ठीक करने की पूरी कोशिश की गई।

प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए भी हर उपाय किए गए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। अंत में मंगलवार को इंद्रदेव प्रसाद ने दम तोड़ दिया।

वहीं इस मामले पर एक अखबार के अनुसार सिविल सर्जन योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि उनको इस मौत की खबर नहीं है।

बिहार में डेंगू से इस साल ये पहली मौत है। अकेले पटना में अब तक डेंगू के 170 से ज्यादा केस मिलने की बात कही जा रही है। वहीं पिछले 24 घंटे में 3 नए पॉजिटिव केस सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक जागरुकता अभियान के चलते अनुपातिक रूप में डेंगू का प्रकोप कम हो रहा है। आपको बता दें कि बिहार और खासतौर पर राजधानी पटना में सितंबर और अक्टूबर में डेंगू के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं।

उधर झारखंड की राजधानी रांची में स्वाइन फ्लू का खौफ पसर गया है। मंगलवार को रांची में स्वाइन फ्लू से संक्रमित 3 और मरीज मिले हैं।

अब तक झारखंड में 4 सैंपलों की जांच की गई। इसमें 3 सैंपल पॉजिटिव मिले। इन स्वाइन फ्लू पॉजिटिव केस में 2 बच्चे भी हैं, जिन्हें अस्पताल में एडमिट कराया गया है और उन्हें वेंटिलेटर पर रख इलाज किया जा रहा है। वहीं एक मरीज को रिम्स के सुपर स्पेशियलिटी आईसीयू में एडमिट कराया गया है।

रिम्स के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में अब तक 34 सैंपलों की जांच की गई है।

इनमें से 11 की रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू पॉजिटिव आया है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि एक दूसरे से हाथ मिलाने से बचें। भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें और मास्क का इस्तेमाल करें।

8 लाख कैश, आधा किलो सोना, 3 मकान, 40 संपत्तियां

जिला शिक्षा अधिकारी के पास इनकम से 88 गुना अधिक प्रॉपर्टी

दंतेवाड़ा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष गंजीर को कोर्ट ने चार साल की सजा सुनाई है। सुभाष गंजीर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस चल रहा था। कोर्ट ने उन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दोषी ठहराया है। जिसके बाद कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए चार साल की सश्रम सजा सुनाई है।

मामले की शिकायत के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने सुभाष गंजीर से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की थी। जांच के दौरान 8.71 लाख कैश, करीब 500 ग्राम सोने के आभूषण और संपत्तियों से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए गए थे।

जिला शिक्षा अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत दर्ज कराई गई थी।

अब 19 सितंबर को इंदौर आएंगे राहुल गांधी

छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए जगह न मिलने और बारिश के चलते बदली तारीख

भोपाल, 2 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का इंदौर दौरा अब 12 सितंबर की जगह 19 सितंबर को होगा। राहुल गांधी के प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए कांग्रेस ने पहले नेहरू स्टेडियम को चुना था और जिला प्रशासन से इसकी अनुमति मांगी थी। हालांकि, प्रशासन ने कोर्ट का हवाला देते हुए नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद कांग्रेस ने कार्यक्रम का स्थल बदलने का फैसला किया है।

अब राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम 19 सितंबर को इंदौर के रीजनल पार्क में आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस की ओर से कार्यक्रम की नई तारीख और नए स्थल को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों और युवाओं के शामिल होने की संभावना है।

कांग्रेस ने राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए नेहरू स्टेडियम की अनुमति मांगी थी। पार्टी की

ओर से कार्यक्रम को लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गई थीं, लेकिन जिला प्रशासन ने नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी। प्रशासन की ओर से इसके लिए कोर्ट से जुड़े मामले का हवाला दिया गया। अनुमति नहीं मिलने के बाद कांग्रेस के सामने कार्यक्रम का स्थान बदलने का विकल्प बचा।

नेहरू स्टेडियम की जगह अब रीजनल पार्क को कार्यक्रम स्थल बनाया गया है। कांग्रेस का फोकस छात्रों और युवाओं को कार्यक्रम से जोड़ने पर है। 'छात्रों की गूंज' के जरिए राहुल गांधी छात्रों से सीधे संवाद करेंगे और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे।

राहुल गांधी के इंदौर कार्यक्रम को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच बयानबाजी भी शुरू हो गई थी। कार्यक्रम स्थल को लेकर प्रशासन की अनुमति नहीं मिलने के बाद राजनीतिक हलकों में भी इसे लेकर चर्चा तेज हुई। कांग्रेस ने अब विवाद को आगे बढ़ाने के बजाय कार्यक्रम का स्थल बदलकर रीजनल पार्क करने का निर्णय लिया है।

कार्यक्रम की तारीख आगे बढ़ाने के पीछे लगातार हो रही बारिश भी एक वजह बताई जा रही है। इंदौर में बारिश के कारण खुले स्थान पर होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों में दिक्कतें आ रही थीं। ऐसे में कांग्रेस ने तैयारियों के लिए अतिरिक्त समय लेते हुए कार्यक्रम को 12 सितंबर से बढ़ाकर 19 सितंबर करने का फैसला किया है।

भाजपा के पार्षद को कुत्ते ने काटा

पैर पर 3 जगह किया हमला, निगम में शिकायत के बाद भी नहीं पहुंची टीम

मेरठ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। मेरठ नगर निगम के वार्ड-39 से भाजपा पार्षद राजीव गुप्ता उर्फ काले पर बुधवार को आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। पार्षद ब्रह्मपुरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का जायजा ले रहे थे। इसी दौरान कुत्ते ने उनके दाएं पैर पर हमला बोल दिया और तीन जगह नोच दिया। हमले में पार्षद लहूलुहान हो गए। पार्षद के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कुत्ते को भगाया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी कर आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर नाराजगी जताई।

राजीव गुप्ता ने बताया कि घटना के करीब 30 मिनट बाद नगर आयुक्त सौरभ गंगवार ने फोन कर उनका हाल जाना। नगर आयुक्त ने आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए टीम भेजने की बात कही थी। हालांकि, काफी देर तक निगम की टीम मौके पर नहीं पहुंची। इससे पार्षद और स्थानीय लोगों में नाराजगी है। पार्षद का कहना है कि जब जनप्रतिनिधि पर हमला होने के बाद भी निगम की टीम समय पर नहीं पहुंच रही है तो आम लोगों की सुरक्षा को लेकर स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

राजीव गुप्ता ने बताया कि ब्रह्मपुरी क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आए दिन लोगों पर हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन नगर निगम की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने आवारा कुत्तों को पकड़ने के साथ उनकी नसबंदी और एंटी रैबीज टीकाकरण की व्यवस्था प्रभावी करने की मांग की है।

तेजप्रताप और उनके दोस्त जबरन मेरे कमरे में घुसे

मोनिका मनी बोलीं- होटल में गलत बर्ताव किया, धमकी देने पर दोनों भागे

पटना, 2 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के होटल में चप्पल कांड को लेकर तेज प्रताप यादव और बिहार सरकार के मंत्री संजय सिंह के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बाद अब एक महिला ने तेजप्रताप पर आरोप लगाए हैं। महिला की पहचान मोनिका मनी के रूप में हुई है। मोनिका मनी पहले तेजप्रताप की पार्टी की सदस्य थीं। वो मिसेज इंडिया 2017 की रनर अप भी रह चुकीं हैं।

मोनिका ने एक न्यूज चैनल को दिए वीडियो इंटरव्यू में दावा किया है कि दिल्ली के एक होटल में तेज प्रताप यादव और उनका एक दोस्त जबरदस्ती कमरे में घुस आए थे। मोनिका के मुताबिक, उन्होंने दोनों से कमरे से बाहर जाने को कहा था और ऐसा नहीं करने पर होटल मैनेजर को बुलाकर शिकायत करने की बात कही थी। इसके बाद दोनों लोग वहां से तेजी से निकले थे।

मोनिका ने बताया कि वह पहले से दिल्ली में थीं। उनके अनुसार, तेज प्रताप यादव ने उन्हें फोन करके एक पार्टी में बुलाया था। उसी दौरान तेजस्वी यादव के बेटे

के जन्मदिन से जुड़ा कार्यक्रम भी था। मोनिका का दावा है कि उस समय तेज प्रताप यादव 'भोजपुरिया बवाल' नामक टीवी कार्यक्रम से जुड़े हुए थे।

मोनिका ने दावा किया है कि इसी दौरान उनकी मुलाकात तेज प्रताप यादव के एक दोस्त से हुई, जो उनके साथ उस कार्यक्रम में काम करते थे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक्टिंग में काम दिलाने का भरोसा दिया गया था।

उनसे कहा गया था कि आप मेरे साथ काम करेंगी तो मुंबई में भी काम करने का मौका मिलेगा। मैंने मना कर दिया। मेरे इंकार करने पर दोनों गुस्सा गए। उसके बाद तेजप्रताप के साथ उनका दोस्त होटल के कमरे में घुसने लगे। अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। मैंने जब उनसे कहा कि आप लोग कमरे से नहीं जाएंगे तो मैं होटल मैनेजमेंट को बुलाऊंगी इसके बाद दोनों भागे।

उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है और आंत्रप्रेन्योर रह चुकी हैं। मिसेज इंडिया रनर अप बनने के बाद वह सामाजिक कार्यों से जुड़ गईं। मोनिका अपने पति एवं बच्चों के साथ पटना में रहती हैं।

जनवरी महीने में मकर संक्रांति के अवसर पर तेज प्रताप यादव ने अपने पटना स्थित आवास में दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया था। इसमें बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, मंत्री अशोक चौधरी समेत कई प्रमुख नेता शामिल हुए थे। तेज प्रताप का यह भोज सियासी गलियारों में काफी चर्चा का विषय रहा था।

इस भोज में मोनिका मनी भी पहुंचीं थीं। तेज प्रताप के साथ मंच पर बैठे हुए उनकी तस्वीर भी चर्चा का विषय बनी थी। उस समय मीडिया से बातचीत में मोनिका ने कहा था कि उन्हें तेज प्रताप यादव ने जेजेडी से जुड़ने का ऑफर दिया है, वह इस पर विचार करेंगी।

उन्होंने यह भी कहा था कि वह राजनीतिक रूप से सक्रिय नहीं हैं, लेकिन उनका जुड़ाव नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड से रहा है। मार्च महीने में मोनिका मनी ने तेजप्रताप की पार्टी जॉइन की थी। हालांकि की मोनिका ने दावा किया है कि वो अब तेजप्रताप यादव की पार्टी में नहीं हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष को कार्यकर्ताओं ने पीटा

स्वागत करने के बहाने बाहर बुलाकर थप्पड़-मुक्के मारे, बोले- टिकट क्यों नहीं दिया

बीकानेर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बीकानेर शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अफसर मदन गोपाल मेघवाल को पार्टी कार्यकर्ताओं ने चांटे और मुक्के मारे। मेघवाल बुधवार को वार्ड 50 से कांग्रेस प्रत्याशी नवरतन डागा के कार्यालय का उद्‌घाटन करने पहुंचे थे।

कार्यकर्ता मोहित अरोड़ा और उनके तीन साथियों ने मेघवाल को माला पहनाने व स्वागत करने के बहाने बाहर बुलाया। इसके बाद पूछा- 'मुझे टिकट क्यों नहीं दिया।' फिर चारों ने मिलकर हमला कर दिया।

मेघवाल का आरोप है कि हमलावर कांग्रेस कार्यकर्ता थे। इस घटना से पार्टी ने साबित कर दिया कि हम गुंडों को टिकट नहीं देते।

मदन गोपाल मेघवाल ने बताया- मैं वार्ड 50 के कार्यालय के उद्‌घाटन के लिए गया था। मोहित अरोड़ा पिछले 2 दिन से मेरे आगे-पीछे घूम रहा था। वह वार्ड नंबर 50 से टिकट मांग रहा था। मंगलवार को जब वह पार्टी कार्यालय में आया था तो मैंने दुपट्टा पहनाकर उसका स्वागत भी किया था।

इसके बाद बुधवार को मोहित कुछ दोस्तों के साथ वार्ड कार्यालय के उद्‌घाटन में पहुंचा। वह पीछे खड़ा होकर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में नारे भी लगा रहा था। मेघवाल ने आरोप लगाया- उद्‌घाटन कार्यक्रम के दौरान मुझे बाहर बुलाया गया। पहले मेरा मुंह मीठा कराया।

इसके बाद मोहित ने पूछा कि मुझे टिकट क्यों नहीं मिला? मैंने जवाब दिया कि पार्टी से सभी लोग टिकट मांगते हैं, लेकिन टिकट किसी एक को ही मिलता है। इतना कहते ही मारपीट शुरू कर दी गई।

एक पैर से स्कूल जाने वाली बच्ची को मिली साइकिल

बलिया में कहा था- डीएम अंकल, मैं पढ़-लिखकर डॉक्टर बनना चाहती हूं

बलिया, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बलिया में एक पैर के सहारे स्कूल जाने वाली 7 साल की रागिनी की अपील डीएम ने सुनी। बुधवार को डीएम मंगला प्रसाद सिंह खुद बच्ची के घर पहुंचे और उसे 2 ट्राईसाइकिल दीं। रागिनी जब 6 महीने की थी, तभी एक्सीडेंट में उसका एक पैर खराब हो गया था। एक पैर से कूदते-कूदते स्कूल जाती रागिनी बीच में थककर कई जगह बैठ जाती है।

रागिनी ने कहा- डीएम अंकल ने मुझे किताबें, साइकिल और मिठाई दी है। अब मुझे और कुछ नहीं चाहिए। वहीं, डीएम ने कहा कि कल बच्ची ने बहुत भावुक अपील की थी। लड़की बहुत टैलेंटेड है और डॉक्टर बनना चाहती है। आगे भी उसकी मदद की जाएगी। मामला मनियर ब्लॉक का है। रानीपुर गांव में देवेंद्र

राजभर का परिवार रहता है। वह हैदराबाद में मजदूरी करते हैं। गांव में उनके पिता नारद, मां, पत्नी बबीता देवी और इकलौती बेटी रागिनी (7) रहती हैं। 6 महीने की उम्र में रागिनी ने एक पैर गंवा दिया था। रागिनी दिघेड़ा गांव के प्राइमरी प्राथमिक स्कूल में कक्षा- 1 में पढ़ती है।

रागिनी के स्कूल और घर की दूरी सिर्फ 400 मीटर ही है। लेकिन, रागिनी के लिए यह सफर बहुत लंबा है। कभी परिवार का कोई सदस्य स्कूल छोड़ देता है, तो कभी रागिनी खुद एक पैर से कूदते हुए निकल पड़ती है। 400 मीटर की दूरी तय करने में वह कई बार थककर जमीन पर बैठ जाती है और दर्द से रोने लगती है।

गागिनी ने सोमवार (31 अगस्त) को डीएम से भावुक अपील की थी। कहा था- डीएम अंकल मेरा एक पैर खराब है, मुझे एक साइकिल दिलवा दीजिए। मैं बहुत पढ़ाई करूंगी। इसी अपील को सुनकर बुधवार को मंगला प्रसाद सिंह गांव पहुंचे। उन्होंने रागिनी को एक की जगह 2 ट्राई साइकिल दीं।

इसके अलावा खेलने की किट, कॉपी-किताबें और मिठाई भी दी। साथ ही रागिनी के घर तक सड़क की मरम्मत, आवास, शौचालय बनवाने और रागिनी के इलाज का भी भरोसा दिया।

कैदी ने जेलप्रहरी को गोली मारी, फेफड़े में फंसी बुलेट

रायसेन, 2 सितंबर (एजेंसियां)। रायसेन जिला जेल में बुधवार (2 सितंबर) सुबह करीब 9 बजे हत्या के मामले में विचाराधीन कैदी ने जेल प्रहरी को गोली मार दी। गोली कमर के नीचे लगी और शरीर के अंदर घुस गई। जेल कर्मचारियों ने घायल प्रहरी दिग्विजय सिंह तोमर को जिला अस्पताल पहुंचाया।

डॉ. अभिषेक सागर ने बताया कि मरीज को पीठ के ऊपरी हिस्से में गोली लगी है। एक्स-रे में गोली फेफड़े के निचले हिस्से में दिखाई दे रही है। फेफड़े में पानी भरने के कारण दिग्विजय की हालत गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों ने उन्हें भोपाल एम्स रेफर कर दिया है।

एसडीओपी प्रतिभा शर्मा ने बताया कि आरोपी नीलेश ठाकुर के खिलाफ पहले भी 307 और 302 के मामले दर्ज रहे हैं। उसका आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है। नीलेश ने जेल के अंदर ही कट्टे से फायर किया। आगे जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी नीलेश ठाकुर बरेली के पास दिमाड़ा गांव का रहने वाला है। वह हत्या के प्रयास के मामले में विचाराधीन कैदी के तौर पर जेल में बंद है। उसके खिलाफ हत्या का केस दर्ज है।

बुधवार को जेल में स्कूली बच्चों के साथ रक्षाबंधन कार्यक्रम होना था। इसी कार्यक्रम के लिए फलों की टोकरी लेकर कैदी नीलेश गेट पर आया था, तभी जेल का गेट खुलवाकर भागने की कोशिश की। इसी दौरान प्रहरी दिग्विजय को गोली मार दी। वारदात के बाद लापरवाही बरतने पर जिला जेल रायसेन के कार्यवाहक अधीक्षक आरके चौरे के सस्पेंड कर दिया गया है।

डेढ़ करोड़ के संदिग्ध लेनदेन वाला म्यूल बैंक खाता पकड़ा

तेलंगाना सहित 15 राज्यों में दर्ज साइबर फ्रॉड से जुड़ीं कड़ियां, क्राइम ब्रांच कर रही जांच

इंदौर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत इंदौर क्राइम ब्रांच ने एक संदिग्ध म्यूल बैंक खाते की जांच कर उसके खाताधारक को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि खाते से करीब डेढ़ करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ है। पुलिस को आशंका है कि इसमें फ्रॉड की रकम का इस्तेमाल किया गया है। बैंक रिकॉर्ड की जांच के बाद खाते का संबंध इंदौर निवासी अभिषेक तिवारी, निवासी गणेश नगर रोड, हिमालय कॉलोनी से सामने आया। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि अलग-अलग राज्यों की पुलिस और एजेंसियों से एक बैंक खाते को लेकर जानकारी मिली थी। इसमें करीब डेढ़ करोड़ रुपए के लेनदेन की बात सामने आई थी। रकम के साइबर फ्रॉड से जुड़े होने की आशंका के बाद क्राइम ब्रांच ने

बैंक रिकॉर्ड और लेनदेन की जानकारी जुटाई।

अधिकारियों के मुताबिक, जांच में खाते से देश के अलग-अलग हिस्सों में दर्ज साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतों की कड़ियां मिली हैं। इनमें— दिल्ली, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, तेलंगाना, खाते में आए पैसे और ट्रांजेक्शन की जांच जारी

क्राइम ब्रांच अब खाते में रकम कहां से आई, किन खातों में ट्रांसफर हुई और इसका इस्तेमाल किन साइबर अपराधों में किया गया, इसकी जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि अभिषेक तिवारी ने खाता स्वयं इस्तेमाल किया या किसी अन्य व्यक्ति को उपलब्ध कराया था।

साइबर अपराधों में म्यूल बैंक अकाउंट का इस्तेमाल ठगी की रकम को एक खाते से दूसरे खाते में भेजने के लिए किया जाता है। कई मामलों में खाताधारक कमीशन के बदले अपना बैंक खाता दूसरे लोगों को उपलब्ध करा देते हैं।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस मामले में खाते का इस्तेमाल किस तरह किया गया और इसके पीछे कौन लोग हैं।

पत्नी की जिद पर मां-बाप से अलग नहीं हुआ पति

तलाक केस में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भंग की शादी, कहा- 'मां की सेवा क्रूरता नहीं'

रायपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पति-पत्नी के रिश्तों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर अदालत की तरफ से एक बहुत ही स्पष्ट और बड़ा संदेश सामने आया है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने एक ताजा फैसले में यह साफ कर दिया है कि यदि कोई पति अपनी बहुत बुजुर्ग और बीमार मां को अकेले छोड़कर अलग घर में रहने से मना करता है, तो उसके इस कदम को किसी भी हाल में पत्नी के प्रति क्रूरता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि शादी होने से इंसान के पारिवारिक रिश्ते और कर्तव्य अपने माता-पिता के लिए समाप्त नहीं हो जाते हैं। जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी की बेंच ने एक शख्स द्वारा दायर की गई अपील पर सुनवाई करते हुए यह अहम फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के उस आदेश को पूरी तरह खारिज कर दिया जिसमें पति की तलाक की याचिका को ठुकरा दिया गया था। अदालत ने मामले की गंभीरता को समझते हुए पति की अपील मंजूर कर ली और दोनों के बीच के वैवाहिक रिश्ते को कानूनी रूप से भंग करने का आदेश दे दिया। अदालत ने अपनी टिप्पणी में माना कि अमूमन एक नए घर की मांग को हमेशा क्रूरता नहीं कहा जा सकता, क्योंकि कई बार जीवनसाथी के पास स्वतंत्र आवास चाहने के जायज कारण हो सकते हैं। यह भी देखना जरूरी होता है कि क्या ऐसी जिद किसी अपने को उसके मां-बाप से अलग करने या रिश्ते तोड़ने के लिए एक अनुचित दबाव तो नहीं है।

दिल में छेद था, 13 साल इलाज की तारीखें मिलती रहीं

15 साल की बच्ची की आखिर मौत हुई, परिवार दिल्ली एम्स के चक्कर काटता रहा

कोटा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एम्स में इलाज के लिए 13 साल से चक्कर काट रही 15 साल की छात्रा तन्वी की मौत हो गई। तन्वी 2 साल की उम्र से 'वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट' (वीएसडी) यानी दिल में छेद की बीमारी से जूझ रही थी। 24 अगस्त को इलाज के दौरान तन्वी ने दिल्ली एम्स में दम तोड़ दिया।

परिवार का आरोप है कि बीते 13 सालों में 100 से भी ज्यादा बार तन्वी को लेकर एम्स पहुंचे। लेकिन हर बार सर्जरी की तारीख आगे बढ़ा दी गई। फिलहाल तन्वी के माता पिता दिल्ली ही हैं। तन्वी के पिता मुकेश एक रेडीमेड कपड़ों की दुकान पर काम करते हैं। गुमानपुरा निवासी तन्वी 9वीं कक्षा की छात्रा थी।

तन्वी के ताऊ सुनील ने बताया- 2 साल की उम्र में दिल की बीमारी का पता चला था। उसी समय से दिल्ली एम्स में इलाज चल रहा था। डॉक्टरों ने हर 2-3 महीने में जांच के लिए बुलाया। परिवार हर बार इस उम्मीद में कोटा से दिल्ली जाता कि इस बार बेटी का ऑपरेशन हो जाएगा, लेकिन सर्जरी की तारीख ही मिलती रही।

उन्होंने बताया- 100 से ज्यादा बार तन्वी को ऑपरेशन के लिए एम्स लेकर गए, लेकिन ऑपरेट नहीं किया जा सका। हर बार बाद की डेट मिलती रही। इस बार तन्वी को 24 अगस्त को फिर एम्स लाया गया था, जहां जांच प्रक्रिया के दौरान उसकी तबीयत अचानक ज्यादा बिगड़ गई और मौत हो गई।

तन्वी के ताऊ सुनील ने बताया- सर्जरी में लगातार देरी होने पर परिवार ने प्रधानमंत्री कार्यालय शिकायत भेजी थी। शिकायत दर्ज कराने के बाद एम्स प्रशासन की ओर से केस वापस लेने का दबाव बनाने की कोशिश की गई। लेकिन मासूम को समय पर सर्जरी नहीं मिल सकी।

पिता मुकेश का कहना है कि अगर एम्स के डॉक्टर समय रहते मेरी बेटी का ऑपरेशन कर देते तो आज तन्वी हमारे बीच जिंदा होती।

इस लापरवाही और व्यवस्था की नाकामी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ हम कानूनी रास्ता अपनाएंगे और पुलिस में मुकदमा दर्ज कराएंगे।

26 साल बाद पिता ने फिर पहनी सीआरपीएफ की वर्दी

नौकरी वापस मिली तो बेटा बन गया संत, 1999 में हुए थे बर्खास्त

मुरैना, 2 सितंबर (एजेंसियां)। 26 साल पहले सीआरपीएफ जवान गिरवर सिंह तोमर की वर्दी उतरी थी। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद उन्हें दोबारा नौकरी पर बहाल किया गया है। 1999 में बर्खास्त होने के बाद उन्होंने मंदिर में रहकर पूजा-पाठ और साधना शुरू कर दी। करीब दो दशक तक संत के रूप में जीवन बिताया, लेकिन नौकरी वापस पाने की कानूनी लड़ाई जारी रखी। लंबी लड़ाई के बाद अब वे फिर सीआरपीएफ की वर्दी में लौट आए हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ के बीजापुर में तैनाती मिली है, जहां उन्होंने ड्यूटी ज्वाइन कर ली।

1999 में नौकरी से बर्खास्त हुए

गिरवर सिंह तोमर मुरैना के छिछावली गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने 1991 में सीआरपीएफ में हवलदार के पद पर सेवा शुरू की थी। करीब आठ साल की सेवा के बाद एक वरिष्ठ अधिकारी से उनका विवाद हुआ। इसके बाद उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू हुई। 1999 में उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

बर्खास्तगी के बाद गिरवर सिंह मुरैना लौट आए। उन्होंने मंदिर में रहकर पूजा-पाठ और साधना शुरू कर दी। बाद में वे गुफा मंदिर पहुंचे। यहां वे 'गिरवर दास महाराज' के नाम से संत के रूप में पहचाने जाने लगे। मंदिर में रहने के बावजूद उन्होंने नौकरी वापस पाने की कोशिश नहीं छोड़ी।

सेवा से बर्खास्त होने के बाद गिरवर सिंह ने 1999 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। करीब आठ साल चली कानूनी प्रक्रिया के बाद 2007 में फैसला उनके पक्ष में आया। इसके बाद सीआरपीएफ की ओर से फैसले पर स्टे ले लिया गया और मामला आगे चलता रहा। गिरवर सिंह ने हाईकोर्ट की डबल बेंच में अपील की। इसके बाद भी कई साल तक सुनवाई चलती रही।

करीब ढाई दशक की कानूनी लड़ाई के बाद अगस्त 2025 में हाईकोर्ट ने गिरवर सिंह के पक्ष में फैसला सुनाया। कोर्ट ने उनकी नौकरी बहाल करने का आदेश दिया। हालांकि इसके बाद भी उन्हें तुरंत ड्यूटी पर नहीं लिया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कानूनी नोटिस भेजे और ज्वाइनिंग की मांग जारी रखी।

सेंसेक्स 374 अंक गिरकर 76,570 पर बंद

निफ्टी भी 141 अंक नीचे आया, ईरान पर अमेरिकी हमले का असर

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 2 सितंबर को गिरावट रही। सेंसेक्स 374 अंक की गिरावट के साथ 76,570 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 141 अंक नीचे आया, ये 23,914 पर बंद हुआ।

ऑटो, आईटी और मीडिया शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही। दीपा ज्वेलर्स के आईपीओ का आज दूसरा दिन है। निवेशक इसमें 3 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। इसमें मिनिमम 14,868 रुपए लगाने होंगे। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 459.72 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इससे पहले कल यानी 1 सितंबर को शेयर बाजार में मामूली गिरावट रही थी। सेंसेक्स 13 अंक और निफ्टी 25 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

तमिलनाडु में तास्माक का राजस्व रिकॉर्ड 50,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा

चेन्नई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (तास्माक) से प्राप्त राजस्व ने 2025-26 में पहली बार 50,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो शराब की बिक्री से एकत्र किए गए करों पर राज्य सरकार की निरंतर निर्भरता को दिखाता है। गृह, निषेध और उत्पाद शुल्क विभाग की 2026-27 की नीति के अनुसार, राज्य के स्वामित्व वाले शराब विक्रेता ने पिछले वित्तीय वर्ष में 50,845 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह 2024-25 में अर्जित 48,381 करोड़ रुपये से 2,464 करोड़ रुपये या लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

रिकॉर्ड तोड़ राजस्व से तमिलनाडु के कुल कर राजस्व का लगभग 26 प्रतिशत प्राप्त हुआ, जिससे शराब व्यापार राजकोष के लिए धन के सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक बन गया। मूल्यवर्धित कर (वैल्यू एडेड टैक्स) से सबसे अधिक 39,010 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उत्पाद शुल्क से 11,836 करोड़ रुपये की आय हुई। नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष में राजस्व वृद्धि जारी रही है। 2026-27 के पहले चार महीनों के दौरान, तस्मै ने 17,855 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। विभाग के अनुमानों के आधार पर, इस वर्ष इसके वार्षिक राजस्व में 5.3 प्रतिशत की और वृद्धि होने की उम्मीद है। केवल चार महीनों की वसूली ही औसतन 4,460 करोड़ रुपये प्रति माह से अधिक है।

तास्माक तमिलनाडु भर में भारतीय निर्मित विदेशी शराब की खुदरा बिक्री का संचालन करता है और सरकारी राजस्व, सार्वजनिक स्वास्थ्य और शराबबंदी पर चर्चा में लंबे समय से एक केंद्रीय स्थान रखता है। इसके वित्तीय प्रदर्शन पर नजर रखी जाती है क्योंकि शराब की बिक्री या कर दरों में मामूली बदलाव भी राज्य की कुल आय पर काफी असर डाल सकता है। निगम की यह ताज़ा उपलब्धि ऐसे समय में आई है जब शराब की दुकानों और बारों के संचालन को लेकर इसकी लगातार आलोचना हो रही है। राजनीतिक दलों, कार्यकर्ताओं और आम जनता के कुछ वर्गों ने शराब की उपलब्धता और इसके सेवन के सामाजिक परिणामों को लेकर बार-बार चिंताएं जताई हैं।

मुकेश अंबानी अब आइसक्रीम भी बेचेंगे, 10 रुपये से शुरू होगी

बॉम्बे क्रिमरी, अमूल, मदर डेयरी को मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज सॉफ्ट ड्रिंक कैम्पा में धमाका करने के बाद अब आइसक्रीम बिजनेस में उतरने की तैयारी में है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने भारतीय आइसक्रीम बाजार में एंट्री का ऐलान किया है। कंपनी ने बॉम्बे क्रीमरी नाम से अपना नया आइसक्रीम ब्रांड लॉन्च किया है। यह आरसीपीएल का आइसक्रीम कैटेगरी में आधिकारिक और समर्पित प्रवेश है। बॉम्बे क्रिमरी की आइसक्रीम की शुरुआती कीमत 10 रुपये होगी।

कंपनी के मुताबिक, बॉम्बे क्रिमरी को एक्सेसिबल प्रीमियम डेयरी ब्रांड के तौर पर पेश किया गया है। इसमें असली डेयरी क्रीम और अन्य डेयरी सामग्री के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। ब्रांड के प्रोडक्ट्स की शुरुआती कीमत महज 10 रुपये रखी गई है। कंपनी का लक्ष्य अच्छी क्वालिटी की आइसक्रीम को भारतीय परिवारों के लिए किफायती कीमत पर उपलब्ध कराना है। रिलायंस के इस कदम से आइसक्रीम के मौजूदा बड़े ब्रांड अमूल, मदर डेयरी, क्वालिटी वॉल्स आदि को टक्कर मिलेगी।

बॉम्बे क्रिमरी की आइसक्रीम अलग-अलग फॉर्मेट में उपलब्ध होगी। इनमें कोन, कप, टब, बार और स्टिक शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि अलग-अलग पैकिंग और कीमतों के जरिए वह ग्राहकों की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करेगी। आरसीपीएल ने बताया कि नए ब्रांड को कंपनी के देशभर में फैले डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, बड़े रिटेल स्केल और कंज्यूमर इनसाइट्स का फायदा मिलेगा।

पश्चिम भारत से होगी शुरुआत

कंपनी के अनुसार, बॉम्बे क्रिमरी की बिक्री शुरुआत में पश्चिमी भारत में की जाएगी। इसके बाद ब्रांड की उपलब्धता धीरे-धीरे देश के दूसरे हिस्सों में बढ़ाई जाएगी। आरसीपीएल ने आगे चलकर पैन-इंडिया रोलआउट की योजना बनाई है। बॉम्बे क्रीमरी को असली डेयरी सामग्री के इस्तेमाल की सोच के साथ तैयार किया गया है। कंपनी ने इस ब्रांड को एक सरल विचार के आधार पर बनाया है कि डेयरी उत्पादों में शॉर्टकट की जरूरत नहीं होनी चाहिए। आरसीपीएल सिर्फ आइसक्रीम कैटेगरी में प्रवेश नहीं कर रही है, बल्कि लंबे समय के लिए इस बाजार में अपनी मौजूदगी बनाने को प्रतिबद्ध है।

कैम्पा की तरह तैयारी

कंपनी ने कुछ साल पहले कैम्पा की भी इस तरह शुरुआत की थी। कैम्पा आज पेप्सी और कोका-कोला को बड़ी टक्कर दे रही है। सबसे बड़ी टक्कर प्राइस को लेकर है। रिलायंस ने साल 2023 में कैम्पा की शुरुआत भी 10 रुपये से की थी। इसके बाद प्राइस वॉर में पेप्सी और कोका-कोला को भी अपने प्रोडक्ट की कीमत कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

टर्नस एपल के नए सीईओ, 600 करोड़ रुपये का पैकेज

> आईफोन समेत कई प्रोडक्ट की इंजीनियरिंग की

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बात 2001 की है। एक 26 साल का नौजवान इंजीनियर आंखों में कुछ अलग करने का सपना लिए एपल के दफ्तर में दाखिल होता है।

उसका काम था- मैक कंप्यूटरों की स्क्रीन का डिजाइन तैयार करना। दिन गुजरते गए, आईफोन, आईपैड, एपल वॉच जैसे गैजेट्स दुनिया के सामने आते गए। इन सबके पीछे की हार्डवेयर इंजीनियरिंग को यही नौजवान चुपचाप तराशता रहा। आज 25 साल बाद, जब टिम कुक ने 15 साल बाद अपनी कुर्सी छोड़ी, तो पूरी दुनिया की नजरें इसी इंजीनियर पर जाकर टिक गईं। नाम है- जॉन टर्नस। 1976 में शुरू हुई एपल कंपनी के इतिहास में कमान संभालने वाले वे 8वें सीईओ बन गए हैं।

चांदी 2 दिन में 9000 सोना 4500 रुपये सस्ता

कच्चे तेल की कीमत में तेजी और पीएम मोदी की सोना न खरीदने की अपील का असर

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 2 सितंबर को फिर गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,855 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए हो गई है। एक किलो चांदी की कीमत आज 2,059 रुपए गिरकर 2.28 लाख रुपए पर आ गई है। पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बाद 2 दिन में ही चांदी करीब 9,000 और सोना 4,500 रुपए सस्ता हो चुका है। कल सोना 2,652 रुपए और चांदी 6,780 रुपए सस्ती हुई थी।

मार्केट एक्सपर्ट अनुज गुप्ता के अनुसार पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के चलते सोने की कीमत पर दबाव देखने को मिल रहा है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत में तेजी के कारण भी सोने और चांदी में गिरावट आई है। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप पर हमला किया है। ईरान ने भी जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया।

भारत सड़क और डिजिटाइजेशन जैसे क्षेत्रों में कर रहा बेहतर कार्य

विकास दर को 8 प्रतिशत के पार ले जाने की क्षमता मौजूद : विश्व बैंक प्रमुख अजय बंगा

एशविले, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सड़क, एयरपोर्ट और डिजिटाइजेशन जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य कर रहा है और देश में अर्थव्यवस्था की विकास दर को मौजूदा 7-8 प्रतिशत के पार जाने की क्षमता मौजूद है। यह बयान विश्व बैंक प्रमुख अजय बंगा ने दिया।

बंगा का यह बयान ऐसे समय पर सामने आया है, जब भारत ने वैश्विक अस्थिरता के बीच वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। जी20 के वित्त मंत्रियों की बैठक के साइडलाइन में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में बंगा ने कहा कि वृद्धि दर के ताजा आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, भारत अब लगातार 7 से 8 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल कर रहा है, जो काफी अच्छा है और मुझे लगता है कि इससे भी आगे जाने का मौका है। बंगा ने देश में लगातार हो रहे निवेश के साथ-साथ सर्विस और निर्यात में हुई बढ़ोतरी का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, उस 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर में सर्विस सेक्टर और निर्यात दोनों में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। निवेश का स्तर भी बना हुआ है। इस कारण मुझे लगता है कि भारत ने बहुत मजबूत प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड बैंक के प्रमुख ने कहा कि ध्यान सिर्फ एक तिमाही से आगे बढ़कर, इस बढ़ोतरी को युवाओं के लिए रोजगार और मौकों में बदलने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत के पास प्राइवेट सेक्टर के निवेश और नौकरियों में बढ़ोतरी के जरिए आगे बढ़ने का बहुत अच्छा मौका है। आपको इन सभी चीजो को युवाओं के लिए मौकों, उम्मीदों और आकांक्षाओं में बदलना होगा। इसके अलावा, बंगा ने रोजगार पैदा करने के लिए जरूरी तीन अहम चीजों के बारे में बताया, जिसमें फिजिकल और ह्यूमन इंफ्रास्ट्रक्चर, रेगुलेटरी सुधार और प्राइवेट कैपिटल को जुटाना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत सड़कें, पुल, एयरपोर्ट, बिजली, पानी और डिजिटाइजेशन के क्षेत्र में काफी अच्छा काम कर रहा है, लेकिन शिक्षा, स्किलिंग और हेल्थकेयर में और तरक्की की जरूरत है।

आर्थिक मोर्चे पर आशा की किरण

भारत में बढ़ रहे धनकुबेर, आईटी सेवा में नौकरी के अवसर बढ़े

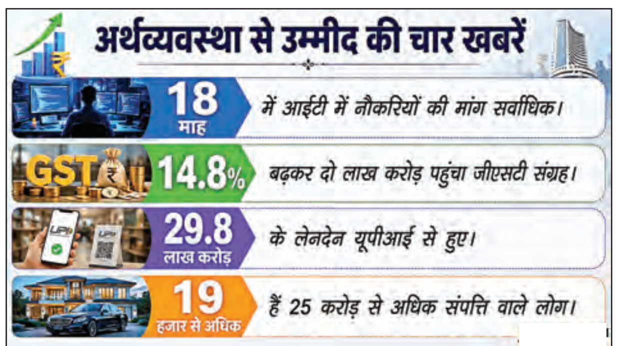

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में अमेरिका ईरान की जंग, चार साल से अधिक समय से जारी रूस और यूक्रेन के संघर्ष समेत कई अन्य भू-राजनीतिक कारणों से वैश्विक तनाव के बीच भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। सरकार ने इसे उत्साहवर्धक बताया है। इसी बीच नौकरी, टैक्स और यूपीआई से जुड़े कुछ आंकड़े सामने आए हैं, जिन्हें अर्थव्यवस्था के लिए उम्मीद से भरा माना जा रहा है। रेटिंग फर्म जूलियस बेयर-ईवाई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अत्यधिक अमीर बढ़ रहे हैं। 25 करोड़ से अधिक की संपत्ति वाले अभी 19 हजार से ज्यादा हैं। 2031 तक 25 हजार से अधिक हो जाएंगे। भारत के फैमिली ऑफिस के पास लगभग 70,000 करोड़ की संपत्ति है, जो तीन साल में बढ़कर 1.05 लाख करोड़ रुपये हो सकती है। ये अमीर परिवार स्टार्टअप, निजी कंपनियों, एआई, सेमीकंडक्टर, ग्रीन टेक और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं। यह पूंजी उत्पादन से लेकर रोजगार तक बढ़ाएगी।

आईटी में नौकरियों की मांग 18 माह में सर्वाधिक

आईटी सेवा क्षेत्र में लंबे समय की सुस्ती के बाद सितंबर में नौकरियों की मांग 18 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। कुल मांग में करीब 60% हिस्सेदारी वरिष्ठ और मझौले पदों की है। एक्सफेनो के मुताबिक, आईटी सेवा क्षेत्र में प्रतिभावान कर्मियों की मांग सितंबर में बढ़कर 57,000 पदों पर पहुंच गई है, जो फरवरी 2025 के बाद सबसे उच्च स्तर है। इसी के साथ आईटी क्षेत्र की कुल मांग भी 117,000 पदों तक पहुंच गई है, जो मार्च 2026 के 119,000 के करीब है।

जीएसटी संग्रह 14.8% बढ़कर दो लाख करोड़

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का अगस्त में कुल संग्रह सालाना आधार पर 14.8% बढ़कर लगभग दो लाख करोड़ रुपये हो गया। सकल जीएसटी राजस्व 1,99,853 करोड़ रुपये रहा। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, कुल केंद्रीय जीएसटी संग्रह 38,413 व राज्य जीएसटी 46,316 करोड़ रहा। रिफंड 68% बढ़कर 31,795 करोड़। घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 9.3% बढ़कर 1.37 लाख करोड़ से अधिक रहा।

45 नए गति शक्ति कार्गो टर्मिनल

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में उच्च लॉजिस्टिक्स लागत विनिर्माण और व्यापार की बड़ी रुकावट है। यह देश के जीडीपी का 13 से 14 फीसदी है, जबकि वैश्विक औसत 8 फीसदी है। रेल मंत्रालय ने इसे कम करने के लिए गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल नीति के तहत 45 नए टर्मिनल बनाने को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इसके तहत देशभर में अबतक कुल 147 कार्गो टर्मिनल शुरू हो चुके हैं। इन टर्मिनलों के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये का निजी निवेश आएगा। इन कार्गो टर्मिनलों को जरूरत के हिसाब से विशेष कमोडिटी हब के तौर पर विकसित किया जाएगा।

निर्माण परियोजनाओं के लिए सीमेंट और स्टील के अलग टर्मिनल होंगे। पावर प्लांट्स तक कोयला सप्लाई के लिए थर्मल और कोल हब बनेंगे। कृषि क्षेत्रों के पास साइलो और कोल्ड-चेन वाले एग्री-लॉजिस्टिक्स टर्मिनल बनाए जाएंगे। जुलाई 2026 तक निजी कंपनियों से 543 आवेदन मिले, जिनमें से 345 को सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है।

टाटा ग्रुप में एन चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया रुकी

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में एन चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी का खोज का काम रुका हुआ है। इसकी वजह एक रेगुलेटरी अड़चन है। चंद्रशेखरन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी दावेदारी पेश नहीं करेंगे। उनका कार्यकाल फरवरी तक है। लेकिन ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रशेखरन की घोषणा के करीब तीन हफ्ते बाद भी टाटा ग्रुप उनके उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया शुरू नहीं कर पाया है। सूत्रों के मुताबिक चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया इसलिए रुकी हुई है क्योंकि सर रतन टाटा ट्रस्ट के खिलाफ एक जांच चल रही है। इस कारण वह अपनी आंतरिक बैठकें नहीं कर पा रहा है। यही वजह है कि एसआरटीटी पांच सदस्यीय जॉइंट सर्च पैनल के लिए अपना प्रतिनिधि नामित नहीं कर पा रहा है। टाटा ट्रस्ट्स का टाटा संस में मैज्योरिटी स्टेक है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

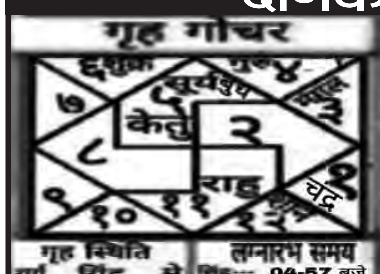

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-01
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18-42
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष गुरुवार 03 Sep 2026
तिथि - सप्तमी 02-25 तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - कृत्तिका 00-29 रात्रि तक उपरान्त रोहिणी
योग - व्याघात 18-33 तक उप हर्षण
करण - विष्टी (भद्रा) 15-27 तक उप बव
विशेष: भद्राकाल 15-27 तक

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	में	सिंह	04-57 बजे
चंद्र	मेष	में	कन्या	07-03 बजे
मंगल	मिथुन	में	तुला	08-07 बजे
बुध	सिंह	में	वृश्चिक	11-17 बजे
गुरु	कर्क	में	धनु	13-33 बजे
शुक्र	कन्या	में	मकर	15-46 बजे
शनि	मीन	में	कुंभ	17-28 बजे
राहु	कुंभ	में	मीन	19-05 बजे
केतु	सिंह	में	मेष	20-41 बजे
			वृष	22-24 बजे
			मिथुन	00-28 बजे
			कर्क	02-44 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-48 से 15-21 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ..	06-01 - 07-37	शुभ	अमृत	18-42 - 19-54	शुभ
रोग	07-37 - 09-10	अशुभ	चंचल	19-54 - 21-21	शुभ
उत्पात	09-10 - 10-42	अशुभ	रोग	20-21 - 22-48	अशुभ
चंचल	10-42 - 12-15	शुभ	काल	22-48 - 00-15	अशुभ
लाभ	12-15 - 13-48	शुभ	लाभ	00-15 - 01-43	शुभ
अमृत	13-48 - 15-21	शुभ	उत्पात	01-43 - 03-10	अशुभ
काल	15-21 - 16-54	अशुभ	शुभ.	03-10 - 04-37	शुभ
शुभ	16-54 - 18-42	शुभ	अमृत	04-37 - 06-01	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

वृष ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है। अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है । अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

मिथुन का, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता । इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें । अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढाने के लिए अच्छा समय है।

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

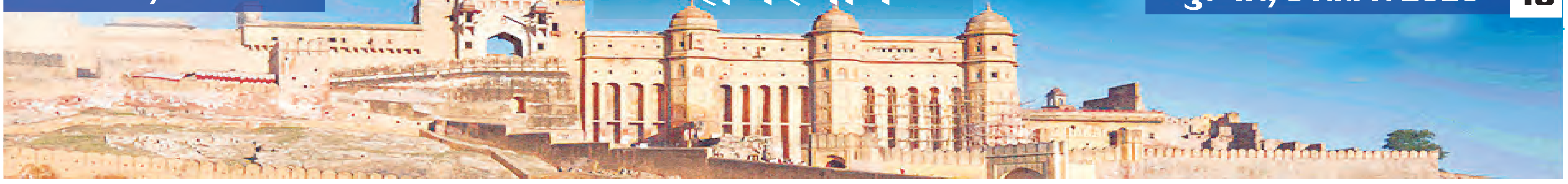

जोधपुर में केंद्रीय मंत्री के गले लगकर रोने लगा कार्यकर्ता

अलवर में पूर्व सभापति का नामांकन रद्द, सीकर में बीजेपी प्रत्याशी ने नाम वापस लिया

जयपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। निकाय चुनाव में सीकर नगर परिषद में वार्ड 65 से बीजेपी प्रत्याशी पिंकी पंवार ने नाम वापस ले लिया। ऐसे में कांग्रेस की माया देवी निर्विरोध निर्वाचित हो गईं। अलवर में पूर्व सभापति शकुंतला सोनी का नगर निगम के वार्ड 52 से नामांकन रद्द हो गया।

हनुमानगढ़ नगर परिषद में कांग्रेस के 3 प्रत्याशियों वार्ड-37 से रोहित जावा, वार्ड-31 से लखवीर सिंह और वार्ड-52 से बंशी खन्ना का नामांकन खारिज हो गया। रोहित जावा NSUI जिलाध्यक्ष हैं। इससे नाराज कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के बाहर धरना दिया।

जोधपुर में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के गले लगकर कार्यकर्ता धन्नाराम रोने लग गया। धन्नाराम ने जोधपुर नगर निगम के वार्ड 10 से टिकट मांगा था, लेकिन पार्टी ने टिकट नहीं दिया था। हनुमानगढ़ जिले की रावतसर नगर पालिका में वार्ड-19 से जेल में बंद भीमसिंह शेखावत ने 2 नामांकन भरे थे। उनके दोनों नामांकन खारिज हो गए। बारां में नगर परिषद चुनाव से पहले 36 कार्यकर्ताओं ने बीजेपी छोड़कर कांग्रेस जॉइन कर ली।

डूंगरपुर-कपासन में एक-एक प्रत्याशी का नामांकन खारिज

डूंगरपुर नगर परिषद के वार्ड-23 से कांग्रेस प्रत्याशी गणेश कटारा का नामांकन खारिज हो गया। अब यहां से बीजेपी के मनन कलासुआ एकमात्र उम्मीदवार बचे हैं। चित्तौड़गढ़ जिले की कपासन नगर पालिका चुनाव में वार्ड-7 से कांग्रेस प्रत्याशी रुखसाना का नामांकन रद्द हो गया।

बीकानेरः शहर कांग्रेस अध्यक्ष को पीटा

बीकानेर में शहर कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व IPS अधिकारी मदन गोपाल मेघवाल को टिकट वितरण को लेकर नाराजगी के चलते पीटा गया।

अजमेर में कांग्रेस ने निर्दलीय को समर्थन दिया

अजमेर में वार्ड 41 में कांग्रेस प्रत्याशी ऋषभसिंह का नामांकन खारिज होने के बाद उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी दिनेश शर्मा को समर्थन दिया है। शहर जिला अध्यक्ष राजकुमार जयपाल, उपाध्यक्ष विवेक पाराशर सहित कांग्रेसियों ने कांग्रेस से बागी होकर चुनाव लड़ रहे दिनेश शर्मा को माला पहनाकर स्वगत किया।

चित्तौड़गढ़ में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

चित्तौड़गढ़ में नगर परिषद चुनाव में वार्ड 34 के भाजपा प्रत्याशी रमेश चंद्र मीणा का नामांकन रद्द नहीं होने पर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। दरअसल, कांग्रेस प्रत्याशी शांतिलाल ने रमेश चंद्र मीणा के खिलाफ आपत्ति लगाते हुए कोर्ट के दस्तावेज पेश किए थे। उनका कहना था कि रमेश के खिलाफ वर्ष 2022 में अपहरण का मामला दर्ज हुआ था, जो अभी कोर्ट में विचाराधीन है। कांग्रेस के मुताबिक, इस मामले में 5 या 7 साल से ज्यादा की सजा का प्रावधान होने के कारण रमेश चुनाव लड़ने के योग्य नहीं हैं। नामांकन रद्द नहीं होने पर बुधवार को पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और RO पर पक्षपात का आरोप लगाया। जाड़ावत ने कहा- दूसरे जिलों में इसी तरह के मामलों में नामांकन निरस्त किए गए हैं, जबकि चित्तौड़गढ़ में अलग फैसला लिया गया। कांग्रेस ने दस्तावेज के आधार पर आपत्ति की है और यदि उसके तथ्य गलत साबित होते हैं तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। वहीं, अधिकारियों से गलती हुई है तो उनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। कार्रवाई नहीं हुई तो अदालत में चुनौती देकर कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी।

टिकट नहीं मिला तो केंद्रीय मंत्री के गले लगकर रोने लगा

नगर निकाय चुनाव में टिकट नहीं मिलने से परेशान एक कार्यकर्ता बुधवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मिलकर रोने लगा। शेखावत ने उसे गले लगाया और चुप करवाया। कहा- अपन को मस्त रहना है। हम सभी को मिलकर संगठन के लिए काम करना है।

दरअसल, धन्नाराम पार्टी के पुराने कार्यकर्ता है। संगठन में भी लंबे समय से सक्रिय है। इस बार उन्होंने वार्ड नंबर 10 से टिकट मांगा था, लेकिन किन्हीं वजह से उन्हें टिकट नहीं मिला।

अलवर में पूर्व सभापति का पर्चा खारिज

अलवर में नगर निगम में नामांकन जांच के दौरान बड़ा विवाद सामने आया है। स्क्रूटनी के दौरान रिकॉर्ड 132 नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए। इनमें वार्ड 52 की पूर्व सभापति शकुंतला सोनी, इसी वार्ड की 'हिंदू शेरनी' के नाम से पहचान रखने वाली अंजना दीवान, वार्ड 53 से जयपुर डीटीओ ग्रेस कुमार और वार्ड 58 से कांग्रेस प्रत्याशी हेमंत अग्रवाल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

बारां में नगर परिषद चुनाव से पहले भाजपा को झटका लगा है। वार्ड 39, 40 और 41 के करीब 36 कार्यकर्ताओं ने बीजेपी छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली।

'कुर्सी मुझे नहीं छोड़ रही मैं तो छोड़ना चाह रहा'

कांग्रेस विधायक का तंज– ये सब बहाने; लड़ाई सिर्फ

मुख्यमंत्री और एमएलए बनने की, मंत्री पद कुछ नहीं

बाड़मेर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी मंगलवार को विश्नोई समाज के पंच रहे गोरधन राम विश्नोई की प्रथम पुण्यतिथि के कार्यक्रम में पहुंचे। जहां उन्होंने राजनीतिक तंज कस दिया। कार्यक्रम गुड़ामालानी के माणकी रामजी की गोल में हुआ। कांग्रेस से बायतु विधायक हरीश चौधरी ने कहा- हम लोग हेमाराम चौधरी के अनुयायी हैं। हम कुर्सी के पीछे चलने वाले नहीं हैं। और न ही उस कुर्सी को पकड़ कर बहाना बनाने वाले हैं कि बेचारी ये कुर्सी हमें नहीं छोड़ रही।

ये भी एक अटकल है, कि ये कुर्सी मुझे नहीं छोड़ रही, मैं तो छोड़ना चाह रहा हूं। हेमाराम जी ने तो कुर्सी को भी लात मारी और बहाना नहीं बनाया कि मुझे कुर्सी ने नहीं छोड़ा। कार्यक्रम में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी, सांगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया, जैसलमेर के पूर्व विधायक रूपराम धनदे भी मौजूद थे।

हरीश चौधरी ने अपने भाषण में कहा- हेमाराम जी ने कुर्सी छोड़ी, उनके लिए आप लोग ज्यादा हो। हेमाराम को वोट नहीं दिए होंगे आपने, लेकिन उन्होंने वोटों से ज्यादा बड़ी जगह बनाए रखी है। वोट आते रहेंगे, जाते रहेंगे। जीतते रहेंगे, हारते रहेंगे। यह मुख्यमंत्री-MLA की लड़ाई है। मंत्री कुछ नहीं है, मंत्री नाम की व्यवस्था दिल्ली और जयपुर में नहीं है। सिर्फ मुख्यमंत्री और MLA बनने का झगड़ा है।

हरीश चौधरी ने भाषण में कहा- हम सबको एक रहना है। मैं गोरधन राम जी के रास्ते पर चलने के लिए नहीं कह रहा हूं। मेरा निवेदन है कि समय मिले तो थोड़ा गोरधन राम जी को जान लेना। जानोगे तो मान लोगे। जानने और मानने का भी खेल अलग है। भगवान को जाना नहीं, भगवान को मानते हैं। गोरधन राम जी को आप लोग जान लेना। इनको जान लिया तो अपने आप उनके रास्ते पर चल पड़ोगे। उन्होंने अपना भाषण खत्म करते हुए कहा- राम-राम, सलाम वालेकुम इसमें कोई अंतर नहीं है। लोग अंतर डाल देते हैं। जय राम जी, जय माता जी, जय रघुनाथ इसमें कोई अंतर नहीं है। भावना वही रहनी चाहिए।

पूर्व मंत्री और पूर्व प्रतिपक्ष नेता हेमाराम चौधरी ने विधानसभा चुनाव 2023 में चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। पूर्व मंत्री ने पिछले कांग्रेस कार्यकाल में 2 बार विधायक पद से इस्तीफा दिया था, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने स्वीकार नहीं किया। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 3 साल पहले जोधपुर में बयान दिया था। इसमें कहा था कि मैं ये पद छोड़ना चाहता हूं, लेकिन पद मुझे नहीं छोड़ रहा।

अचानक कैसे फैल रहा खतरनाक वायरस

किसे ज्यादा खतरा है; मंत्री किरोड़ीलाल भी चपेट में आए थे

जयपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अगस्त के महीने में स्वाइन फ्लू (H1N1) के मामलों ने रफ्तार पकड़ ली। जनवरी से जुलाई तक जहां कुल 91 केस मिले थे, वहीं अकेले अगस्त में 56 मरीज सामने आ चुके हैं। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की तबीयत बिगड़ने की खबर ने भी स्वाइन फ्लू को लेकर चर्चा बढ़ा दी है। क्या राजस्थान में कोई नया या ज्यादा खतरनाक वायरस फैल रहा है? राजस्थान में जनवरी से अगस्त 2026 तक स्वाइन फ्लू के 147 केस सामने आ चुके हैं। अकेले अगस्त में 56 मरीज मिले हैं। यह 2026 में किसी एक महीने में सामने आए सबसे ज्यादा केस हैं।

शुरुआती महीनों में मामले कम थे, लेकिन अगस्त में अचानक केस बढ़ गए। इसके बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल संस्थानों को स्क्रीनिंग, इलाज और जरूरत पड़ने पर मरीजों को रेफर करने की व्यवस्था तैयार रखने के निर्देश जारी किए।

हालांकि, अभी किसी नए या ज्यादा खतरनाक H1N1 स्ट्रेन के फैलने की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए मौजूदा बढ़ोतरी को फिलहाल नए वायरस के रूप में नहीं देखा जा रहा है।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा स्वाइन फ्लू यानी H1N1 वायरस से संक्रमित पाए गए। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भी भर्ती कराना पड़ा था। उनकी सेहत में सुधार के बाद उन्हें हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया जा चुका है। डॉ. कृष्ण कांत शर्मा के मुताबिक इन्फ्लुएंजा का प्रसार मौसम और स्थानीय परिस्थितियों के साथ बदलता रहता है। राजस्थान जैसे गर्म इलाके में फ्लू साल के अलग-अलग समय में फैल सकता है।

WHO के मुताबिक गर्म क्षेत्रों में इन्फ्लुएंजा पूरे साल मौजूद रह सकता है। कुछ समय में इसका प्रसार बढ़ जाता है। मौसम बदलने के दौरान बंद कमरों में ज्यादा समय बिताना, भीड़भाड़, स्कूल-कॉलेज और दफ्तरों में नजदीकी संपर्क जैसे कारण संक्रमण को फैलने का मौका दे सकते हैं।

वायरस संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने, बात करने या सांस लेने से निकलने वाले छोटे कणों के जरिए दूसरे व्यक्ति तक पहुंच सकता है। इसी वजह से दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कुछ हिस्सों में H1N1 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच राजस्थान ने भी निगरानी बढ़ाई है। लेकिन सिर्फ मौसम को इसकी एकमात्र वजह मानना सही नहीं होगा। जिसे आम बोलचाल में स्वाइन फ्लू कहा जाता है, वह इन्फ्लुएंजा ए के H1N1 वायरस से होने वाला संक्रमण है। इसके लक्षण सामान्य फ्लू जैसे ही हो सकते हैं। यह सांस से जुड़ी बीमारी है और इसके लक्षण दूसरे मौसमी फ्लू से काफी मिलते-जुलते हैं। अचानक बुखार आना, सूखी खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, बदन और मांसपेशियों में दर्द और काफी कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हैं।

नागौर में सास के सामने चुनाव लड़ रहीं दो बहुएं

नागौर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। नागौर निकाय चुनाव में पारिवारिक जंगः सास के सामने एक नहीं, दो बहुएं मैदान में; वार्ड-22 में रोचक मुकाबला। तीनों प्रत्याशी एक ही परिवार से जुड़ीं, सास कांग्रेस से तो दोनों बहुएं निर्दलीय चुनाव लड़ रहीं; एक ही मोहल्ले में होगा प्रचार का मुकाबला

नागौर निकाय चुनाव में वार्ड 22 का मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है। यहां कांग्रेस से चुनाव लड़ रहीं सास मुनि सोलंकी के सामने परिवार की दो बहुएं बेबी सोलंकी और रेखा सोलंकी निर्दलीय मैदान में उतर गई हैं। तीनों एक ही परिवार से जुड़ी हैं और अब वोट के लिए अपने-अपने तरीके से प्रचार कर रही हैं। ऐसे में वार्ड 22 में सास और दो बहुओं की चुनावी टक्कर लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

वार्ड नंबर 22 ओबीसी महिला के लिए आरक्षित है। कांग्रेस ने यहां जगदीश सोलंकी की पत्नी मुनि सोलंकी को अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं, उनके परिवार से जुड़ी दो बहुएं बेबी सोलंकी और रेखा सोलंकी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतर चुकी हैं। ऐसे में वार्ड का मुकाबला कांग्रेस और निर्दलीयों के बीच होने के साथ ही सास बनाम दो बहुओं की पारिवारिक चुनावी जंग में भी बदल गया है। कांग्रेस प्रत्याशी मुनि सोलंकी ने कहा कि चुनाव लड़ना सभी का अधिकार है। उनके सामने उनके दो भतीजों की पत्नियां चुनाव लड़ रही हैं और दोनों अपने स्तर पर प्रचार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वह भी पूरी ताकत के साथ चुनाव प्रचार में जुटी हैं। अब किसका जोर कितना है और जीत किसकी होगी, इसका फैसला वार्ड की जनता करेगी।

मुनि सोलंकी के दूसरे भतीजे पप्पू सोलंकी की पत्नी रेखा सोलंकी भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रही हैं। रेखा का कहना है कि उन्होंने बीजेपी से टिकट मांगा था और वह लंबे समय से पार्टी से जुड़ी हुई हैं। हालांकि पार्टी ने टिकट किसी दूसरे प्रत्याशी को दे दिया। इसके बाद उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया। सास-बहू के आमने-सामने चुनाव लड़ने को लेकर रेखा ने कहा कि चुनाव लड़ना सभी का अधिकार है और किसी को चुनाव लड़ने से रोका नहीं जा सकता। मुनि सोलंकी के भतीजे विक्की सोलंकी की पत्नी बेबी सोलंकी भी निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में हैं।

21 केस वाला हिस्ट्रीशीटर और उसका साथी गिरफ्तार

अजमेर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर के कृष्णगंज थाना क्षेत्र में माकड़वाली के पास 29 अगस्त को मारपीट के मामले में पुलिस ने प्रहलाद गुर्जर (32) और भरत चारण को गिरफ्तार किया है। दोनों पर 2500-2500 रुपए का इनाम घोषित था।

पूछताछ में सामने आया कि 27 अगस्त को कार की टक्कर से प्रहलाद के पिता को हल्की चोट लगने के बाद विवाद शुरू हुआ था। पुलिस के अनुसार इसी विवाद में 29 अगस्त को तलवार और सरिए से हमला कर दो युवकों को घायल किया गया। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। सीओ नॉर्थ शिवम जोशी ने बताया कि शिवाजी चौराहे पर विवाद के बाद हमला हुआ था। गिरफ्तार प्रहलाद गुर्जर पीलवा, जिला डीडवाना-कुचामन का हिस्ट्रीशीटर है।

उसके खिलाफ अजमेर, पाली, नागौर और डीडवाना-कुचामन सहित विभिन्न शहरों के थानों में 2014 से 2025 तक 21 मामले दर्ज हैं। इनमें मारपीट, चोरी, लूट, डकैती, धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट के मामले शामिल हैं।

पूछताछ में दोनों ने अलग-अलग स्थानों पर चोरी और मारपीट की घटनाओं में शामिल होना कबूल किया। दोनों ने 29 अगस्त को गेगल थाना क्षेत्र के प्रॉपर्टी ऑफिस में चोरी और मारपीट की वारदात कबूल की। भरत चारण ने पीलवा थाना क्षेत्र में 8 जून 2026 को चोरी और मारपीट की वारदात कबूल की।

एसएचओ अरविंद चारण ने बताया कि परिवादी साहिल गठीला उर्फ सन्त्री (34), निवासी कायड़ ने 29 अगस्त को रिपोर्ट दी थी। उसने बताया कि 27 अगस्त को उसके पिता रामदेव गुर्जर को कार ने टक्कर मारी थी। कार में सत्यनारायण उर्फ सत्तू, दिनेश और राकेश थे। इसके बाद 29 अगस्त को सत्यनारायण उर्फ सत्तू और राकेश ने साहिल को शिवाजी -माकड़वाली चौराहा बुलाया। साहिल बीरम, सांवर, गणेश और सुरेंद्र के साथ वहां पहुंचा।

वहां मौजूद सत्यनारायण उर्फ सत्तू, राजवीर उर्फ किड़ी, दिनेश, सेठू, राकेश, प्रहलाद सहित अन्य ने तलवार-सरिए से सुरेंद्र पर हमला कर दिया।

जंगल में कार रुकवाकर ड्राइवर पर जानलेवा हमला

गले में रस्सी डालकर हत्या की कोशिश, चाकू से 4-5 वार कर भागे बदमाश

कोटा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कोटा से दो सवारियों को लेकर रावतभाटा जा रहे कार ड्राइवर पर रास्ते में जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सुनसान और अंधेरे जंगल में दोनों सवारियों ने ड्राइवर के गले में रस्सी डालकर उसकी जान लेने की कोशिश की।

ड्राइवर के शोर मचाने पर आरोपियों ने चाकू से उसके हाथ-पैरों पर 4-5 वार कर दिए। इसी दौरान पीछे से दूसरी गाड़ी आती देखकर दोनों आरोपी कार छोड़कर जंगल की ओर भाग गए। घायल ड्राइवर विजेंद्र (30) कोटा के रेलवे स्टेशन के भदाना क्षेत्र का निवासी है।

घायल विजेंद्र कुमार ने बताया कि वह टैक्सी कार चलाता है। उसे फोन पर बुकिंग मिली थी। एसएस डेयरी के पास से दो सवारियां बैठीं और रावतभाटा जाने के लिए कार बुक की। रावतभाटा जाते समय घाटी क्षेत्र में सुनसान और अंधेरा देखकर दोनों सवारियों ने अचानक उसके गले में रस्सी डाल दी। उसने बचने के लिए शोर मचाया तो आरोपियों ने चाकू निकालकर हमला कर दिया। चाकू के चार-पांच वार उसके हाथ-पैरों पर लगे, जिससे काफी खून बहने लगा।

पीछे से दूसरी गाड़ी आती दिखाई देने पर दोनों आरोपी कार से उतरकर जंगल में भाग गए। घायल विजेंद्र ने हिम्मत जुटाई और खुद कार चलाकर जावरा पेट्रोल पंप पहुंचा। उसने बताया कि रास्ते में मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से मदद नहीं मांग सका। अधिक खून बहने के कारण उसे धुंधला दिखाई देने लगा था। इसके बावजूद वह किसी तरह अस्पताल पहुंचा, जहां उसका उपचार जारी है।

चिड़ियाघर में टाइगर का हमला, महिला की मौत

जयपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क (चिड़ियाघर) में टाइगर शिवाजी के हमले में एक मजदूर महिला की मौत हो गई। हादसा बुधवार सुबह 9 बजे हुआ।

जानकारी के अनुसार महिला मजदूर सुगना देवी (42) टाइगर के एन्क्लोजर (बाड़ा) के अंदर घास काटने घुसी थी। साथी महिलाओं का दावा है टाइगर उस वक्त एन्क्लोजर के अंदर पिंजरे में था। जैसे ही हम अंदर घुसे किसी ने पिंजरे का गेट खोल दिया। इसी दौरान टाइगर ने हमारे ऊपर हमला कर दिया। जमवा रामगढ़ के नांगल सुसावतान गांव की रहने वाली सुगना देवी की बॉडी 12 बजे तक भी बाड़े के अंदर ही थी।

सुगना देवी के की बड़ी बहन कमला देवी ने बताया कि हम 7 महिलाएं सुबह घास काटने के लिए पार्क में गई थीं। सुबह करीब 9 बजे हम टाइगर शिवाजी के एन्क्लोजर में घुसी थीं।

इस दौरान टाइगर अंदर पिंजर में था। कुछ सेंकेंड बाद ही वो बाहर आ गया और हम पर हमला कर दिया। हम पांच महिलाएं बाहर की ओर भागीं, जबकि एक महिला एक पेड़ के ऊपर चढ़ गई। सुगना देवी एन्क्लोजर के जाल पर चढ़ गई, लेकिन टाइगर ने उसे नीचे खींचकर मार दिया। घटना के बाद से महिला का शव घटनास्थल पर ही है। महिला की मौत की जानकारी मिलते ही सायवाड़ के पूर्व सरपंच राजेन्द्र बुनकर सहित जमवारामगढ़ क्षेत्र से सैकड़ों लोग नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क पहुंच गए। उन्होंने अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और मृतक महिला के परिजनों को एक करोड़ का मुआवजा देने की मांग को लेकर हंगामा किया।

युवक की हत्या के 2 आरोपी गिरफ्तार

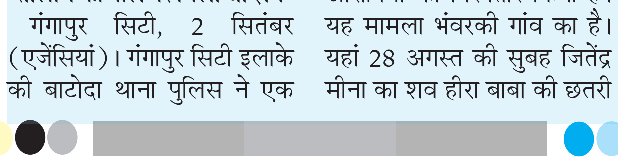

भंवरकी गांव में मारपीट के बाद तालाब की पाल पर मिला था शव

गंगापुर सिटी, 2 सितंबर (एजेंसियां)। गंगापुर सिटी इलाके की बाटोदा थाना पुलिस ने एक युवक की हत्या के मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला भंवरकी गांव का है। यहां 28 अगस्त की सुबह जितेंद्र मीना का शव हीरा बाबा की छतरी के पास तालाब की पाल की ढलान पर मिला था।

पुलिस के मुताबिक भंवरकी निवासी रामोतार मीना ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनका बड़ा भाई जितेंद्र 27 अगस्त को खेत पर काम करने गया था। शाम को वह गांव के कुछ लोगों के साथ हीरा बाबा की छतरी पर था। आरोप है कि वहां विमल उर्फ पायलेट ने जितेंद्र के साथ हाथ-मुक्कों और थप्पड़ों से मारपीट की थी। अगले दिन सुबह जितेंद्र का शव तालाब की पाल की ढलान पर मिला।

बस की टक्कर से बाइक-सवार पति-पत्नी समेत 3 की मौत

करौली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। करौली जिले में तेज रफ्तार मिनी बस की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी समेत 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा श्रीमहावीरजी थाना इलाके में दुब्बी रोड पर बुधवार सुबह 8:30 बजे हुआ। हादसे से गुस्साए परिजनों और लोगों ने सड़क पर शव रखकर करीब तीन घंटे तक प्रदर्शन किया। दोपहर करीब 12 बजे पुलिस के समझाने के बाद परिजन पोस्टमॉर्टम कराने को सहमत हुए। एक्सीडेंट के बाद ड्राइवर फरार हो गया। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है। आरोपी ड्राइवर की तलाश जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिलौदा थाना इलाके के किशोरपुरा गांव के भगवत (60), उनकी पत्नी भगवानी कोली (55) और हिंडौन सदर थाना क्षेत्र के खेड़ा गांव निवासी रिश्तेदार लक्ष्मी नारायण कोली (28) की मौत हुई है।

कोंडा सुरेखा रेवंत पर भड़कीं अनुशासनात्मक कार्रवाई पर सवाल उठाया

'बीसी के लिए एक न्याय और दूसरों के लिए दूसरा?'

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा की टिप्पणियों ने तेलंगाना में नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। मंत्री ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखी टिप्पणी करते हुए अपने खिलाफ प्रस्तावित अनुशासनात्मक कार्रवाई पर सवाल उठाया है। बुधवार को नई दिल्ली दौरे के दौरान एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात के बाद मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कोंडा सुरेखा ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का बार-बार यह कहना कि वह दस वर्षों तक पद पर बने रहेंगे, क्या अनुशासनात्मक कार्रवाई योग्य उल्लंघन नहीं है। उन्होंने कहा, अगर मेरे खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी है, तो सबसे पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। कोंडा सुरेखा ने स्पष्ट किया कि अभी तक किसी ने भी उनसे इस्तीफा देने के लिए संपर्क नहीं किया है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी सुस्मिता पटेल द्वारा की गई टिप्पणियों के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराना और उसी आधार पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करना अनुचित होगा। मंत्री ने कहा कि एआईसीसी नेता राहुल गांधी महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी बेटी ने कुछ परिस्थितियों से उकसाए जाने के बाद ही ये टिप्पणियां की थीं। कोंडा सुरेखा ने तेलंगाना कांग्रेस के भीतर सामाजिक न्याय पर भी सवाल उठाया और पूछा कि क्या विभिन्न सामाजिक समूहों के नेताओं के लिए अलग-अलग मापदंड लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने पूछा, क्या खासलोगों के लिए नियमों का एक समूह है और अन्य सामाजिक समूहों के लिए दूसरा? कोंडा सुरेखा ने कहा कि उनके मामले में एक दृष्टिकोण अपनाना और अन्य सामाजिक समूहों के सदस्यों के प्रति अलग रवैया रखना उचित नहीं है। मंत्री ने बताया कि सरकार में अन्य मंत्रियों और नेताओं के खिलाफ भी कई आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि उनसे क्या स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और उन मामलों में क्या कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के उच्च कमान को अपने से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत लिखित रिपोर्ट पहले ही सौंप चुकी हैं।

फर्जी डॉक्टरों और क्लीनिकों का भंडाफोड़, 10 आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों में इंटरमीडिएट, दसवीं, बीए तक पढ़े लोग शामिल

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान चलाकर मेडचल और संगारेड्डी जिलों में संचालित 10 फर्जी क्लीनिकों का भंडाफोड़ किया है।

कार्रवाई के दौरान बिना आवश्यक चिकित्सकीय योग्यता और वैध पंजीकरण के मरीजों का इलाज कर रहे 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी एसओटी साइबराबाद, पी. शोभन कुमार के अनुसार आरोपी स्वयं को डॉक्टर बताकर आम लोगों, बच्चों और गंभीर मरीजों का उपचार कर रहे थे। साइबराबाद की स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) की कुतुबुल्लापुर और आरसी पुरम जोनल टीमों ने संबंधित कानून-व्यवस्था पुलिस तथा डीएम एंड एचओ की टीम के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। छापेमारी में स्टेथोस्कोप, ब्लड प्रेशर मशीनें, थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर, वजन और शुगर जांच मशीनें, प्रिस्क्रिप्शन पैड, सिरिंज, एक्सपायर्ड दवाएं, इंजेक्शन, सलाइन की बोतलें और स्टैंड बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि कुछ क्लीनिकों में मरीजों को भर्ती करने के लिए बिस्तर भी लगाए गए थे। आरोपी बिना विशेषज्ञता के मरीजों को नसों के माध्यम से सलाइन और अन्य आईवी फ्लूइड दे रहे थे। पुलिस ने बताया कि अयोग्य व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा उपचार मरीजों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। गलत निदान, अनुचित दवा, चिकित्सकीय जटिलताओं और जान जाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। गिरफ्तार आरोपियों में इंटरमीडिएट, दसवीं, बीए, बीकॉम, बीएससी और बी.फार्मेसी तक पढ़े लोग शामिल हैं। पुलिस ने उनके खिलाफ मेडचल, पेट बशीराबाद, जगद्गिरिगुट्टा, सुराराम, बचुपल्ली, आरसी पुरम, आईडीए बोल्लारम और पाटनचेरु थानों में कुल 10 मामले दर्ज किए हैं। साइबराबाद पुलिस ने जनता से अपील की है कि इलाज कराने से पहले डॉक्टर की शैक्षणिक योग्यता और वैध पंजीकरण की जांच करें। फर्जी क्लीनिक या अयोग्य चिकित्सकों की सूचना तत्काल पुलिस अथवा स्वास्थ्य अधिकारियों को दें।

सीरवी समाज जीडिमेट्ला बडेर का वार्षिक सम्मेलन 12 से

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेट्ला स्थित श्री आई माता मंदिर में सिरवी समाज बन्धुओं के सानिध्य में विशेष मीटिंग आयोजित कर श्री आई माताजी के 611वें अवतरण दिवस व वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम 12 व 13 सितंबर को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत भादवा सुदी एकम शनिवार 12 सितंबर को रात्रि जागरण होगा। भादवा सुदी बीज (दूज) रविवार 13 सितंबर को प्रातः वेला में पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

अध्यक्ष रावतराम बर्फा, सचिव प्रेम पंवार ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शनिवार 12 सितंबर को प्रातः वेला में श्री आई माता मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर आई माता का विशेष शृंगार किया जाएगा। भजन गायक रमेश सोनी एंड पार्टी (बिलाड़ा) रात 9 बजे से जागरण होगा, जिसमें भजनों के पुष्प अर्पित किये जायेंगे। अवसर पर गणेश वंदना, आई माताजी की पूजा अर्चना के पश्चात आरती होगी। रविवार 13 सितंबर को प्रातः 8.15 बजे ज्योत प्रज्वलित कर पूजा अर्चना, स्वागत, समाज बन्धुओं द्वारा माई के चरणों में श्रीफल भेंटकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना, धर्मसभा का आयोजन कर अध्यक्ष रावतराम बर्फा की अध्यक्षता में मुख्य अतिथियों, पधारे मेहमानों का स्वागत, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग द्वारा आय-व्यय का विवरण, पदाधिकारियों का सम्मान एवं अपने विचार व्यक्त करना, सचिव प्रेम पंवार द्वारा समाज में किये गये विकासशील कार्यों का विवरण होने के अलावा पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में रहेगी। बीज महोत्सव कार्यक्रम में पदाधिकारी व कार्यकारिणी समिति के सदस्य भक्तों की सेवार्थ उपस्थित रहेंगे।

असामान्य
भाग- ॥-धारा 3-उप -धारा (ii)
रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)
अधिसूचना
सिकंदराबाद, 27th, अगस्त, 2026

एस.ओ.4783(इ)–जबकि, भारत सरकार की अधिसूचना, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), सं.- एस.ओ.769 (इ), दि.11-02-2026 द्वारा भारतीय राजपत्र या गजट, असामान्य, भाग॥, धारा 3, उप -धारा(ii), गजट या राजपत्र नं.731 दि.13-02-2026 को प्रकाशित किया गया तथा

रेल अधिनियम,1989 (वर्ष1989 का 24) की धारा 20ए की उप-धारा (1) के तहत जारी किया गया, (जिसे इसके पश्चात् उपरोक्त अधिनियम कहकर संबोधित किया जायेगा)। केंद्र सरकार ने उपरोक्त अधिनियम के संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट भूमि का अधिग्रहण करने की रुचि दर्शायी है & यह घोषणा की है कि, तत्संबंधित भूमि को, विशेष रेलवे परियोजना के तहत जैसे, घानपुर (स्टेशन) गांव&मंडल, जिला-जनगांव, तेलंगाना राज्य में निष्पादन, रखरखाव, प्रबंधन & संचालन उद्देश्य हेतु 3000 एमटी लदान लक्ष्य को पूरा करने के लिए, इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम 1X25केवी से 2X25केवी ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन कार्य हेतु सिकंदराबाद–काजीपेट सेक्शन में घानपुर टीएसएस का निर्माण कार्य तत्संबंधित भूमि का अधिग्रहण करने की रुचि दर्शायी थी।

तथा जबकि, उपरोक्त अधिसूचना का आशय, निम्न प्रतिष्ठित दैनिक समाचारपत्रों जैसे वेलुगु (तेलुगु), साक्षी (तेलुगु), द हिन्दू (अंग्रेजी), वार्ता (हिंदी) & दि मुनसिफ डेली (उर्दू) में, मुख्य अभियंता, मोतीलाल भूक्या निर्माण-॥, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद के अनुमोदन सहित दि. 19 फरवरी, 2026 को प्रकाशित किया जा चुका है।

जबकि, एलए घानपुर (स्टेशन) के सक्षम प्राधिकरण या कार्मिकएट अथारिटी को 20डी धारा के अनुपालन में तत्संबंधित आपत्तियां प्राप्त हुई है तथा जिसकी जांच या एन्क्वायरी पूरी होने के बाद, रेलवे अधिनियम 1989, 20डी धारा, उप धारा (2) के तहत तत्संबंधित आपत्तियों को अस्वीकृत किया गया। तथा जबकि, सक्षम प्राधिकारी या कार्मिकएट एथारिटी ने इस अधिनियम की 20ई धारा, उप-धारा (1) के अनुपालन में, केंद्र सरकार को तत्संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

जबकि, इसलिए सक्षम प्राधिकारी या कार्मिकएट अथारिटी से उपरोक्त रिपोर्ट की प्राप्ति के उपरांत, केंद्र सरकार ने उपरोक्त अधिनियम 20ई धारा, उप-धारा (1) की प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि, तत्संबंधित अनुसूची में संलग्न निर्दिष्ट भूमि को उपरोक्त लक्ष्य हेतु अधिग्रहण किया जाए।

तथा इसके आगे, उपरोक्त अधिनियम 20ई धारा, उप-धारा (2) के अनुपालन में, केंद्र सरकार ने एतद्वारा यह घोषणा की है कि, आधिकारिक राजपत्र या अधिकारिक गजट में इस अधिसूचना के प्रकाशन के बाद, इस अनुसूची में संलग्न निर्दिष्ट भूमि पूर्ण रूप से केंद्र सरकार के हस्तांतरण होगी और सभी ऋण बंधनों से मुक्त होगी।

अनुसूची

अधिग्रहण किये जानेवाले भूमियों का विवरण: जिला-जनगांव, तेलंगाना राज्य में 3000 एमटी लदान लक्ष्य को पूरा करने के लिए, इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम 1X25केवी से 2X25केवी ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन कार्य हेतु सिकंदराबाद–काजीपेट सेक्शन में घानपुर टीएसएस का निर्माण कार्य।

क्रम संख्या	मंडल & गांव का नाम	सर्वे नंबर	विस्तार	भूमि का स्वभाव	पट्टादार का नाम	एंजायर का नाम	विस्तार	संचरनाएं/टिप्पणिया
1	घानपुर (स्टेशन)	664	1.24 ट	सूखी	अबुल्ली रामास्वामी	मल्लय्या सुपुत्र, ओपन प्लॉट्स	1.24 ट	शून्य,
2	घानपुर (स्टेशन)	665/5	0.21 ट	सूखी			0.21 ट	शून्य,
						कुल:	एकड 2.06 गुन्टा	

(एफ.नं.डब्ल्यू. सीओएन/182/एसआरपी/टीएसएस/जीएनपी/20इ?)
हस्ता./- मोतीलाल भूक्या, मुख्य अभियंता/निर्माण-॥
A722
PUB/623

श्री केसरियां कंवरजी का जागरण 4 को

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फीलखाना स्थित श्रृंगऋषि भवन में श्री केसरियां कंवरजी के नाम भव्य जागरण शुक्रवार 04 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में बिरजू प्रसाद पांडिया ने बताया कि 4 सितम्बर पंडाल को लाइटिंग व फूलों से सजाकर केसरिया कंवरजी का शृंगार, ज्योत प्रज्वलितकर जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विशाल श्रीमाली, नेतराम तिवारी केसरियां कंवरजी के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। भक्तों द्वारा केसरियां कंवरजी के चरणों में श्रद्धा के पुष्प व श्रीफल भेंट कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के लिए पूजा-अर्चना की जाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नेमीचन्द पांडिया, कन्हैयालाल पांडिया, रामलाल (पुसाराम) काग, माणकचन्द कुमावत, घनश्याम पांडिया, हनुतराम अडाणिया, बिरजू प्रसाद पांडिया, रमेश कुमावत, धर्मनाथ, भंवरलाल काग, हडमान काग, महेन्द्र पांडिया, राजुदास, गोकुलराम, तुलाराम, नेमीचन्द बैंगलोर, भिखाराम, मांगीलाल कुमावत, ताराचन्द व सदस्यगण अपनी सेवाएं देंगे।

नाबालिग के साथ गलत व्यवहार करने का आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने शशिकांत नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर एक शादीशुदा महिला के साथ रह रहा था और बाद में उसने उसकी नाबालिग बेटी के साथ गलत व्यवहार किया।

पुलिस के अनुसार, इंदिरा नगर का रहने वाला शशिकांत महिला के साथ एक्स्ट्रा-मैरिटल रिलेशनशिप (शादी के बाहर संबंध) में था और उसके साथ रह रहा था। हालांकि, बताया जाता है कि महिला उसकी बेटी के प्रति उसके व्यवहार से असहज हो गई और उससे दूरी बनाने लगी। मामला तब और बढ़ गया जब महिला और उसकी बेटी हाल ही में श्रीशैलम गए थे।

जब वे बाहर गए हुए थे, तो शशिकांत ने कथित तौर पर महिला के घर पर एक अलग ताला लगा दिया। इस घटना और उसके कथित व्यवहार से परेशान होकर, महिला ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। बंजारा हिल्स पुलिस ने शशिकांत को हिरासत में ले लिया है और आरोपों तथा घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रही है।

मैलारदेवपल्ली में अज्ञात व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को मैलारदेवपल्ली में अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर एक अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, हमलावरों ने पीड़ित पर चाकू से हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलने पर मैलारदेवपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या हत्या पुरानी दुश्मनी से जुड़ी थी या इसके पीछे कोई और कारण था। पीड़ित की पहचान और हमले के पीछे की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है।

एससीसीएल कर्मचारी ने आत्महत्या की

भूपालपल्ली, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मल्हार राव मंडल के कोय्युर गांव में नागुलम्मा मंदिर के पास एससीसीएल के एक कर्मचारी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

मृतक, बथुला कृष्णा चैतन्य (32), जो पेड्डापल्ली जिले में सेंटेनरी कॉलोनी सिंगरेनी क्वार्टर में रहते थे। आरजी-3 इलाके में आदियाला लॉन्गवॉल प्रोजेक्ट खदान में ओवरमैन के तौर पर काम कर रहे थे।

बताया जाता है कि अपनी जान देने से कुछ पल पहले उन्होंने अपनी पत्नी पद्मावती को फोन किया था। मंगलवार रात मंदिर के पास जंगल इलाके में उन्होंने खुद पर पेट्रोल डाला और आग लगा ली। पुलिस ने बताया कि शव बुरी तरह जल गया था और पहचान में नहीं आ रहा था। कोय्युर पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, कोठागुडेम के मनुगुरु के रहने वाले चैतन्य ने आर्थिक तंगी के कारण यह कदम उठाया।

मदान्नापेट सब्जी मंडी में लगी आग

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार देर रात सैदाबाद की मदान्नापेट सब्जी मंडी में भीषण आग लग गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी हो सकती है। आग में मंडी की कई दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के अभियान के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी संपत्ति के नुकसान का आकलन कर रहे हैं, जबकि आग लगने के सही कारण का पता लगाया जा रहा है।

शमसाबाद बडेर में भादवी बीज महोत्सव एवं वार्षिक सम्मेलन 12 व 13 सितंबर को

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज शमसाबाद बडेर में श्री आई माताजी के 611वे अवतरण दिवस और बाहरवा वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम 12 व 13 सितंबर को शमशाबाद बडेर आयोजित किया गया है।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष आसाराम गेहलोत व सचिव भोलाराम पंवार ने बताया कि 12 सितंबर को प्रातः वेला में श्री आई माता मंदिर को विशेष रंग -बिरंगे फूलों व लाइटिंग से सजाकर विशेष श्रृंगार किया जायेगा।सायं 7:30 बजे को विशेष पूजा अर्चना एवं आरती होगी।8:15बजे को महिला मंडल द्वारा हरजस और 9:15बजे को भजन संध्या में गायक विशाल श्रीमाली द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी। 10:30बजे को बोलीया का कार्यक्रम भी रहेगा।13 सितंबर को प्रातः शुभ वेला में गणेश वंदना एवं आई माताजी की पूजा अर्चना व पूर्ण आरती के साथ पूजा का कार्यक्रम सम्पन्न होंगा।10: 30 बजे को सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों एवं महिलाओं द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएगी। तीनों समितियों के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण व सभी सदस्य गण को शपथ ग्रहण और वर्तमान में तीनों समितियो के सभी पदाधिकारी गण व सदस्य गण को विदाई समारोह का भी कार्यक्रम रहेगा। अध्यक्ष द्वारा स्वागत सम्बोधन भाषण व सचिव महोदय द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव,महाप्रसादी ग्रहण करने के पश्चात कार्यक्रम का समापन होगा।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्नम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

सं.- जीएनटी/सी.79/कैटरिंग/ई-नीलामी/21/2026, दि.01-09-2026

ई-नीलामी लीजिंग द्वारा प्रदत्त वाणिज्यिक आय संविदाओं हेतु गुंटूर डिवीजन की संयुक्त मासिक सूची

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण तट रेलवे-दतरे, गुंटूर डिवीजन, गुंटूर द्वारा आईआरईपीएस वेब पोर्टल के ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के माध्यम से ई-बोलियां आमंत्रित है। कैटरिंग या खानपान सूचियों तथा वाटर वेन्डिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएमएस) का विवरण नीचे दिया गया है।

वाटर वेन्डिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएमएस) की ई-नीलामी दि.09-09-2026

क्रम संख्या	संविदा का प्रकार	स्टेशन	संविदा अवधि	आधार रु. बोली	नीलामी प्रारंभ तिथि & समय
1	डब्ल्यूवीएम	गुंटूर (पीएफ नं.4&5)	5 वर्ष	मूल्य का 10%	09-09-2026 के 12.00 बजे
2	डब्ल्यूवीएम	नंद्याल (पीएफ नं.2 & 3)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	09-09-2026 के 12.00 बजे

कैटरिंग स्टाल ई-नीलामी दि.22-09-2026

क्रम संख्या	संविदा का प्रकार	स्टेशन/श्रेणी/स्थान	निम्न हेतु आरक्षित	संविदा अवधि	आधार रु. बोली	नीलामी प्रारंभ तिथि & समय
1	चाय दुकान या टी स्टाल	गुंटूर (पीएफ नं.4&5)	अनु.सू.चित जनजाति-सामान्य	5 वर्ष	मू.रु.य का 10%	22-09-2026 के 12.00 बजे

निविदाकार को यह जिम्मेदारी है कि, ई-निविदाओं में भाग लेने के लिए, स्वयं को आईआरईपीएस ई-नीलामी लीजिंग इन में रजिस्टर करना चाहिए तथा डिजीटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट प्राप्त करना चाहिए। वेबसाइट: www.ireps.gov.in पोर्टल पर मैन्युअल & दिशानिर्देशों के तहत पंजीकरण तथा ई-नीलामी लीजिंग में सहभागिता की पूर्वआवश्यकताएं उपलब्ध हैं। जब कभी भी बुलाये जाने पर, निविदाकार को, अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर आवश्यक दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा। निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की अपलोडिंग या भुगतान के दौरान आईआरईपीएस पोर्टल पर घटित किसी भी अवरोध के लिए रेल प्रशासन को कतई जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकेगा।

निविदा प्रपत्र के निर्धारित शर्तों को यथावत रूप से पूरा न कर, प्राप्त निविदाओं को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। उपरोक्त निविदा की संपूर्ण जानकारी, ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के वेबसाइट पोर्टल: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

SCoR-A285 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक, गुन्टूर

PUB/SCoR-247

कांग्रेस सरकार जनता से किए वादे कर रही है पूरी: पोंगुलेटी

बीआरएस काल के कर्ज का करना पड़ रहा है भुगतान

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार गरीबों की समस्याओं को समझते हुए जनता से किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करने के साथ-साथ पिछली बीआरएस सरकार द्वारा छोड़े गए कर्ज और लंबित बिलों का भुगतान कर रही है। इसके साथ ही ठप पड़ी विकास योजनाओं को भी पुनः शुरू किया जा रहा है। यह बात राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कही। बुधवार को सचिवालय में मीडिया से बातचीत करते हुए पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने करीब 3,475 दिनों तक तेलंगाना में शासन किया और राज्य पर भारी कर्ज का बोझ छोड़ गई। कांग्रेस सरकार ने कठिन आर्थिक परिस्थितियों में सत्ता संभालने के बावजूद कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को प्रभावित नहीं होने दिया।उन्होंने कहा कि सरकार पिछली सरकार द्वारा लिए गए ऋण का मूलधन और ब्याज दोनों चुका रही है। इसके साथ ही लंबित बिलों का भुगतान, अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने तथा नई विकास योजनाओं को शुरू करने का काम किया जा रहा है। पोंगुलेटी ने कहा, हमारे 1,000 दिनों के शासन की आलोचना करने से बीआरएस के 3,475 दिनों के शासन में हुई अन्याय और अनियमितताएं खत्म नहीं हो जाएंगी। उन्होंने इस संदर्भ में तेलुगु कहावत का उल्लेख करते हुए कहा कि बारिश पुराने दाग नहीं मिटा सकती।

मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार एक ओर पिछली सरकार से विरासत में मिली जिम्मेदारियों को पूरा कर रही है और दूसरी ओर जनता से किए गए वादों को भी लागू कर रही है। सरकार दोनों जिम्मेदारियों के बीच दो आंखों की तरह संतुलन बनाकर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 1,000 दिनों में किसानों के कल्याण पर लगभग 1.76 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसमें रायथु भरोसा, कृषि ऋण माफी, मुफ्त बिजली, बीज, उर्वरक सब्सिडी तथा विभिन्न फसलों के लिए प्रोत्साहन जैसी योजनाएं शामिल हैं। पोंगुलेटी ने कहा कि सरकार महीन किस्म के धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दे रही है। धान के अलावा अन्य फसलों की खेती करने वाले किसानों को भी इसी तरह का सहयोग उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना ही वाईएसआर को सच्ची श्रद्धांजलि: रेवंत रेड्डी

वाईएसआर की सिंचाई परियोजनाएं जल्द होंगी पूरी

वाईएसआर ने किसानों के हित में लिए ऐतिहासिक फैसले

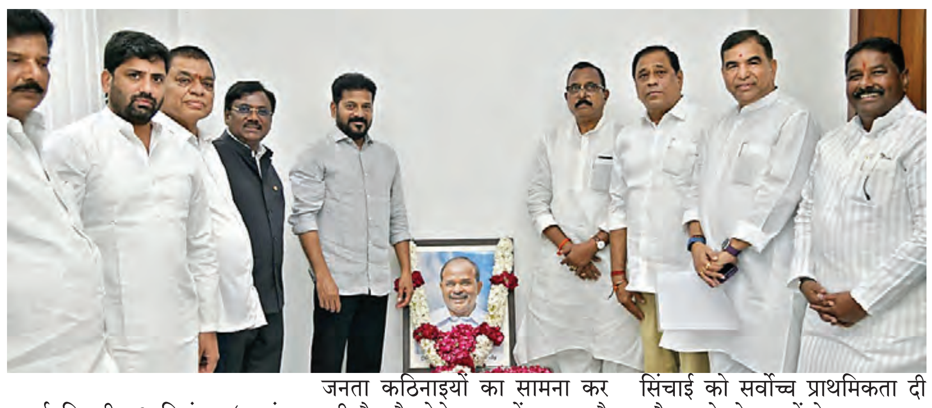

नई दिल्ली, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कहा कि देश के मौजूदा कठिन और चुनौतीपूर्ण दौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नेतृत्व ऐतिहासिक आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को भारत का प्रधानमंत्री बनाना ही दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी (वाईएसआर) को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। नई दिल्ली में आयोजित वाई.एस. राजशेखर रेड्डी अवॉर्ड्स-2026 समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वाईएसआर के नेतृत्व और उनकी अंतिम इच्छा को याद किया। उन्होंने कहा कि दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद वाईएसआर ने कहा था कि उनके जीवन का लक्ष्य राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनते देखना है। हालांकि, उनकी यह इच्छा पूरी होने से पहले ही उनका निधन हो गया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि आज देश की जनता कठिनाइयों का सामना कर रही है और ऐसे समय में जरूरत है कि कोई मजबूत नेता जनता के साथ खड़ा हो। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ऐसे ही मजबूत नेता हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में एकजुट होकर मेहनत करें और आगामी चुनाव में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का लक्ष्य हासिल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाईएसआर की दूरदर्शिता के कारण तेलंगाना में सिंचाई के लिए प्राणहिता-चेवेल्ला, कलवाकुर्थी लिफ्ट सिंचाई और एसएलबीसी सुरंग परियोजनाओं की शुरुआत हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ये परियोजनाएं वर्तमान में ठप पड़ी हैं। रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि उनकी सरकार इन परियोजनाओं को जल्द पूरा कराकर तेलंगाना की जनता को समर्पित करेगी। उन्होंने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के योगदान को भी याद किया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि नेहरू ने शिक्षा और सिंचाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और उनके नेतृत्व में देश भूख तथा बदहाली से निकलकर खाद्यान्न निर्यातक राष्ट्र बना। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों की उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था को मजबूत किया गया तथा कृषि सुधारों और गरीबों को असाइनमेंट भूमि उपलब्ध कराने जैसे कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा कानून लाया गया, जिससे देश के प्रत्येक नागरिक की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से राशन की दुकानों पर आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में 3.48 करोड़ लोगों को गुणवत्तापूर्ण चावल उपलब्ध कराया जा रहा है।

बुधवार को केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा विठ्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले प्रमोद कुमार सरायवाला दीपक कुमार सरायवाला अशोक लाखोटिया सेसैया पांडु बृज भूषण अग्रवाल पी सी जैन प्रवीण कुमार अग्रवाल राहुल सिंघल सुरेश कुमार अग्रवाल सीए वेंकटेश रेड्डी राज गोपाल राव भूषण रेड्डी बलराज विजय कुमार सियाम्स विजय लक्ष्मी विजय रेड्डी संध्या अग्रवाल एवं अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

राम मंदिर के ...

राम मंदिर के सीईओ के रूप में उनकी नियुक्ति को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि मंदिर अब निर्माण के चरण से आगे बढ़कर व्यवस्थित संचालन और वैश्विक धार्मिक-पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है।

प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा, दर्शन व्यवस्था, कर्मचारी प्रबंधन, सुविधाओं का विस्तार और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय जैसी जिम्मेदारियां सीईओ के सामने होंगी।

ऐसे में सैन्य सेवा से आए मिश्रा के अनुशासन, नेतृत्व, बड़े संस्थान के प्रबंधन और समन्वय के अनुभव को ट्रस्ट के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देवरिया के छोटे से गांव भोपतपुरा से भारतीय वायुसेना के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचे मिश्रा का अब अयोध्या के राम मंदिर के पहले सीईओ के रूप में नया अध्याय शुरू हुआ है।

सपा सांसद अफजाल ...

अफजाल अंसारी की पत्नी फरहत अंसारी के नाम दर्ज इस संपत्ति को गाजीपुर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क किया था। कुर्की की कार्रवाई को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया गया। गाजीपुर की विशेष गैंगस्टर अदालत ने अप्रैल 2025 में मामले की सुनवाई के बाद संपत्ति को अपराध या गैंगस्टर गतिविधियों से अर्जित संपत्ति मानने से इनकार कर दिया था। अदालत ने गाजीपुर के जिलाधिकारी को 30 दिनों के भीतर संपत्ति की सील खोलकर उसे वापस करने का आदेश दिया था।

आदेश के बावजूद संपत्ति का कब्जा वापस नहीं मिलने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद प्रशासन ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए संपत्ति का कब्जा परिवार को सौंप दिया। कब्जा लेने पहुंचे अफजाल अंसारी ने कहा कि उन्होंने वर्ष 1998 में यह भूखंड खरीदा था और वर्ष 2001 में मकान का निर्माण पूरा होने के बाद उनका परिवार यहां रहने लगा था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2022 में संपत्ति को अपराध से अर्जित संपत्ति बताते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क और सील कर दिया गया था। कब्जा हस्तांतरण की कार्रवाई के दौरान तहसीलदार और राजस्व विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही।

अधिकारियों ने दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी करने के साथ सील खोलने की कार्रवाई की। संपत्ति तक पहुंचने वाले रास्ते पर मौजूद कूड़े को भी हटाया गया। इसके लिए नगर निगम की ओर से बुलडोजर का इस्तेमाल किया गया, जिसके बाद परिवार को मौके तक पहुंचने का रास्ता उपलब्ध कराया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

यूएस ओपन : ज्वेरेव बाल-बाल बचे !

गॉफ-एंड्रीवा और ईला अगले दौर में

न्यूयॉर्क, 2 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में जारी यूएस ओपन 2026 का तीसरा दिन कई बड़े मुकाबलों और रोमांचक नतीजों के नाम रहा। महिला वर्ग में कोको गॉफ और पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने जीत के साथ दूसरे दौर में जगह बनाई। एलेक्जेंड्रा ईला ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले दौर का टिकट कटाया। पुरुष वर्ग में सबसे ज्यादा चर्चा 40 साल के गेल मोनफिल्स की रही, जिन्होंने अपने जन्मदिन पर जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। वहीं, शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर ज्वेरेव को इटली के लोरेंजो सोनेगो ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन जर्मन खिलाड़ी पांच सेट के मैराथन मुकाबले में जीत हासिल करने में सफल रहे। फ्लावियो कोबोली ने भी दो सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की।

गॉफ ने सोनमेज को हराकर दूसरे दौर में बनाई जगह

कोको गॉफ ने यूएस ओपन के अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने जेनेप सोनमेज को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। गॉफ ने पहले सेट की शुरुआत से ही अपनी सर्विस पर दबदबा बनाए रखा। शुरुआती सर्विस गेम में उन्होंने दो ऐस और एक सर्विस विनर लगाया। इसके बाद सोनमेज की सर्विस तोड़कर 4-2 की बढ़त हासिल की और 32 मिनट में पहला सेट अपने नाम कर लिया।

40 के मोनफिल्स ने मचाया धमाल

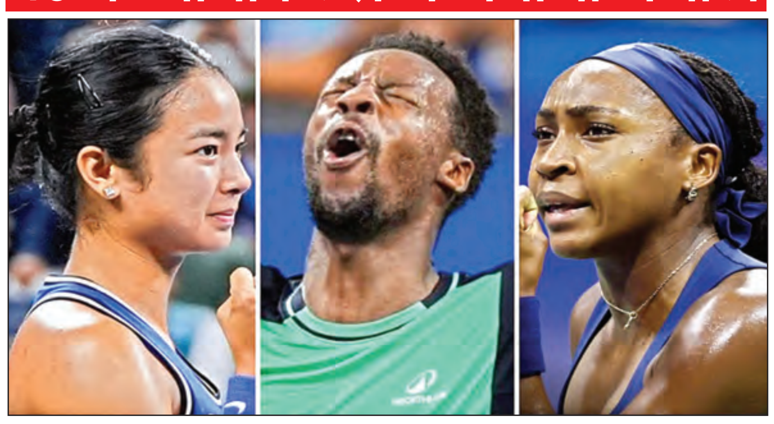

दूसरे सेट में सोनमेज ने वापसी की कोशिश की। उन्होंने नेट पर आक्रामक खेल दिखाया और गॉफ पर दबाव बनाया। दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी ने तीन ब्रेक प्वाइंट भी हासिल किए, लेकिन गॉफ ने तीनों बचा लिए। इसके बाद उन्होंने सोनमेज की सर्विस तोड़कर 4-3 की बढ़त बनाई और मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ गॉफ की टूर्नामेंट के अंत में दुनिया की नंबर-1 एकल खिलाड़ी बनने की उम्मीद भी कायम है। उनका अगला मुकाबला पाउला बडोसा या डारिया कसाटकिना से होगा।

एंड्रीवा लगातार चौथे साल दूसरे दौर में

पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने भी फ्लशिंग मीडोज में दमदार शुरुआत की। उन्होंने दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी जेनिस त्जेन को 6-2, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ एंड्रीवा लगातार चौथे साल यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गईं। अब उनके सामने दुनिया की 98वें नंबर की खिलाड़ी ईवा लिस की चुनौती होगी।

40वें जन्मदिन पर मोनफिल्स का ऐतिहासिक कमाल

डे-3 की सबसे खास कहानी गेल मोनफिल्स के नाम रही। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अपने 40वें जन्मदिन पर लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में वैलेजो को 2-6, 6-1, 6-2, 6-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहला सेट गंवाने के बाद मोनफिल्स ने जिस तरह मुकाबला पलटा, वह देखने लायक था। उन्होंने लगातार तीन सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। यूएस ओपन में यह उनकी कुल 34वीं जीत रही। इस जीत के साथ मोनफिल्स पिछले 50 वर्षों में यूएस ओपन में 40 या उससे ज्यादा उम्र में मैच जीतने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 1977 में 42 साल के केन रोजवॉल और 1992 में 40 साल के जिमी कॉनर्स यह कारनामा कर चुके थे। मोनफिल्स ने जीत के बाद कहा कि 40 का आंकड़ा और अच्छा मैच खेलना उनके लिए बेहद खास था और यह उनके सबसे अच्छे जन्मदिनों में से एक रहा।

2026 को अपने करियर का आखिरी टूर सीजन घोषित कर चुके मोनफिल्स का अगला मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन से होगा। दिलचस्प बात यह है कि टिएन ने पिछले महीने मॉन्ट्रियल में मोनफिल्स को तीन सेट में हराया था। महिला वर्ग में 17वीं वरीयता प्राप्त एलेक्जेंड्रा ईला ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। फिलीपींस की खिलाड़ी ने अमेरिकी क्वालीफायर मैरी स्टोयाना को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। पहले सेट में ईला ने 5-0 की बढ़त बनाकर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया था। उन्होंने अपने 84 प्रतिशत फर्स्ट-सर्विस पॉइंट जीते। दूसरे सेट में भी स्टोयाना ने शुरुआती दौर में ब्रेक प्वाइंट के मौके बनाए, लेकिन ईला ने सभी मौकों को बचा लिया।

बुमराह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में तीसरे नंबर पर फिसले

स्टार्क ने पिछले हफ्ते नंबर-1 पोजीशन छीनी थी; गिल को दो स्थान का नुकसान

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी की ताजा टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने पिछले हफ्ते बुमराह को पीछे छोड़कर नंबर-1 स्थान हासिल किया था। वे 872 रेटिंग पॉइंट के साथ टॉप पर कायम हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी 861 पॉइंट के साथ दूसरे और बुमराह 853 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ऋषभ पंत सातवें और शुभमन गिल नौवें नंबर पर हैं। गिल को दो स्थान का नुकसान हुआ है।

ओली रॉबिन्सन टॉप-5 में पहुंचे

इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन ने 6 पायदान की छलांग लगाकर टॉप-5 में जगह बनाई है। पाकिस्तान के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 8 विकेट लेने के बाद उन्हें लगातार दूसरा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। इस शानदार प्रदर्शन के बाद रॉबिन्सन 831 रेटिंग पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। वे जुलाई 2023 के बाद पहली बार टॉप-5 में लौटे हैं।

टॉप-10 के बाहर भी तेज गेंदबाजों की छलांग

श्रीलंका के असिथा फर्नांडो 4 स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

उन्होंने कोलंबो टेस्ट में भारत के खिलाफ 4 विकेट लिए थे। इंग्लैंड के जोश टंग 4 पायदान की बढ़त के साथ संयुक्त रूप से 13वें और पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास 10 स्थान की छलांग के साथ संयुक्त रूप से 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट बल्लेबाजी में ब्रूक नंबर-1

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक नंबर-1 पर कायम हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ दूसरे और जो रूट तीसरे नंबर पर हैं। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस 2 स्थान की बढ़त के साथ टॉप-10 में पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के सऊद शकील 15 पायदान चढ़कर 18वें, श्रीलंका के सोनल दिनूषा 29 स्थान की छलांग के साथ 25वें और भारत के देवदत्त पडिक्कल 5 पायदान ऊपर चढ़कर 54वें नंबर पर हैं। बुमराह चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में नहीं खेल सके थे।

लामिन यमाल ने किया एक और बड़ा कारनामा

19 साल की उम्र में ठोके इतने गोल, टूट गया कीलियन एम्बाप्पे का महारिकॉर्ड

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बार्सिलोना के 19 वर्षीय स्टार स्ट्राइकर लामिन यमाल ने कैंप नोउ के मैदान पर इतिहास रचते हुए यूरोपीय फुटबॉल में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया है। रायो वैलेकानो के खिलाफ खेले गए ला लीगा मुकाबले में यमाल के दो शानदार गोलों की बदौलत बार्सिलोना ने 5-2 से धमाकेदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में पहला गोल दागते ही यमाल ने क्लब के लिए अपने 50 गोल पूरे कर लिए और डिफेंडिंग चैंपियन बार्सिलोना को सीजन में अपनी अजेय बढ़त बनाए रखने में मदद की। इस शानदार प्रदर्शन के साथ लामिन यमाल यूरोप की टॉप 5 लीगों के इतिहास में 50 क्लब गोल दागने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। महज 19 साल और 49 दिन की उम्र में यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर उन्होंने फ्रांस के स्टार फॉरवर्ड कीलियन एम्बाप्पे का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया जिन्होंने 19 साल और 241 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। इस मामले में एर्लिंग हालैंड तीसरे स्थान पर हैं जिन्होंने 20 साल और 196 दिन में 50 गोल का आंकड़ा छुआ था। यमाल ने बार्सिलोना के इतिहास में भी 50 गोल पूरे करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है और दशकों पुराने रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले क्लब के लिए सबसे तेज 50 गोल करने का रिकॉर्ड जोसेप एस्कोला (20 साल 356 दिन) के नाम था जबकि महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने 21 साल और 120 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था।

पाक टीम में अचानक हुए बदलावों पर भड़के मोहम्मद यूसुफ, पीसीबी के फैसले पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट में हालिया उथल-पुथल पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट दौरे के दौरान किए गए बड़े बदलाव, सिर्फ खराब प्रदर्शन की वजह से नहीं, बल्कि अंदरूनी कलह और मतभेदों के उस पुराने चक्र का हिस्सा हैं जो अक्सर देखने को मिलता है।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम के 0-2 से पिछड़ने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बड़ा बदलाव किया और तीसरे टेस्ट से पहले सात खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के दो सदस्यों को घर वापस भेज दिया है। इन घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए यूसुफ ने कहा कि खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को वापस बुलाने के फैसले में प्रदर्शन के अलावा भी कई बातें शामिल लगती हैं।

टीम इंडिया के प्रदर्शन पर बीसीसीआई की समीक्षा बैठक आज

गंभीर, अगरकर और लक्ष्मण मुंबई बुलाए गए, 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी पर चर्चा

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने समीक्षा बैठक बुलाई है। हेड कोच गौतम गंभीर, चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण गुरुवार बैठक में शामिल होंगे। यह मीटिंग मुंबई स्थित बोर्ड मुख्यालय में होगी। इसमें विदेशी दौरों पर टीम के प्रदर्शन की समीक्षा के साथ 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। खिलाड़ियों की इंजरी, आईपीए के वर्कलोड और टीम मैनेजमेंट, सीओई और चयन समिति के बीच कम्यूनिकेशन भी बैठक के अहम मुद्दे होंगे।

16 सीरीज बाद आयरलैंड से हारे, इंग्लैंड में भी खराब प्रदर्शन

भारत को जून में आयरलैंड के खिलाफ 2 मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में 0-2 से हार मिली थी। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह भारत की करीब 3 साल में 16 सीरीज के बाद पहली टी-20 सीरीज हार थी। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टी-20 सीरीज में भारत 0-4 से हार गया। नॉटिंघम में टीम को 125 रन से हार मिली थी। वनडे सीरीज में भारत ने पहला मैच जीता, लेकिन सीरीज 1-2 से गंवा दी। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने इन नतीजों के बाद टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की बात कही थी। अब यह बैठक बुलाई गई है।

बुमराह की फिटनेस की जानकारी चयन समिति तक नहीं पहुंची

बैठक में खिलाड़ियों की इंजरी और सीओई की भूमिका पर भी चर्चा होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों, सीओई और सिलेक्शन कमेटी के बीच कम्यूनिकेशन को लेकर सवाल उठे हैं। एक मामले में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के फिट नहीं होने की जानकारी चयन समिति को समय पर नहीं मिली थी। वॉशिंगटन सुंदर के चोटिल होने और साई सुदर्शन की रिकवरी में उम्मीद से ज्यादा समय लगने पर भी चर्चा होगी।

9 सितंबर को 4 खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट

आईपीएल के वर्कलोड का खिलाड़ियों की फिटनेस पर असर भी बैठक का अहम मुद्दा होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ T20I सीरीज के लिए चुने गए जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर, नीतिश रेड्डी और हर्षित राणा की उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर है। चारों खिलाड़ियों का 9 सितंबर को फिटनेस टेस्ट होगा। न्यूजीलैंड दौरे को देखते हुए बीसीसीआई तेज गेंदबाजों के पूल को फिट रखने और खिलाड़ियों के बीच इंजरी की समस्या कम करने के तरीकों पर भी चर्चा करेगा।

यूएस ओपन-चोट से लौटकर रायबाकिना जीतीं

विंबलडन सेमीफाइनलिस्ट फेरी बाहर, मुसेटी ने सीधे सेटों में हराया

न्यूयॉर्क, 2 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में खेले जा रहे यूएस ओपन के पहले दौर में कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने चोट से वापसी करते हुए जीत दर्ज की। वही, विंबलडन के सेमीफाइनलिस्ट आर्थर फेरी मेंस सिंग्लस के पहले दौर में हार कर बाहर हो गए। रायबाकिना ने अमेरिका की 17 साल की वाइल्डकार्ड थिया फ्रोडिन को 6-3, 6-2 से हराया, जबकि ब्रिटेन के फेरी को इटली के लोरेंजो मुसेटी ने 6-3, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी।

रायबाकिना ने 1 घंटे 14 मिनट में जीता मैच

रायबाकिना ने सिनसिनाटी में इगा स्वियातेक के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच बीच में छोड़ने के बाद पहली बार कोर्ट पर वापसी की। बाएं टखने की चोट के कारण उन्हें वे मुकाबला अधूरा छोड़ना पड़ा था। करीब दो सप्ताह बाद यूएस ओपन में लौटीं रायबकिना ने फ्रोडिन के खिलाफ चोट का कोई असर नहीं दिखने दिया और 1 घंटे 14 मिनट में 6-3, 6-2 से जीत दर्ज की।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

कोलंबो, 2 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है। श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है।

चरिथ असलांका दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल मिशारा, कामिंडू मेंडिस, जेनिथ लियानागे और पवन रथनायके हैं। ये बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दासुन शनाका, ऑलराउंडर वानिंदू हसरंगा और दुनिथ वेलालागे भी हैं। शनाका ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए श्रीलंका की टीम में उनकी वापसी अहम है। वनडे सीरीज के लिए बतौर गेंदबाज महेश तीक्षाणा, सचिंदू कोलंबेज, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका टीम में शामिल हैं। टीम में निसांका, कामिंडू मेंडिस, असलांका, जनिथ लियानागे, शनाका, हसरंगा, वेलालागे और तिक्षाणा भी शामिल हैं। पहले टी20 सीरीज खेली जानी है। पहला टी20 15 सितंबर को साउथैम्प्टन में, दूसरा 17 सितंबर को कार्डिफ में और तीसरा 19 सितंबर को मैनचेस्टर में होगा। इसके बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 22 सितंबर को चेस्टर-ले-स्ट्रीट, दूसरा 24 सितंबर को लीड्स और तीसरा 27 सितंबर को 'द ओवल' खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम 5 सितंबर को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीमः कुसल मेंडिस (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, लाहिरू उदारा, कामिंडू मेंडिस, चरिथ असलांका, जनिथ लियानागे, दासुन शनाका, दुनिथ वेलालागे, वानिंदु हसरंगा, महेश तीक्षाणा, थारिंडू रथनायके, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, नुवान तुषारा, बिनुरा फर्नांडो।

वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका की टीमः कुसल मेंडिस (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कामिंडू मेंडिस, चरिथ असलांका, जनिथ लियानागे, पवन रथनायके, दासुन शनाका, वानिंदू हसरंगा, दुनिथ वेलालागे, महेश तीक्षाणा, सचिन्दू कोलोम्बगे, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका।

बाबर आजम को एजबेस्टन टेस्ट से पहले बुखार

9 सितंबर से खेला जाएगा तीसरा मुकाबला; इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान 0-2 से पीछे

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ 9 सितंबर से एजबेस्टन में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को बुखार है। टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा ने बताया कि बाबर को बुखार है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है और उनके जल्द ठीक होने की उम्मीद है। यह अपडेट ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद टेस्ट टीम में बड़ा फेरबदल किया है। बोर्ड ने 7 खिलाड़ियों और 2 कोच को टीम से बाहर किया है।

इस फैसले के बाद पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने सिलेक्शन कमेटी से इस्तीफा दे दिया। बाबर ने लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में 8 और 6 रन बनाए थे। पाकिस्तान यह मैच 194 रन से हार गया था। वे चोट के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेले थे, जिसमें सलमान अली आगा ने टीम की कप्तानी की थी। बाबर ने हाल में वेस्टइंडीज दौरे पर दो टेस्ट में 193 रन बनाए थे। इसमें उनके दो अर्धशतक शामिल थे। पाकिस्तान ने वह सीरीज 1-1 से ड्रॉ की थी। हालांकि, टेस्ट क्रिकेट में बाबर के बल्ले से शतक लंबे समय से नहीं आया है।

लक्ष्य सेन पहले दौर में हारकर बाहर; किदांबी श्रीकांत ने दूसरे दौर में बनाई जगह

शंघाई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन चाइना मास्टर्स के पहले दौर में कनाडा के विक्टर लाई से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहीं, किदांबी श्रीकांत ने अपना मैच जीता और दूसरे दौर में जगह बनाई। 2021 विश्व चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लक्ष्य ने मैच में कई गलतियां कीं, जिसका विश्व नंबर-नौ विक्टर ने फायदा उठाया। लक्ष्य 14-21, 7-21 से मैच हार गए। यह मुकाबला 38 मिनट में ही खत्म हो गया। विक्टर पिछले महीने हुए विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

श्रीकांत और मिश्रित युगल जोड़ी अगले दौर में

2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत ने चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-16, 21-15 से हराकर पुरुष एकल के अगले दौर में जगह बनाई। वहीं, भारत की मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने भी अगले दौर का टिकट कटाया। भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के टोनाकोर्न साएहेंग और टोनिचा साएहेंग को सीधे गेमों में 21-8, 21-9 से मात दी।

लक्ष्य सेन के लिए एक और निराशाजनक नतीजा

लक्ष्य सेन के लिए पिछले कुछ सप्ताह मुश्किल भरे रहे हैं। घरेलू सरजमीं पर आयोजित विश्व चैंपियनशिप में वह शुरुआती दौर में ही अप्रत्याशित रूप से बाहर हो गए थे। इसके बाद बुधवार को भी उन्हें कनाडा के विक्टर लाई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य ने पहले गेम की शुरुआत 4-0 की बढ़त के साथ की थी, लेकिन कनाडाई खिलाड़ी ने जल्द ही मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया। विक्टर ने लक्ष्य को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया और लगातार दबाव बनाते हुए पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया।

बैकहैंड साइड पर लगातार हुई गलतियां

दूसरे गेम में भी लक्ष्य अपनी परेशानी से बाहर नहीं निकल सके। विक्टर की मजबूत डिफेंस के सामने भारतीय खिलाड़ी लगातार संघर्ष करते रहे। दबाव बढ़ने के साथ लक्ष्य ने धैर्य खोया और कनाडाई खिलाड़ी की बैकहैंड साइडलाइन पर बार-बार गलतियां कीं।कोर्ट बदलने के बाद भी स्थिति नहीं बदली। विक्टर ने लक्ष्य के आक्रामक शॉट्स को लगातार वापस लौटाया और उन्हें गलतियां करने पर मजबूर किया। लक्ष्य एक समय 4-11 से पीछे हो गए और इसके बाद वापसी नहीं कर सके। कनाडाई खिलाड़ी ने बिना ज्यादा परेशानी के मुकाबला समाप्त कर दिया।

अनाहत-रमित लंदन स्क्वॉश क्लासिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क, 2 सितंबर (एजेंसियां)। लंदन में खेले जा रहे लंदन स्क्वॉश क्लासिक में भारत की अनाहत सिंह और रमित टंडन प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 30वें नंबर की मरियम मेटवाली को सिर्फ 11 मिनट में 11-3, 11-2 से हराया। वहीं, 42वें नंबर के रमित ने कतर के 61वें नंबर के अब्दुल्ला अल-तमीमी को 20 मिनट में 11-6, 11-7 से मात दी।

हालांकि, 38वें नंबर के वीर चोतरानी को स्विट्जरलैंड के यैनिक विल्हेमी के खिलाफ 9-11, 9-11 से हार मिली। अनाहत ने मरियम मेटवाली के खिलाफ शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम 11-3 से जीता और दूसरे गेम में सिर्फ दो अंक गंवाते हुए 11-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच खत्म करने में उन्हें केवल 11 मिनट लगे। अब प्री-क्वार्टर फाइनल में अनाहत का सामना बेल्जियम की दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी नेले गिलिस से होगा। यह मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा। अनाहत ने हाल ही में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं। पुरुष एकल में रमित टंडन ने अब्दुल्ला अल-तमीमी को 11-6, 11-7 से हराया। 20 मिनट चले मुकाबले में रमित ने दोनों गेम अपने नाम किए और अगले दौर में जगह बनाई। प्री-क्वार्टर फाइनल में रमित का सामना टूर्नामेंट के आठवीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद एलशोरबागी से होगा।

रेवंत रेड्डी ने राजनाथ सिंह को वैश्विक निवेश सम्मेलन का न्योता दिया

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री मंत्री के. राममोहन नायडू से भी मिले मुख्यमंत्री

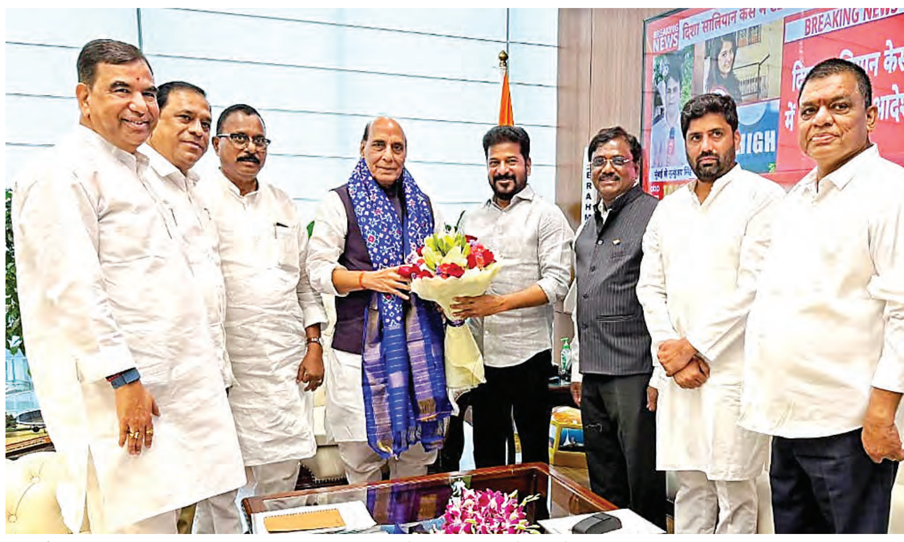

नई दिल्ली, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर उन्हें आगामी 'इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट-2026' में शामिल होने का निमंत्रण दिया। तेलंगाना सरकार की ओर से यह वैश्विक सम्मेलन 7 से 9 दिसंबर तक 'भारत फ्यूचर सिटी' में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री से सम्मेलन के तहत आयोजित होने वाले रक्षा प्रदर्शनी-2026 का उद्घाटन करने का भी अनुरोध किया। बैठक में तेलंगाना में रक्षा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

रेवंत रेड्डी ने बताया कि रक्षा प्रदर्शनी में एयरोस्पेस, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों पर विशेष सत्र के साथ हवाई प्रदर्शन, औद्योगिक प्रदर्शनी तथा जमीन आधारित रक्षा प्रणालियों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया जाएगा। देशभर से रक्षा उद्योगों, नवोदित उद्यमों और युवा वैज्ञानिकों के इसमें शामिल होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्रालय से प्रदर्शनी को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप आयोजित करने में पूर्ण सहयोग मांगा। उन्होंने हवाई प्रदर्शन के लिए आवश्यक वायुक्षेत्र अनुमति, भारतीय वायुसेना के विमानों तथा 'सूर्य किरण' और 'सारंग' दलों की भागीदारी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। साथ ही स्थिर विमान प्रदर्शन के लिए सहयोग मांगा।

रेवंत रेड्डी ने थलसेना, नौसेना और वायुसेना की अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित करने तथा तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों की भागीदारी का आग्रह किया। रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों एचएएल, बीईएल, बीडीएल और एमडीएल तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की प्रयोगशालाओं की सक्रिय भागीदारी पर भी चर्चा हुई। विदेशी रक्षा प्रतिनिधियों और द्विपक्षीय रक्षा प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठकें आयोजित कराने में मंत्रालय के सहयोग का अनुरोध किया गया। मुख्यमंत्री ने आदिलाबाद हवाईअड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार 750 एकड़ भूमि पहले ही अधिग्रहित कर चुकी है और रक्षा मंत्रालय की कुल 1,500 एकड़ की मांग के अनुरूप 750 एकड़ अतिरिक्त भूमि अधिग्रहित की जाएगी। उन्होंने बताया कि तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम ने महबूबनगर जिले के देवरकद्रा मंडल में रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला की परियोजना के लिए 416.18 एकड़ भूमि आवंटित करने पर सहमति दी है। यह भूमि 33 वर्ष के लिए मात्र एक रुपये वार्षिक के नाममात्र किराये पर दी जाएगी। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू से मुलाकात की। बैठक में तेलंगाना में हवाईअड्डों के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने आदिलाबाद, मामुनूर सहित राज्य के अन्य प्रस्तावित हवाईअड्डों से संबंधित विषयों पर केंद्रीय मंत्री के साथ विचार-विमर्श किया।

बैठक में मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी, सांसद एम. अनिल कुमार यादव, डॉ. मल्लू रवि, सुरेश शेटकर, पोरिका बलराम नाइक तथा राज्य सरकार के सलाहकार (प्रोटोकॉल) हरकारा वेणुगोपाल मौजूद रहे।

हजार दिनों में कांग्रेस सरकार ने हर वर्ग को ठगा : किशन रेड्डी

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार के एक हजार दिन पूरे होने पर तीखा हमला बोलते हुए इसे ''420 सरकार'' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने छह गारंटियों और 420 वादों के नाम पर जनता को धोखा दिया तथा छात्रों, किसानों, कर्मचारियों, महिलाओं, बेरोजगारों, बुजुर्गों और सामाजिक वर्गों से किए वादे पूरे नहीं किए। किशन रेड्डी ने कहा कि चुनाव से पहले सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने तेलंगाना की जनता से अनेक वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें लागू करने के बजाय सरकार बहानेबाजी कर रही है।

उन्होंने कहा कि एक हजार दिन पूरे होने के बावजूद कर्मचारी और शिक्षक अपने लंबित मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। लंबित बकाया, वेतन संशोधन आयोग की रिपोर्ट और छह महंगाई भत्ते लंबित रखने का उन्होंने आरोप लगाया। उन्होंने महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये, बुजुर्गों और विधवाओं को 4,000 रुपये पेंशन, बेरोजगार युवाओं को प्रतिवर्ष दो लाख नौकरियां और 4,000 रुपये बेरोजगारी भत्ता देने के वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया। विद्यार्थियों के लिए पांच लाख रुपये के शिक्षा भरोसा कार्ड और शुल्क प्रतिपूर्ति के बकाये का भी उन्होंने उल्लेख किया। किशन रेड्डी ने किसानों की दो लाख रुपये तक की कर्जमाफी, किसान सहायता, फसल बोनस तथा भूमिहीन कृषि मजदूरों और किरायेदार किसानों से किए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, तेलंगाना आंदोलनकारियों और अमर शहीदों के परिवारों से किए वादे भी अधूरे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से एक श्वेतपत्र जारी कर एक हजार दिनों में पूरी, लंबित और छोड़ी गई घोषणाओं का ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि जनता आगामी 825 दिनों के बाद कांग्रेस को सत्ता से हटाने का मन बना चुकी है।

जन्माष्टमी के दिन 4 सितंबर को मीट और बीफ़ की दुकानें बंद रहेंगी

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर आरवी कर्णन ने बुधवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के लिए 4 सितंबर को जीएचएमसी इलाके में सभी भेड़, बकरी और मवेशियों के बूचड़खानों और मीट व बीफ़ की दुकानों को बंद करने का आदेश दिया है।

कर्नन ने कहा कि यह फ़ैसला जन्माष्टमी के महत्व को ध्यान में रखते हुए और जीएचएमसी एक्ट, 1955 की धारा 533(b) के तहत जारी नोटिस के बाद लिया गया है। उन्होंने हैदराबाद पुलिस कमिश्नरों से अपील की कि वे दुकानों को बंद कराने के आदेश को लागू करने में नगर निगम अधिकारियों का पूरा सहयोग करें।

सिंगरेणी ने भूमिगत कोयला खदानों के निजीकरण से इनकार किया

हैदराबाद, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने स्पष्ट किया है कि सिंगरेणी की भूमिगत कोयला खदानों के निजीकरण के दावे वाली खबरें पूरी तरह से झूठी हैं। बुधवार को एक बयान में, एससीसीएल ने कहा कि कंपनी द्वारा सिंगरेणी की भूमिगत खदानों के निजीकरण का कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है।

खनन क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखने वाली एक जिम्मेदार सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के रूप में, सिंगारेनी वर्तमान में 21 भूमिगत खदानों और 17 खुली खदानों के माध्यम से कोयले का उत्पादन कर रही है। कंपनी ने बताया कि वह तेलंगाना के साथ-साथ तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों को कोयले की आपूर्ति करके देश की ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास में निरंतर योगदान दे रही है। प्रबंधन ने कहा कि यद्यपि सिंगरेणी की भूमिगत खदानें वित्तीय घाटे में चल रही हैं, फिर भी तेलंगाना क्षेत्र में रोजगार सृजन और नौकरी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, नुकसान को कम करने के हर संभव प्रयास करते हुए इन्हें जारी रखा जा रहा है। कंपनी भूमिगत खदानों को बंद करने या उनका निजीकरण करने के बजाय, उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और परिचालन लागत कम करने के लिए आवश्यक उपाय कर रही है, ताकि यथासंभव अधिक से अधिक खदानों को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाया जा सके।

17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस के रूप में आधिकारिक मान्यता दे सरकार : रामचंदर राव

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने राज्य सरकार से 17 सितंबर को आधिकारिक रूप से तेलंगाना मुक्ति दिवस के रूप में मनाने की मांग की। परकल अमरधाम में शहीद स्तूप पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उन्होंने कहा कि परकल के अमरवीरों का बलिदान तेलंगाना की मुक्ति के संघर्ष के इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा।

नई पीढ़ी तक इस संघर्ष की भावना पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। रामचंदर राव ने कहा कि करीब 80 वर्ष पहले निजाम के निरंकुश शासन के दौरान रजाकारों द्वारा परकल के लोगों पर किया गया नरसंहार दक्षिण भारत के जलियांवाला बाग की घटना जैसा था। उन्होंने दावा किया कि चापलबंडा में 19 और निकटवर्ती लक्ष्मीपुर में तीन लोगों की हत्या की गई तथा 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। उन्होंने गुंड्रापल्ली और बैरानपल्ली में हुई हिंसक घटनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में चलाए गए ऑपरेशन पोलो के बाद निजाम को झुकना पड़ा और 17 सितंबर 1948 को हैदराबाद रियासत भारत का हिस्सा बनी।

उन्होंने पी. वी. नरसिंह राव, स्वामी रामानंद तीर्थ, वंदेमातरम रामचंद्र राव, शोएबुल्ला खान और तुर्बाज खान सहित अनेक नेताओं के योगदान को याद किया। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस ने वोट बैंक की राजनीति के कारण 17 सितंबर को आधिकारिक रूप से मनाने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में यह दिवस आधिकारिक रूप से मनाया जाता है, तो तेलंगाना में ऐसा क्यों नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर मुक्ति संघर्ष का इतिहास पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार से तत्काल 17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस घोषित करने और गांवों तथा शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर शहीदों को श्रद्धांजलि देने की अपील की।

साइबराबाद में पुलिसकर्मियों के तबादले फिलहाल टालने की मांग

हैदराबाद, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस सहकारी ऋण सोसायटी की प्रबंध समिति के सदस्यों ने साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश से मुलाकात कर शैक्षणिक वर्ष के बीच में होने के कारण पुलिसकर्मियों के तबादलों को फिलहाल अस्थायी रूप से टालने का अनुरोध किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि पुलिसकर्मियों के बच्चों की स्कूल फीस और दाखिले की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। ऐसे में इस समय तबादले किए जाने से कर्मचारियों को आर्थिक, पारिवारिक और बच्चों की शिक्षा से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

समिति ने यह भी कहा कि आगामी गणेश उत्सव के दौरान पुलिस बल को बंदोबस्त ड्यूटी प्रभावी ढंग से संभालनी है, इसलिए फिलहाल पुलिसकर्मियों के तबादले रोकना आवश्यक है। समिति की इस मांग पर साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (प्रशासन) टी. अन्नपूर्णा, कोषाध्यक्ष जी. मल्लेशम, उपनिरीक्षक, निदेशक ए. राजेंद्र, पुलिस कांस्टेबल, बी. बलवंत रेड्डी, प्रधान आरक्षक, सी. मल्लेशम, प्रधान आरक्षक, पी. अशोक, एआरपीसी तथा जे. रजनी, एआरडब्ल्यूपीसी और डी. पद्मलता उपस्थित रहीं।

अल्पसंख्यक महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 50-50 हजार रुपये की सहायता

रंगारेड्डी, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार अल्पसंख्यक महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने बुधवार को रंगारेड्डी जिले में अल्पसंख्यक लाभार्थियों को आर्थिक सहायता और आजीविका प्रोत्साहन सामग्री वितरित करते हुए यह बात कही। मंत्री ने तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम के अध्यक्ष मोहम्मद ओबेदुल्ला कोतवाल के साथ 'इंदिरम्मा अल्पसंख्यक महिला योजना' के तहत 278 अल्पसंख्यक विधवा महिलाओं को 50-50 हजार रुपये के चेक प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि इस सहायता से महिलाओं और उनके परिवारों की आजीविका में सुधार होगा तथा वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। इसी प्रकार 'अल्पसंख्यक समुदाय के तुर्क काशा पुनर्वास' योजना के तहत तुर्क काशा मुस्लिम समुदाय के 13 सदस्यों को 60-60 हजार रुपये मूल्य के जनरेटर और औजार किट वितरित किए गए। मंत्री ने कहा कि इन संसाधनों के माध्यम से लाभार्थी स्वरोजगार शुरू कर अपनी आय बढ़ा सकेंगे। अजहरुद्दीन ने कहा कि रंगारेड्डी जिले में औद्योगिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने महिलाओं से उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने तथा सरकार की ओर से दिए जा रहे सिलाई मशीन, जनरेटर, औजार किट और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का पूर्ण उपयोग करने का आह्वान किया। अपने क्रिकेट जीवन का उल्लेख करते हुए अजहरुद्दीन ने कहा कि वह टेस्ट खिलाड़ी रहे हैं और जनता की मांगों के लिए धन उपलब्ध कराने के मामले में भी ''शतक'' लगाने का प्रयास करेंगे।

केंद्रीय अधिकारियों से तेलंगाना के मुख्य सचिव संजय जाजू की मुलाकात

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य सचिव संजय जाजू ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। बैठकों में केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय, विकास कार्यों की प्रगति तथा विभिन्न परियोजनाओं से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

संजय जाजू ने केंद्रीय रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव कतिकिताला शीनिवास तथा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर से मुलाकात की।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव कतिकिताला शीनिवास के साथ हुई बैठक में तेलंगाना में शहरी विकास, आवासन तथा शहरी आधारभूत ढांचे से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। राज्य में शहरी क्षेत्रों के विकास को गति देने तथा आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से संबंधित विषय बैठक में प्रमुख रहे।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर के साथ हुई बैठक में तेलंगाना में सड़क आधारभूत ढांचे के विकास, सड़क संपर्क व्यवस्था तथा राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। राज्य में सड़क संपर्क को और मजबूत करने तथा लंबित विकास कार्यों को केंद्र के सहयोग से आगे बढ़ाने पर विचार किया गया। केंद्रीय रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के साथ भी राज्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इन बैठकों के माध्यम से तेलंगाना सरकार ने राज्य के विकास से जुड़े मामलों में केंद्र सरकार के साथ समन्वय बढ़ाने और आवश्यक सहयोग प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

राज्य सरकार के अनुसार, केंद्रीय अधिकारियों के साथ हुई ये बैठकें तेलंगाना में विभिन्न विकास कार्यक्रमों की प्रगति तेज करने तथा केंद्र और राज्य के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने में सहायक होंगी।

टीटीडी ने बिचौलियों और फर्जी वेबसाइटों पर कार्रवाई शुरू की, निगरानी बढ़ाई

टीटीडी ने 249 फर्जी वेबसाइटों की पहचान की

तिरुपति, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बीच सुरक्षित, आरामदायक और शांतिपूर्ण श्रीवारी दर्शन सुनिश्चित करने के लिए तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने सुरक्षा, सतर्कता और तीर्थयात्री प्रबंधन उपायों को बढ़ा दिया है। टीटीडी ने कहा कि निर्धारित सर्व दर्शन, विशेष प्रवेश दर्शन और अन्य श्रेणियों के लिए समन्वित व्यवस्था की जा रही है, और अधिकारी कतारों, भीड़ प्रबंधन, पेयजल, अन्नप्रसाद और सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। मंदिर प्रशासन ने जालसाजों और बिचौलियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इस साल दर्शन और आवास का वादा करके भक्तों को ठगने के आरोप में करीब 30 आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि आचरण नियमों का उल्लंघन करने वाले 43 कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। टीटीडी ने 249 फर्जी वेबसाइटों की पहचान की है, जिन पर आकर्षक विज्ञापनों और झूठे वादों, विशेष रूप से आवास संबंधी, के माध्यम से श्रद्धालुओं को गुमराह करने का आरोप है। दो आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं और संबंधित एजेंसियों की सहायता से पहचानी गई वेबसाइटों को हटा दिया गया है। अलीपिरी और श्रीवारी मेट्टू में भी सुरक्षा जांच कड़ी कर दी गई है। इस साल अब तक अलीपिरी में 261 ड्रोन और 105 मेटा स्मार्ट ग्लास पकड़े और जब्त किए गए हैं, क्योंकि तिरुमाला मंदिर क्षेत्र में ऐसे उपकरणों का उपयोग प्रतिबंधित है। टीटीडी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे दर्शन, आवास और सेवाओं की बुकिंग करते समय केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें और बिचौलियों, संदिग्ध लिंक और फर्जी वेबसाइटों से बचें। मंदिर प्रशासन ने तीर्थयात्रियों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने, सुरक्षाकर्मियों के साथ सहयोग करने और तिरुमाला यात्रा के दौरान धैर्य और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने का आग्रह किया।

पालमपेट के गोल्लाला गुड़ी को राष्ट्रीय विरासत का दर्जा मिला

हैदराबाद, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने मुलुग जिले के पालमपेट स्थित ऐतिहासिक गोल्लाला गुड़ी को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया है। इस संबंध में, प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत 31 अगस्त, 2026 को भारत के राजपत्र में एक अधिसूचना प्रकाशित की गई थी। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर के दक्षिण-पश्चिम में स्थित, गोलाला गुड़ी एक विशिष्ट काकतीय-युग त्रिकुटालय है जिसमें पूर्व की ओर मंडप और तीन गर्भगृह हैं। यह मंदिर अपनी जटिल पत्थर की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें हंस, जाली का काम, फूलों के रूपांकन और पशु आकृतियाँ शामिल हैं। इसकी दीवारों में विष्णु, लक्ष्मी, गणेश और महिषासुरमर्दिनी सहित विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियां उकेरी गई हैं। मुख्य मंदिर के सामने स्थित दो अलग-अलग मंदिर, जो बारीक नक्काशीदार द्वारपालों से सुशोभित हैं, स्मारक के स्थापत्य महत्व को और भी बढ़ाते हैं। इस घोषणा से कम ज्ञात काकतीय स्थापत्य धरोहर के संरक्षण और सुरक्षा को मजबूती मिलने की उम्मीद है और पालमपेट में एक और महत्वपूर्ण विरासत स्थल जुड़ जाएगा।

सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जनता खुश : शब्बीर अली

मुख्यमंत्री की योजनाओं की सराहना, नाश्ता योजना को बताया बेहतर पहल

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सलाहकार शब्बीर अली ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनता को बेहतर कल्याणकारी योजनाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने सरकारी विद्यालयों में शुरू की गई नाश्ता योजना को काफी अच्छी पहल बताया। गांधी भवन में पत्रकारों से बातचीत में शब्बीर अली ने कहा कि नाश्ता योजना का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है और निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे अब सरकारी विद्यालयों में दाखिला ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जनता के साथ सीधे संवाद का कार्यक्रम भी अच्छे तरीके से चल रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को आयोजित जनता से सीधे संवाद कार्यक्रम में कुल 78 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें अधिकांश आवेदन नई राशन पर्चियों और इंदिरम्मा आवास से संबंधित थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बात कर अधिक से अधिक आवेदनों का समाधान कराने का प्रयास किया है। शब्बीर अली ने कहा कि कुछ आवेदनों का तत्काल समाधान नहीं हो पा रहा है, लेकिन जिन मामलों का समाधान संभव है, उन्हें निश्चित रूप से हल किया जाएगा। जिन मामलों में नियमों के अनुसार कार्रवाई संभव नहीं है, वहां लोगों को स्पष्ट जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि नई राशन पर्चियों के लिए लगातार आवेदन आने से यह सवाल भी उठता है कि अब तक कुछ लोगों को राशन पर्चियां क्यों नहीं मिली हैं। इसी तरह इंदिरम्मा आवास योजना में भी कुछ समस्याएं सामने आ रही हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.